PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 16.12.2025

पाइट में अटल एफडीपी, विशेषज्ञों ने आधुनिक शिक्षा व इंडस्ट्री के तालमेल पर की चर्चा

थ्रीडी प्रिंटेड कंपोजिट्स से रक्षा से रोबोटिक्स तक क्रांतिकारी बदलाव आ रहे

विनोद लाहोट/हरियाणा वार्ता

समालखा, 15 दिसम्बर। थ्रीडी प्रिंटेड कंपोजिट्स से रक्षा से रोबोटिक्स तक क्रांतिकारी बदलाव आ रहे हैं। यह इंजीनियरिंग, रिसर्च और इंडस्ट्री के लिए बेहद महत्वपूर्ण और उभरता हुआ क्षेत्र है। यह बात देश के विशेषज्ञों ने कही। पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पाइट) में एआइसीटीई की ओर से अटल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) किया गया। इसमें थ्रीडी प्रिंटेड कंपोजिट्सः सामग्री, प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग पर छह दिवसीय एफडीपी संपन्न हुई।

डीआइटी यूनिवर्सिटी, देहरादून के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर डॉ. आनंद ने थ्रीडी प्रिंटेड कंपोजिट्स की मूल अवधारणा, मटेरियल इंटरफेस और आधुनिक

इंजीनियरिंग में एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के महत्व पर प्रकाश डाला।

थापर यूनिवर्सिटी के डॉ. सतीश शर्मा ने कंपोजिट फैब्रिकेशन और एडवांस्ड एडिटिव प्रोसेस पर व्याख्यान दिया। सीएसआइआर चंडीगढ़ से विज्ञानी डॉ. विजय कुमार मीणा ने मेटल थ्रीडी प्रिंटिंग पर अपनी बात रखी। शेन आलम व शेपटेक सॉल्यूशन से अनुराग गुप्ता ने भी विचार व्यक्त किए।

एफडीपी प्रतिभागियों ने दिल्ली स्थित जीजीएसआइपीयू ईस्ट कैंपस में इंडस्ट्रियल दौरा भी किया। निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ.बीबी शर्मा, डॉ.देवेंद्र मोहन, डॉ. विनय खत्री, डॉ.सुनील ढुल, डॉ.अंजू गांधी, समन्वयक डॉ. विनोद कुमारी, इंजीनियर पुनीत कुमार सैनी भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 16.12.2025

पानीपत

आज समाज
पानीपत, मंगलवार, 16 दिसंबर, 2025

03

पाइट में अटल एफडीपी, विशेषज्ञों ने आधुनिक शिक्षा व इंडस्ट्री के तालमेल पर की चर्चा

थ्रीडी प्रिंटेड कंपोजिट्स से रक्षा से रोबोटिक्स तक क्रांतिकारी बदलाव आ रहे

आज समाज नेटवर्क

समालखा/पानीपत। थ्रीडी प्रिंटेड कंपोजिट्स से रक्षा से रोबोटिक्स तक क्रांतिकारी बदलाव आ रहे हैं। यह इंजीनियरिंग, रिसर्च और इंडस्ट्री के लिए बेहद महत्वपूर्ण और उभरता हुआ क्षेत्र है। यह बात देश के विशेषज्ञों ने कही। पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में एआइसीटीई की ओर से अटल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) किया गया। इसमें थ्रीडी प्रिंटेड कंपोजिट्सः सामग्री, प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग पर छह दिवसीय एफडीपी संपन्न हुई। डीआइटी यूनिवर्सिटी, देहरादून के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर डॉ. आनंद ने थ्रीडी प्रिंटेड कंपोजिट्स की मूल अवधारणा, मटेरियल इंटरफेस और आधुनिक इंजीनियरिंग में एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के महत्व पर प्रकाश डाला। थापर यूनिवर्सिटी के डॉ. सतीश शर्मा ने कंपोजिट फैब्रिकेशन और एडवांस्ड एडिटिव प्रोसेस पर व्याख्यान दिया। सीएसआइआर चंडीगढ़ से विज्ञानी डॉ. विजय कुमार मीणा ने मेटल थ्रीडी प्रिंटिंग पर अपनी बात रखी। शेन आलम व शेपटेक सॉल्यूशन से अनुराग गुप्ता ने भी विचार व्यक्त किए। एफडीपी प्रतिभागियों ने दिल्ली स्थित जीजीएसआइपीयू ईस्ट कैंपस में इंडस्ट्रियल दौरा भी किया। निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ.बीबी शर्मा, डॉ.देवेंद्र मोहन, डॉ. विनय खत्री, डॉ.सुनील ढुल, डॉ.अंजू गांधी, समन्वयक डॉ. विनोद कुमारी, इंजीनियर पुनीत कुमार सैनी भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

दैनिक भास्कर

पानीपत भास्कर 16-12-2025

थ्रीडी प्रिंटेड कंपोजिट्स से आ रहे बदलाव

पाइट में आधुनिक शिक्षा व इंडस्ट्री के तालमेल पर चर्चा

भास्कर न्यूज | समालखा

थ्रीडी प्रिंटेड कंपोजिट्स से रक्षा से रोबोटिक्स तक क्रांतिकारी बदलाव आ रहे हैं। यह इंजीनियरिंग, रिसर्च और इंडस्ट्री के लिए बेहद महत्वपूर्ण और उभरता हुआ क्षेत्र है। यह बात देश के विशेषज्ञों ने कही। पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पाइट) में एआइसीटीई की ओर से अटल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) किया गया।

इसमें थ्रीडी प्रिंटेड कंपोजिट्स: सामग्री, प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग पर छह दिवसीय एफडीपी संपन्न हुई। डीआईटी यूनिवर्सिटी, देहरादून के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर डॉ. आनंद ने थ्रीडी प्रिंटेड कंपोजिट्स की मूल अवधारणा, मटेरियल इंटरफेस और आधुनिक इंजीनियरिंग में एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के महत्व पर प्रकाश डाला। थापर यूनिवर्सिटी के डॉ. सतीश शर्मा ने कंपोजिट फैब्रिकेशन और एडवांस्ड एडिटिव प्रोसेस पर व्याख्यान दिया। सीएसआइआर चंडीगढ़ से विज्ञानी डॉ. विजय कुमार मीणा ने मेटल थ्रीडी प्रिंटिंग पर अपनी बात रखी। शेन आलम व शेपटेक सॉल्यूशन से अनुराग गुप्ता ने भी विचार व्यक्त किए। एफडीपी प्रतिभागियों ने दिल्ली स्थित जीजीएसआइपीयू ईस्ट कैंपस में इंडस्ट्रियल दौरा भी किया।

समालखा . अटल एफडीपी में अपने विचार रखते निदेशक डॉ.शक्ति कुमार।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 16.12.2025

पाइट में अटल एफ डीपीए विशेषज्ञों ने आधुनिक शिक्षा व इंडस्ट्री के तालमेल पर की चर्चा

पाइट में विद्यार्थियों को संबोधित करते वक्ता।

सवेरा न्यूज/रतन लाल समालखा, 15 दिसम्बर : थ्रीडी प्रिंटेड कंपोजिट्स से रक्षा से रोबोटिक्स तक क्रांतिकारी बदलाव आ रहे हैं। यह इंजीनियरिंग, रिसर्च और इंडस्ट्री के लिए बेहद महत्वपूर्ण और उभरता हुआ क्षेत्र है। यह बात देश के विशेषज्ञों ने कही। पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में एआइसीटीई की ओर से अटल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम किया गया। इसमें थ्रीडी प्रिंटेड कंपोजिट्स, सामग्री, प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग पर छह दिवसीय एफडीपी संपन्न हुई। डीआइटी यूनिवर्सिटी देहरादून के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो.डॉ.आनंद ने थ्रीडी प्रिंटेड कंपोजिट्स की मूल अवधारणा, मटेरियल इंटरफेस और आधुनिक इंजीनियरिंग में एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के महत्व पर प्रकाश डाला। थापर यूनिवर्सिटी के डॉ.सतीश शर्मा ने कंपोजिट फैब्रिकेशन और एडवांस्ड एडिटिव प्रोसेस पर व्याख्यान दिया। सीएसआइआर चंडीगढ़ से विज्ञानी डॉ.विजय कुमार मीणा ने मेटल थ्रीडी प्रिंटिंग पर अपनी बात रखी। शेन आलम व शेपटेक सॉल्यूशन से अनुराग गुप्ता ने भी विचार व्यक्त किए। एफडीपी प्रतिभागियों ने दिल्ली स्थित जीजीएसआइपीयू ईस्ट कैंपस में इंडस्ट्रियल दौरा भी किया। निदेशक डॉ.शक्ति कुमार,बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ.बीबी शर्मा, डॉ.देवेंद्र मोहन, डॉ.विनय खत्री, डॉ.सुनील ढुल, डॉ.अंजू गांधी, समन्वयक डॉ.विनोद कुमारी व इंजीनियर पुनीत कुमार सैनी भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 16.12.2025

'थ्री डी प्रिंटेड कंपोजिट्स से रक्षा से रोबोटिक्स तक क्रांतिकारी बदलाव आ रहे'

पाइट कॉलेज में निर्देशक संबोधित करते हुए। (राकेश)

समालखा, 15 दिसम्बर (राकेश) : थ्रीडी प्रिंटेड कंपोजिट्स से रक्षा से रोबोटिक् स तक क्रांतिकारी बदलाव आ रहे हैं। यह इंजीनियरिंग, रिसर्च और इंडस्ट्री के लिए बेहद महत्वपूर्ण और उभरता हुआ क्षेत्र है। यह बात देश के विशेषज्ञों ने कही। पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पाइट) में ए.आई.सी.टी.ई. की तरफ से अटल फैकल्टी डिवैल्पमैंट प्रोग्राम (एफ.डी.पी.) किया गया। इसमें थ्री डी प्रिंटेड कंपोजिट्स: सामग्री, प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग पर 6 दिवसीय एफ.डी.पी. संपन् न हुई।

डी.आई.टी. यूनिवर्सिटी, देहरादून के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफैसर डॉ. आनंद ने थ्रीडी प्रिंटेड कंपोजिट्स की मूल अवधारणा, मटेरियल इंटरफेस और आधुनिक इंजीनियरिंग में एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के महत्व पर प्रकाश डाला। थापर यूनिवर्सिटी के डॉ. सतीश शर्मा ने कंपोजिट फैब्रिकेशन और एडवांस्ड एडिटिव प्रोसेस पर व्याख्यान दिया। सीएसआइआर चंडीगढ़ से विज्ञानी डॉ. विजय कुमार मीणा ने मेटल थ्री डी प्रिंटिंग पर अपनी बात रखी। शेन आलम व शेपटैक सॉल् यूशन से अनुराग गुप् ता ने भी विचार व् यक् त किए।

एफ.डी.पी. प्रतिभागियों ने दिल्ली स्थित जी.जी.एस.आई.पी.यू. ईस्ट कैंपस में इंडस्ट्रियल दौरा भी किया। निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, बोर्ड सदस् य शुभम तायल, डीन डॉ.बी.बी. शर्मा, डॉ.देवेंद्र मोहन, डॉ. विनय खत्री, डॉ.सुनील ढुल, डॉ.अंजू गांधी, समन्वयक डॉ. विनोद कुमारी, इंजीनियर पुनीत कुमार सैनी भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 15.12.2025

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Panipat - 15 Dec 2025 - Page 3

पानीपत। पाईट कॉलेज में आराध्या एक एहसास फाउंडेशन आइकोनिक अवाड्र्स से डा. अनु कालडा को नवाजते हुए।

कंचन सागर और मनन सिंगला ने डॉ. अनु को बधाई दी

पुरस्कार शिक्षकों का मनोबल बढ़ाते हैं : डा. अनु कालड़ा

- डा.अनु ने आराध्या फाउंडेशन के संस्थापक मनीष गुप्ता ने पुरस्कार समारोह में बुलाने के लिए आभार व्यक्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

स्थानीय पाईट कॉलेज में आराध्या एक एहसास फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2025 के लिए आइकोनिक अवाड्र्स प्रदान किये गए। जिसमें मुख्यअतिथि निसा के प्रधान कुलभूषण शर्मा, एसीबीएसई की पूर्व जॉइंट डाइरेक्टर मोनिका रहे जबकि विशिष्ठ अतिथि के रूप में डायरेक्टर जनार्दन शर्मा,पाइट के संस्थापक राकेश तायल व डा. अनु कालड़ा ने शिरकत की। डा. अनु कालडा ने कहा कि मैं शिक्षा के क्षेत्र में उनकी निःस्वार्थ सेवाओं के लिए सभी अवार्ड पाने वालों को बधाई देती हूं। गौरतलब है डा. अनु कालड़ा न केवल शिक्षिका है अपितु पानीपत में समाज सेवा के क्षेत्र में भी अग्रणी नामों में से एक हैं जो कि इन्नर व्हील की पूर्व प्रधान व हेल्पेज ओर्फनज की सीसीओ हैं। डा.अनु कालड़ा ने आराध्या फाउंडेशन के संस्थापक मनीष गुप्ता ने पुरस्कार समारोह में बुलाने के लिए आभार व्यक्त किया। वहीं इन्नर व्हील की चार्टर प्रधान कंचन सागर व हेल्पेज औरफ न्स के संस्थापक मनन सिंगला ने भी डा.

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 15.12.2025

epaper.sachkahoon.com
15 Dec 2025 - Page 12

आइकोनिक अवाड्र्स 2025: शिक्षा व समाजसेवा के योगदान को मिला सम्मान

पानीपत (सच कहूँ न्यूज)। पाईट कॉलेज में आराध्या एक एहसास फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2025 के लिए आइकोनिक अवाड्र्स वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में निसा के प्रधान कुलभूषण शर्मा, सीबीएसई की पूर्व जॉइंट डायरेक्टर मोनिका, जाने-माने डायरेक्टर जनार्दन शर्मा और पाईट के संस्थापक राकेश तायल उपस्थित रहे। समाजसेवी एवं शिक्षिका डॉ. अनु कालड़ा कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। अपने संबोधन में डॉ. अनु कालड़ा ने कहा कि इस शानदार मौके पर गेस्ट बनकर उन्हें अत्यंत गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षक अनेक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, ऐसे आयोजनों से उनका उत्साह बढ़ता है और वे शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर योगदान देने के लिए प्रेरित होते हैं।

डॉ. कालड़ा ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उल्लेखनीय है कि डॉ. अनु कालड़ा शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी अग्रणी हैं। वे इन्नर व्हील क्लब की पूर्व प्रधान एवं हेल्पेज ऑर्फनज की सीसीओ के रूप में सक्रिय भूमिका निभा चुकी हैं।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 15.12.2025

आइकोनिक अवार्ड्स 2025: शिक्षा व समाजसेवा के योगदान को मिला सम्मान

पानीपत (सच कहूँ न्यूज)। पाईंट कॉलेज में आराध्या एक एहसास फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2025 के लिए आइकोनिक अवाड्र्स वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में निसा के प्रधान कुलभूषण शर्मा, सीबीएसई की पूर्व जॉइंट डायरेक्टर मोनिका, जाने-माने डायरेक्टर जनार्दन शर्मा और पाईट के संस्थापक राकेश तायल उपस्थित रहे। समाजसेवी एवं शिक्षिका डॉ. अनु कालड़ा शानदार मौके पर गेस्ट बनकर उन्हें अत्यंत गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षक अनेक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, ऐसे आयोजनों से उनका उत्साह बढ़ता है और वे शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर योगदान देने के लिए प्रेरित होते हैं।

डॉ. कालड़ा ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उल्लेखनीय है कि डॉ. अनु कालड़ा शिक्षा के साथ-साथ

पुरस्कार शिक्षकों का मनोबल बढ़ाते हैं: डॉ अनु कालड़ा

आज की प्रमुख ख़बर

डॉ अनु कालड़ा ने कहा कि इस शानदार मौके पर गेस्ट बनकर मुझे बहुत गर्व हो रहा है। हम सब जानते हैं कि आजकल लगभग सभी टीचर्स मुश्किल दौर से गुज़र रहे हैं, इसलिए ऐसा इवेंट उनका हौसला बढ़ाता है और उन्हें बेहतर तरीके से काम करने के लिए मोटिवेट करता है।

पानीपत-(विक्रम कालड़ा) स्थानीय पाईंट कॉलेज में आराध्या एक एहसास फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2025 के लिए आइकोनिक अवार्ड्स प्रदान किये गए जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में निसा के प्रधान कुलभूषण शर्मा, सी बी एस ई की पूर्व जॉइंट डाइरेक्टर मोनिका, जाने माने डायरेक्टर जनार्दन शर्मा, पाईंट के संस्थापक राकेश तायल के साथ डॉ अनु कालड़ा ने भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की! कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित करके किया गया! डॉ अनु कालड़ा ने कहा कि इस शानदार मौके पर गेस्ट बनकर मुझे बहुत गर्व हो रहा है। हम सब जानते हैं कि आजकल लगभग सभी टीचर्स मुश्किल दौर से गुज़र रहे हैं, इसलिए ऐसा इवेंट उनका हौसला बढ़ाता है और उन्हें बेहतर तरीके से काम करने के लिए मोटिवेट करता है। मैं शिक्षा के क्षेत्र में उनकी निस्वार्थ सेवाओं के लिए सभी अवॉर्ड पाने वालों को बधाई देती हूँ और आप सभी को आपके करियर में बड़ी सफलता की शुभकामनाएँ देती हूँ। गौरतलब है डॉ अनु कालड़ा न केवल जानी मानी शिक्षिका है अपितु पानीपत में समाज सेवा के क्षेत्र में भी अग्रणी नामों में से एक हैं जो कि इन्नर व्हील की पूर्व प्रधान व हेल्पेज ओर्फ़नज की सी सी ओ हैं! डॉ अनु कालड़ा ने आराध्या फाउंडेशन के संस्थापक मनीष गुप्ता द्वारा उन्हें इस पुरस्कार समारोह में बुलाने के लिए आभार व्यक्त किया गया! इन्नर व्हील की चार्टर प्रधान कंचन सागर व हेल्पेज औरफन्स के संस्थापक मनन सिंगला ने भी डॉ अनु कालड़ा को इस अवसर पर बधाई दी!

पुरस्कार शिक्षकों का मनोबल बढ़ाते हैं : डा. अनु कालड़ा

सवेरा न्यूज/विनोद पांचाल पानीपत, 14 दिसम्बर : स्थानीय पाईंट कालेज में आराध्या एक एहसास फ उंडेशन द्वारा वर्ष 2025 के लिए आइकोनिक अवाड्र्स प्रदान किये गए। जिसमें मुख्यअतिथि निसा के प्रधान कुलभूषण शर्मा, एसीबीएसई की पूर्व जॉइंट डाइरेक्टर मोनिका रहे जबकि विशिष्ठ अतिथि के रूप में डायरेक्टर जनार्दन शर्मा, पाईंट के संस्थापक राकेश तायल व डा. अनु कालड़ा ने शिरकत की। डा. अनु कालड़ा ने कहा कि मैं शिक्षा के क्षेत्र में उनकी निःस्वार्थ सेवाओं के लिए सभी अवार्ड पाने वालों को बधाई देती हूं। गौरतलब है डा. अनु कालड़ा न केवल शिक्षिका है अपितु पानीपत में समाज

शिक्षकों का मनोबल बढ़ाते हैं पुरस्कार : डा. अनु कालड़ा

पानीपत/कौशिक : स्थानीय पाईंट कालेज में आराध्या एक एहसास फ उडेशन द्वारा वर्ष 2025 के लिए आइकोनिक अवार्ड्स प्रदान किये गए। जिसमें मुख्यअतिथि निसा के प्रधान कुलभूषण शर्मा, एसीबीएसई की पूर्व जॉइंट डाइरेक्टर मोनिका रहे जबकि विशिष्ठ अतिथि के रूप में डायरेक्टर जनार्दन शर्मा, पाईंट के संस्थापक राकेश तायल व डा. अनु कालड़ा ने शिरकत की। डा. अनु कालड़ा ने कहा कि मैं शिक्षा के क्षेत्र में उनकी निस्वार्थ सेवाओं के लिए सभी अवार्ड पाने वालों को बधाई देती हूँ। गौरतलब है डा. अनु कालड़ा न केवल शिक्षिका है अपितु पानीपत में समाज सेवा के

कंचन सागर और मनन सिंगला ने डॉ. अनु को बधाई दी

पुरस्कार शिक्षकों का मनोबल बढ़ाते हैं : डा. अनु कालड़ा

■ डा अनु ने आराध्या फाउंडेशन के संस्थापक मनीष गुप्ता ने

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

दैनिक भास्कर

धनबाद 10-12-2025

आईआईटी आईएसएम में शताब्दी स्थापना सप्ताह के तहत हेकथॉन में दिखी प्रतिभा

आईआईटी में गेट पर लगी डिवाइस, मशीन से की जाएगी चेहरे की पहचान

एजुकेशन रिपोर्टर | धनबाद

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में चल रहा शताब्दी स्थापना सप्ताह मंगलवार को संपन्न हुआ। संस्थान में अब छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों या अन्य दैनिक कर्मी की पहचान उनके चेहरे से मशीन करेगी। अनधिकृत लोगों की भी पहचान मशीन तुरंत कर लेगी। दरअसल, संस्थान के प्रवेश द्वार पर फेस आईडी रिकग्निशन डिवाइस लगाया गया है। इसका उद्घाटन संस्थान के बीओजी के चेयरमैन प्रो व्रत ने किया। यह हाईटेक डिवाइस डिजिटल इंडिया के तर्ज पर लगाई गई है। इससे कैंपस की सुरक्षा और भी पुख्ता हो गई है। इधर, संस्थान में चल रहा 36 घंटों का स्मार्ट इंडिया हैकथॉन पूरा हुआ। इस इनोवेशन मैराथन में 5 अलग-अलग चुनौतियों पर पांच टीमों ने समाधान दिया। सभी पांच टीमों को 1.25-1.25 लाख रुपए का इनाम दिया गया। इधर, मौके पर निदेशक प्रो सुकुमार मिश्रा, रजिसट्रार प्रबोध पांडेय आदि मौजूद थे।

स्मार्ट इंडिया हैकथॉन में पांच टीम रहे विनर

1. अकादमिक जगत के लिए प्रामाणिकता सत्यापनकर्ता : समाधान मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विवि गोरखपुर ने किया। टीम नवोमेश में अमर्त्य पांडेय, सक्षम शर्मा, अनुराग बनर्जी, अलोकित मिश्रा, पुष्कर जायसवाल, श्रेया पांडेय, मेंटर डॉ आशीष व स्वपनिल गुप्ता थे।

2. झारखंड में इको और कल्चरल टूरिज्म को बढ़ावा देने को स्मार्ट डिजिटल प्लेटफॉर्म का डेवलपमेंट : एलएनसीटी यूनिवर्सिटी (भोपाल) की टीम बिट-स्टॉर्म में निकेत ठाकुर (टीम लीडर), निखिल सिंह चौहान, सुभाष पटेल, शिवम प्रजापति, राजश्री कमल, तेजस्विनी चौधरी व मेंटर प्रियंका सिंह थीं।

3. किसानों के लिए एआई आधारित क्रॉप रिकमेंडेशन : पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की टीम एग्रोनोवा में केशव गर्ग (लीड), गोन्किा प्रिंस, स्वयं गर्ग, चिराग, सौरभ व मेंटरों में करण चालिया व डॉ. अखलेश थे।

4. स्मार्ट क्लासरूम और टाइमटेबल शेड्यूलर : जेसी बोस यूनिवर्सिटी साइंस एंड टेक्नोलॉजी फरीदाबाद, हरियाणा की टीम कैफीन ओवरफ्लो में संजीवन कुमार (लीड), ईशानवी रीत, सृष्टि राठी, तुषार भड़ाना, प्रमोद कुमार व आरजू थे।

5. क्राउडसोर्स्ड सिविक इशू रिपोर्टिंग और रेजोल्यूशन सिस्टम : इस विषय का समाधान श्री वेंकटेश्वर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग कांचीपुरम की टीम विजिनर्स 25 की टीम ने प्रस्तुत किया।

संस्थान की यात्रा भारत की वैज्ञानिक जागृति का है प्रतिबिंब : प्रो. सुकुमार

पेनमैन ऑडिटोरियम में मुख्य कार्यक्रम में आईआईटी आईएसएम के निदेशक ने कहा कि संस्थान की यात्रा भारत की वैज्ञानिक जागृति का प्रतिबिंब है। संस्थान ने अपने सौ साल के समय यात्रा में उल्लेखनीय प्रगति की है। वहीं उन्होंने संस्थान के बढ़ते कदम ऊर्जा प्रणाली, एआई, स्थिरता, सामाजिक शोध का उल्लेख किया। कहा कि अगले 100 वर्षों में संस्थान इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और राष्ट्रीय विकास में और महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस दौरान मुख्य अतिथि अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने ओम शांडिल्य, साहिल शर्मा सहित 3 विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इससे पहले संस्थान की 100 वर्षीय यात्रा पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म दिखाई गई। मंच संचालन डीन प्रो रजनी सिंह ने किया। मौके पर संस्थान के कई अन्य प्राध्यापक भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

दैनिक भास्कर धनबाद 10-12-2025

आईआईटी आईएसएम में शताब्दी स्थापना सप्ताह के तहत हेकथॉन में दिखी प्रतिभा

आईआईटी में गेट पर लगी डिवाइस, मशीन से की जाएगी चेहरे की पहचान

एजुकेशन रिपोर्टर | धनबाद

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में चल रहा शताब्दी स्थापना सप्ताह मंगलवार को संपन्न हुआ। संस्थान में अब छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों या अन्य दैनिक कर्मी की पहचान उनके चेहरे से मशीन करेगी। अनधिकृत लोगों की भी पहचान मशीन तुरंत कर लेगी। दरअसल, संस्थान के प्रवेश द्वार पर फेस आईडी रिकग्निशन डिवाइस लगाया गया है। इसका उद्घाटन संस्थान के बीओजी के चेयरमैन प्रो व्रत ने किया। यह हाईटेक डिवाइस डिजिटल इंडिया के तर्ज पर लगाई गई है। इससे कैंपस की सुरक्षा और भी पुख्ता हो गई है। इधर, संस्थान में चल रहा 36 घंटों का स्मार्ट इंडिया हैकथॉन पूरा हुआ। इस इनोवेशन मैराथन में 5 अलग-अलग चुनौतियों पर पांच टीमों ने समाधान दिया। सभी पांच टीमों को 1.25-1.25 लाख रुपए का इनाम दिया गया। इधर, मौके पर निदेशक प्रो सुकुमार मिश्रा, रजिसट्रार प्रबोध पांडेय आदि मौजूद थे।

स्मार्ट इंडिया हैकथॉन में पांच टीम रहे विनर

1. अकादमिक जगत के लिए प्रामाणिकता सत्यापनकर्ता : समाधान मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विवि गोरखपुर ने किया। टीम नवोमेश में अमर्त्य पांडेय, सक्षम शर्मा, अनुराग बनर्जी, अलोकित मिश्रा, पुष्कर जायसवाल, श्रेया पांडेय, मेंटर डॉ आशीष व स्वपनिल गुप्ता थे।

2. झारखंड में इको और कल्चरल टूरिज्म को बढ़ावा देने को स्मार्ट डिजिटल प्लेटफॉर्म का डेवलपमेंट : एलएनसीटी यूनिवर्सिटी (भोपाल) की टीम बिट-स्टॉर्म में निकेत ठाकुर (टीम लीडर), निखिल सिंह चौहान, सुभाष पटेल, शिवम प्रजापति, राजश्री कमल, तेजस्विनी चौधरी व मेंटर प्रियंका सिंह थीं।

3. किसानों के लिए एआई आधारित क्रॉप रिकमेंडेशन : पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की टीम एग्रोनोवा में केशव गर्ग (लीड), गोन्निका प्रिंस, स्वयं गर्ग, चिराग, सौरभ व मेंटरों में करण चालिया व डॉ. अखलेश थे।

4. स्मार्ट क्लासरूम और टाइमटेबल शेड्यूलर : जेसी बोस यूनिवर्सिटी साइंस एंड टेक्नोलॉजी फरीदाबाद, हरियाणा की टीम कैफीन ओवरफ्लो में संजीवन कुमार (लीड), ईशानवी रीत, सृष्टि राठी, तुषार भड़ाना, प्रमोद कुमार व आरजू थे।

5. क्राउडसोर्स्ड सिविक इशू रिपोर्टिंग और रेजोल्यूशन सिस्टम : इस विषय का समाधान श्री वेंकटेश्वर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग कांचीपुरम की टीम विजिनर्स 25 की टीम ने प्रस्तुत किया।

संस्थान की यात्रा भारत की वैज्ञानिक जागृति का है प्रतिबिंब : प्रो. सुकुमार

पेनमैन ऑडिटोरियम में मुख्य कार्यक्रम में आईआईटी आईएसएम के निदेशक ने कहा कि संस्थान की यात्रा भारत की वैज्ञानिक जागृति का प्रतिबिंब है। संस्थान ने अपने सौ साल के समय यात्रा में उल्लेखनीय प्रगति की है। वहीं उन्होंने संस्थान के बढ़ते कदम ऊर्जा प्रणाली, एआई, स्थिरता, सामाजिक शोध का उल्लेख किया। कहा कि अगले 100 वर्षों में संस्थान इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और राष्ट्रीय विकास में और महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस दौरान मुख्य अतिथि अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने ओम शांडिल्य, साहिल शर्मा सहित 3 विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इससे पहले संस्थान की 100 वर्षीय यात्रा पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म दिखाई गई। मंच संचालन डीन प्रो रजनी सिंह ने किया। मौके पर संस्थान के कई अन्य प्राध्यापक भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OtHER 19.11.2025

epaper.sachkahoon.com
19 Nov 2025 - Page 14

सफलता के लिए खुद पर विश्वास जरूरीः अंजली रतन

समालखा (सच कहूँ न्यूज)। सफलता पाने के लिए सबसे पहले खुद पर भरोसा करें और अपने बारे में हमेशा अच्छा सोचें। यह प्रेरणादायक संदेश रतन इंडिया इंटरप्राइजिज की चेयरपर्सन अंजली रतन ने पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पाइट) में आयोजित 'सिनेप्स-2030' सेमिनार में दिया। उन्होंने कहा कि अगर आप सही दिशा में सोचेंगे तो ईश्वर स्वयं आपके लिए रास्ता बनाएगा।

अंजली रतन ने कहा कि किसी व्यक्ति का भविष्य उसके अपने एक्शन, इंटेंशन और रिएक्शन पर निर्भर करता है। परिस्थितियाँ हमेशा अनुकूल नहीं होतीं, परंतु शांत रहकर निर्णय लेना सफलता की कुंजी है। उन्होंने बताया कि केवल आइक्यू नहीं, बल्कि इमोशनल कोशिएंट (ईक्यू) भी जीवन में समान रूप से महत्वपूर्ण है।

अपने जीवन अनुभव साझा करते हुए अंजली रतन ने कहा कि दो बच्चों की मां बनने के बाद उन्होंने रियल एस्टेट बिजनेस की शुरूआत की और बाद में भारत की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा कंपनी स्थापित की। वर्तमान में उनकी कंपनी ई-बाइक, ड्रोन निर्माण और ई-कॉमर्स क्षेत्र में भी सक्रिय है। उन्होंने कहा कि महिला यदि ठान ले, तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रह सकता।

उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि अगर आपके पास किसी समस्या का सरल समाधान है, तो आपका स्टार्टअप अवश्य सफल होगा। कार्यक्रम में पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल, निदेशक डॉ. शक्ति कुमार सहित कई वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 19.11.2025

सफल इंसान बनने को सकारात्मक रहें

समालखा। पाइट में अतिथियों का स्वागत करते हुए वाइस चेयरमैन राकेश तायल, आदि।

■ आपके एक्शन, इंटेंशन और रिएक्शन से ही आपका भविष्य निर्धारित होता है

हरिभूमि न्यूज ▸▸ समालखा

आपको अगर सफल होना है तो कम से कम खुद के लिए कभी गलत न बोलें। अपने बारे में हमेशा अच्छा ही सोचें। ईश्वर आपके लिए रास्ता खुद बनाएगा। मुझे तो बेस्ट जॉब ही मिलेगी। मेरा स्टार्टअप सबसे श्रेष्ठ रहेगा। आप खुद ऐसा सोचेंगे तो उसे हासिल भी कर सकेंगे। यह बात रतन इंडिया इंटरप्राइजिज कंपनी की चेयरपर्सन अंजलि रतन ने कही।

आइक्यू और इक्यू जिनका बेहतर होता है उनकी सफलता की दर ज्यादा होती है

अंजलि, पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग (पाइट) में सिनेप्स सेमिनार को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि आपके एक्शन, इंटेंशन और रिएक्शन से ही आपका भविष्य निर्धारित होता है। समस्याएं आपकी सामने आएंगी। बाहर की परिस्थितियां आपके हाथ में नहीं होतीं। लेकिन रिएक्शन तो आपके ऊपर निर्भर करता है। इसलिए जितना अधिक शांत रहकर निर्णय लेंगे, उतना बेहतर करेंगे। इसी वजह से आइक्यू और इक्यू जिनका बेहतर होता है, उनकी सफलता की दर ज्यादा होती है। केवल आइक्यू बेहतर होने से सफल नहीं हो सकते। वहीं, राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा अनुसंधान परिषद से चीफ इंफोरमेशन सिक्योरिटी अफसर रिटायर्ड लेफ्टिनेंट धीरज यादव व सीनियर इंजीनियरिंग मैनेजर राष्ट्र शौर्य ने भी विद्यार्थियों को प्रेरित किया। जबकि पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि हमें स्किल पर फोकस करना चाहिए। रोजगार देने वाले बनेंगे तो हमारा देश आत्मनिर्भर होगा।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 19.11.2025

अपने बारे में हमेशा अच्छा सोचें : अंजली रतन

समालखा (वि)। अगर सफल होना है तो कम से कम खुद के लिए कभी गलत न बोलें। अपने बारे में हमेशा अच्छा सोचें। ईश्वर आपके लिए रास्ता खुद बनाएगा। मुझे तो बेस्ट जॉब ही मिलेगी। मेरा स्टार्टअप सबसे श्रेष्ठ रहेगा। आप खुद ऐसा सोचेंगे तो उसे हासिल भी कर सकेंगे। यह बात रतन इंडिया इंटरप्राइजिज कंपनी की चेयरपर्सन अंजली रतन ने कही। वह इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग (पाइट) में सिनेप्स सेमिनार में बोल रही थीं। अंजली रतन ने कहा कि आपके एक्शन, इंटेंशन और रिएक्शन से ही आपका भविष्य निर्धारित होता है। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा अनुसंधान परिषद से चीफ इंफोरमेशन सिक्योरिटी ऑफिसर रिटायर्ड लेफ्टिनेंट धीरज यादव व सीनियर इंजीनियरिंग मैनेजर राष्ट्र शौर्य ने भी प्रेरित किया। मौके पर पाइट के निदेशक डॉ. शक्ति कुमार, चेयरमैन हरिओम तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ. जेएस सैनी, डीन डॉ. बीबी शर्मा, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट हेड रितेश सिंगला मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

पानीपत

आज समाज
पानीपत, बुधवार, 19 नवंबर, 2025

03

पाइट में सिनेप्स, रतन इंडिया की चेयरपर्सन ने किया प्रेरित

आज समाज नेटवर्क

समालखा/पानीपत। आपको अगर सफल होना है तो कम से कम आप खुद के लिए कभी गलत न बोलें। अपने बारे में हमेशा अच्छा ही सोचें। ईश्वर आपके लिए रास्ता खुद बनाएगा। मुझे तो बेस्ट जॉब ही मिलेगी। मेरा स्टार्टअप सबसे श्रेष्ठ रहेगा।

आप खुद ऐसा सोचेंगे तो उसे हासिल भी कर सकेंगे। यह बात रतन इंडिया इंटरप्राइजिज कंपनी की चेयरपर्सन अंजली रतन ने कही। वह यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग (पाइट) में सिनेप्स-2030 सेमिनार में बोल रहीं थीं। अंजली रतन ने कहा कि आपके एक्शन, इंटेंशन और रिएक्शन से ही आपका भविष्य निर्धारित होता है। समस्याएं आपकी सामने आएंगी। बाहर की परिस्थितियां आपके हाथ में नहीं होतीं। लेकिन रिएक्शन तो आपके ऊपर निर्भर करता है। इसलिए जितना अधिक शांत रहकर निर्णय लेंगे, उतना बेहतर करेंगे। इसी वजह से आइक्यू और इक्यू जिनका बेहतर होता है, उनकी सफलता की दर ज्यादा होती है। केवल आइक्यू बेहतर होने से सफल नहीं हो सकते। अंजली रतन ने अपनी कहानी बताते हुए कहा कि दो बच्चों की मां बनने के बाद उन्होंने रियल इस्टेट बिजनेस शुरू किया। इसके बाद भारत की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा कंपनी बनाई। अब उनकी कंपनी ई बाइक्स, ड्रोन बनाती है, ई कॉमर्स बिजनेस में हैं। महिला अगर चाहे तो वह अपना प्रत्येक सपना पूरा कर सकती है। मैंने हमेशा खुद को बेस्ट कहा। अनुशासित रही। सीएसई, साइबर सिक्योरिटी, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल ने यह सेमिनार किया। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा अनुसंधान परिषद से चीफ इंफोरमेशन सिक्योरिटी ऑफिसर रिटायर्ड लेफ्टिनेंट धीरज यादव व सीनियर इंजीनियरिंग मैनेजर राष्ट्र शौर्य ने भी प्रेरित किया।

सॉल्यूशन है तो स्टार्टअप सफल होगा

अंजली रतन ने कहा कि अगर आपके पास किसी प्रोब?लम का सही और आसान समाधान है तो आपका स्टार्टअप निश्चित ही सफल होगा। कई बार आपको निवेशक नहीं मिलते। तब खुद पैसा लगाना पड़ता है। इंतजार करते रहें, लाभ कमाने लगेंगे तो निवेशक तो खुद ही आ जाएंगे। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि हमें स्किल पर फोकस करना चाहिए। रोजगार देने वाले बनेंगे तो हमारा देश आत्मनिर्भर होगा। पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार ने कहा कि आने वाले समय में एआइ से रोजगार घटेंगे नहीं, बल्कि बढ़ेंगे। चेयरमैन हरिओम तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ.जेएस सैनी, डीन डॉ.बीबी शर्मा, ट्रेनिंग एवं ए?लेसमेंट हेड रितेश सिंगला, ए?लाइड साइंस विभाग की अध्यक्ष डॉ.विनय खत्री, डॉ.सुमन मान, डॉ.शक्ति अरोड़ा भी मौजूद रहीं। विवेज मास्टर अरिंदम भट्टाचार्य के साथ अंजली रतन का पैनल डिस्कशन भी हुआ।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

दैनिक भास्कर पानीपत भास्कर 19-11-2025

सफल होना हो तो नकारात्मक शब्द न बोलें: अंजलि

समालखा | आपको अगर सफल होना है तो कम से कम खुद के लिए कभी गलत न बोलें। अपने बारे में हमेशा अच्छा ही सोचें। ईश्वर आपके लिए रास्ता खुद बनाएगा। मुझे तो बेस्ट जॉब ही मिलेगी। मेरा स्टार्टअप सबसे श्रेष्ठ रहेगा। आप खुद ऐसा सोचेंगे तो उसे हासिल भी कर सकेंगे। यह बात रतन इंडिया इंटरप्राइजेज कंपनी की चेयरपर्सन अंजली रतन ने कही। वह यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग (पाइट) में सिनेप्स सेमिनार में बोल रही थीं। अंजली रतन ने कहा कि आपके एक्शन, इंटेंशन और रिएक्शन से ही आपका भविष्य निर्धारित होता है। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि हमें स्किल पर फोकस करना चाहिए।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 19.11.2025

www.punjabkesari.in

पानीपत केसरी

आपके एक्शन, इंटैंशन और रिएक्शन से ही आपका भविष्य निर्धारित होता है : अंजली रतन

समालखा, 18 नवम्बर (राकेश) : आपको अगर सफल होना है तो कम से कम खुद के लिए कभी गलत न बोलें। अपने बारे में हमेशा अच्छा ही सोचें। ईश्वर आपके लिए रास्ता खुद बनाएगा। मुझे तो बैस्ट जॉब ही मिलेगी। मेरा स्टार्टअप सबसे श्रेष्ठ रहेगा। आप खुद ऐसा सोचेंगे तो उसे हासिल भी कर सकेंगे।

यह बात रतन इंडिया इंटरप्राइजिज कंपनी की चेयरपर्सन अंजली रतन ने यहां पानीपत इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग (पाइट) में सी.एस.ई., साइबर सिक्योरिटी, ट्रेनिंग एवं प्लेसमैंट सैल की तरफ से आयोजित सिनेप्स सैमीनार दौरान संबोधित करते हुए कही।

अंजली रतन ने कहा कि आपके एक्शन, इंटैंशन और रिएक्शन से ही आपका भविष्य निर्धारित होता है।उन्होंने अपनी कहानी बताते हुए कहा कि 2 बच्चों की मां बनने के बाद उन्होंने रियल इस्टेट बिजनैस शुरू किया।

पाइट कॉलेज में आइडिया लैब के विद्यार्थी कंपनी की चेयरपर्सन को सम्मानित करते हुए। (राकेश)

इसके बाद भारत की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा कंपनी बनाई। अब उनकी कंपनी ई बाइक्स, ड्रोन बनाती है, ई कॉमर्स बिजनैस में है। महिला अगर चाहे तो वह अपना प्रत्येक सपना पूरा कर सकती है। मैंने हमेशा खुद को बैस्ट कहा, अनुशासित रही।

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा अनुसंधान परिषद से चीफ इंफोरमेशन सिक्योरिटी ऑफिसर रिटायर्ड लैफ्टिनैंनेंट धीरज यादव व सीनियर इंजीनियरिंग मैनेजर राष्ट्र शौर्य ने भी प्रेरित किया।

पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि हमें स्किल पर फोकस करना चाहिए।

पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार ने कहा कि आने वाले समय में ए.आई. से रोजगार घटेंगे नहीं, बल्कि बढ़ेंगे। इस अवसर पर कॉलेज के चेयरमैन हरिओम तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ.जे.एस. सैनी, डीन डॉ.बी.बी. शर्मा, ट्रेनिंग एवं प्लेसमैंट हैड रितेश सिंगला, एप्लाइड साइंस विभाग की अध्यक्ष डॉ. विनय खत्री, डॉ.सुमन मान, डॉ.शक्ति अरोड़ा भी मौजूद रहीं।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 13.11.2025

अथर्व और प्रिंसी ने जीता पाइट क्वेस्ट, करनाल को बेस्ट स्कूल का अवार्ड

विजेताओं को पुरस्कृत करते अतिथिगण व आयोजक ।

सवेरा न्यूज/रतन लाल समालखा : नेशनल पाइट क्वेस्ट में दिल्ली ने पहला स्थान हासिल किया है। टीम आइंस्टाइन से सीआरपीएफ रोहिणी के अथर्व और जीआर इंटरनेशनल स्कूल दिल्ली से प्रिंसी ने पाइट क्वेस्ट जीत लिया। दोनों को एक.एक इ एक्टिवा और 12 लाख 40 हजार की स्कॉलरशिप दी गई। छह हजार से अधिक छात्र.छात्राओं ने फाइनल राउंड में भाग लिया था। इससे पहले 70 हजार से अधिक छात्र.छात्राओं ने स्कूल में ही पेपर दिया था। करनाल के दयाल सिंह पब्लिक स्कूल सेक्टर 7 को बेस्ट स्कूल का अवार्ड दिया गया। काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च एवं सीएसआइओ चंडीगढ़ से निदेशक प्रो.शांतनु भट्टाचार्य मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए कोई शार्ट कट न अपनाएं। मेहनत करते रहें। निश्चित ही आपका सपना पूरा होगा। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि छात्रों को स्किल एजुकेशन के प्रति भी प्रेरित किया गया।चेयरमैन हरिओम तायलए डीन डॉण्बीबी शर्माए क्वीज मास्टर अरिंदम भट्टाचार्यए कन्वीनर अमित दुबे ने भी विजेताओं को सम्मानित किया।

OTHER 13.11.2025

अथर्व और प्रिंसी ने जीता पाइट क्वैस्ट, करनाल को बेस्ट स्कूल का अवार्ड

समालखा, 12 नवम्बर (राकेश) : नैशनल पाइट क्वैस्ट में दिल्ली ने पहला स्थान हासिल किया है। टीम आइंस्टाइन से सी.आर.पी.एफ. रोहिणी के अथर्व और जी.आर. इंटरनैशनल स्कूल दिल्ली से प्रिंसी ने पाइट क्वैस्ट जीत लिया। दोनों को एक-एक ई-एक्टिवा और 12 लाख 40 हजार की स्कॉलरशिप दी गई। 6 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने फाइनल राऊंड में भाग लिया था। इससे पहले 70 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने स्कूल में ही पेपर दिया था।

पाइट कॉलेज में विजेताओं को सम्मानित करते हुए। (राकेश)

करनाल के दयाल सिंह पब्लिक स्कूल सैक्टर 7 को बेस्ट स्कूल का अवार्ड दिया गया। काऊंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च एवं सी.एस.आई.ओ. चंडीगढ़ से निदेशक प्रो. शांतनु भट्टाचार्य मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए कोई शार्ट-कट न अपनाएं। मेहनत करते रहें। निश्चित ही आपका सपना पूरा होगा। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि छात्रों को स्किल एजुकेशन के प्रति भी प्रेरित किया गया।

पाइट के निदेशक डॉ. शक्ति कुमार ने कहा कि ए.आई. के दौर में जो इनोवेशन करेंगे, आऊट ऑफ द बॉक्स सोचेंगे, वही सफल होंगे। भारतीय युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। चेयरमैन हरिओम तायल, डीन डॉ. बीबी शर्मा, क्वीज मास्टर अरिंदम भट्टाचार्य, कन्वीनर अमित दुबे ने भी विजेताओं को सम्मानित किया।

टीम कल्पना दूसरे स्थान पर रही। सी.सी.ए.एस. गन्नौर से शिवम व एस.एम.आर. सफीदों से अक्षरा ने लैपटॉप व स्कॉलरशिप जीती। कलाम टीम तीसरे स्थान पर रही। दयाल सिंह स्कूल सैक्टर 7 से अक्षय चौधरी व बाल विकास स्कूल पानीपत से शब्द विरमानी ने टैब और स्कॉलरशिप जीती। आर्यभट्ट टीम चौथे स्थान पर रही। गीता निकेतन कुरुक्षेत्र से मुनीष कुमार व महाराजा अग्रसेन स्कूल जींद से वंशिका ने मार्शल स्पीकर व स्कॉलरशिप जीती।

टीम न्यूटन पांचवें स्थान पर रही। ओ.एस. डी.ए.वी. कैथल से तजल व डी.ए.वी. मल्टीपर्पज सोनीपत स्कूल से अक्षरा ने लेजर प्रिंटर व स्कॉलरशिप जीती। रमन टीम छठे स्थान पर रही। विश्वकर्मा स्कूल रोहतक से दीपांशी व दयाल सिंह स्कूल पानीपत से नमन जावा ने प्रिंटर व स्कॉलरशिप जीती। बच्चों ने एक करोड़ तक स्कॉलरशिप व पुरस्कार जीते।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

दैनिक भास्कर पानीपत भास्कर 13-11-2025

अथर्व-प्रिंसी ने जीता पाइट क्वेस्ट, दयाल सिंह बेस्ट स्कूल

समालखा | नेशनल पाइट क्वेस्ट में दिल्ली ने पहला स्थान हासिल किया है। टीम आइंस्टाइन से सीआरपीएफ रोहिणी के अथर्व और जीआर इंटरनेशनल स्कूल दिल्ली से प्रिंसी ने पाइट क्वेस्ट जीता। दोनों को एक-एक ई एक्टिवा और 12 लाख 40 हजार की स्कॉलरशिप दी गई। छह हजार से अधिक विद्यार्थियों ने फाइनल राउंड में भाग लिया था। करनाल के दयाल सिंह पब्लिक स्कूल सेक्टर-7 को बेस्ट स्कूल का अवॉर्ड दिया गया। काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च एवं सीएसआइओ चंडीगढ़ से निदेशक प्रो.शांतनु भट्टाचार्य मुख्य अतिथि रहे। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल, निदेशक डॉ. शक्ति कुमार, चेयरमैन हरिओम तायल, डीन डॉ. बीबी शर्मा, क्वीज मास्टर अरिंदम भट्टाचार्य और कन्वीनर अमित दुबे मौके पर मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 13.11.2025

अथर्व और प्रिंसी ने जीता पाइट क्वेस्ट

समालखा(वि)। नेशनल पाइट क्वेस्ट में दिल्ली ने पहला स्थान हासिल किया है। टीम आइंस्टाइन से सीआरपीएफ रोहिणी के अथर्व और जीआर इंटरनेशनल स्कूल दिल्ली से प्रिंसी ने पाइट क्वेस्ट जीत लिया। दोनों को एक-एक इ एक्टिवा और 12 लाख 40 हजार की स्कॉलरशिप दी गई। छह हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने फाइनल राउंड में भाग लिया था।

इससे पहले 70 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने स्कूल में ही पेपर दिया था। करनाल के दयाल सिंह पब्लिक स्कूल सेक्टर 7 को बेस्ट स्कूल का अवार्ड दिया गया। काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च एवं सीएसआइओ चंडीगढ़ से निदेशक प्रो.शांतनु भट्टाचार्य मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए कोई शार्ट कट न अपनाएं। मेहनत करते रहें। निश्चित ही आपका सपना पूरा होगा। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि छात्रों को स्किल एजुकेशन के प्रति भी प्रेरित किया गया। स्टार्टअप का महत्व बताया। आइडिया लैब के माध्यम से बताया कि वे भविष्य में क्या-क्या कर सकते हैं। पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार ने कहा कि एआइ के दौर में जो इनोवेशन करेंगे, आउट ऑफ द बॉक्स सोचेंगे, वही सफल होंगे। भारतीय युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। चेयरमैन हरिओम तायल, डीन डॉ.बीबी शर्मा, क्वीज मास्टर अरिंदम भट्टाचार्य, कन्वीनर अमित दुबे ने भी विजेताओं को सम्मानित किया।

पानीपत
आज समाज
पानीपत, गुरुवार, 13 नवंबर, 2025
03

अथर्व और प्रिंसी ने जीता पाइट क्वेस्ट, करनाल को बेस्ट स्कूल का अवार्ड

दिल्ली, हरियाणा व उत्तर प्रदेश के छह हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने लिया भाग, एक करोड़ तक पुरस्कार जीते

आज समाज नेटवर्क

समालखा/पानीपत। नेशनल पाइट क्वेस्ट में दिल्ली ने पहला स्थान हासिल किया है।

टीम आइंस्टाइन से सीआरपीएफ रोहिणी के अथर्व और जीआर इंटरनेशनल स्कूल दिल्ली से प्रिंसी ने पाइट क्वेस्ट जीत लिया। दोनों को एक-एक इ एक्टिवा और 12 लाख 40 हजार की स्कॉलरशिप दी गई। छह हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने फाइनल राउंड में भाग लिया था। इससे पहले 70 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने स्कूल में ही पेपर दिया था। करनाल के दयाल सिंह पब्लिक स्कूल सेक्टर 7 को बेस्ट स्कूल का अवार्ड दिया गया। काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च एवं सीएसआइओ चंडीगढ़ से निदेशक प्रो.शांतनु भट्टाचार्य मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए कोई शार्ट कट न अपनाएं। मेहनत करते रहें। निश्चित ही आपका सपना पूरा होगा।

पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि छात्रों को स्किल एजुकेशन के प्रति भी प्रेरित किया गया। स्टार्टअप का महत्व बताया। आइडिया लैब के माध्यम से बताया कि वे भविष्य में क्या-क्या कर सकते हैं। पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार ने कहा कि एआइ के दौर में जो इनोवेशन करेंगे, आउट ऑफ द बॉक्स सोचेंगे, वही सफल होंगे। भारतीय युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। चेयरमैन हरिओम तायल, डीन डॉ.बीबी शर्मा, क्वीज मास्टर अरिंदम भट्टाचार्य, कन्वीनर अमित दुबे ने भी विजेताओं को सम्मानित किया।

ये भी जीते

टीम कल्पना दूसरे स्थान पर रही। सीसीएएस गन्नौर से शिवम व एसएमआर सफीदों से अक्षरा ने लैपटॉप व स्कॉलरशिप जीती। कलाम टीम तीसरे स्थान पर रही। दयाल सिंह स्कूल सेक्टर सात से अक्षय चौधरी व बाल विकास स्कूल पानीपत से शब्द विरमानी ने टैब और स्कॉलरशिप जीती। आर्यभट्ट टीम चौथे स्थान पर रही। गीता निकेतन कुरुक्षेत्र से मुनीष कुमार व महाराजा अग्रसेन स्कूल जींद से वंशिका ने मार्शल स्पीकर व स्कॉलरशिप जीती। टीम न्यूटन पांचवें स्थान पर रही। ओएस डीएवी कैथल से तिजल व डीएवी मल्टीपर्पज सोनीपत स्कूल से अक्षरा ने लेजर प्रिंटर व स्कॉलरशिप जीती। रमन टीम छठे स्थान पर रही। विश्वकर्मा स्कूल रोहतक से दीपांशी व दयाल सिंह स्कूल पानीपत से नमन जावा ने प्रिंटर व स्कॉलरशिप जीती। बच्चों ने एक करोड़ तक स्कॉलरशिप व पुरस्कार जीते।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 13.11.2025

प्रिंसी ने जीता पाइट क्वेस्ट, करनाल को बेस्ट स्कूल का अवार्ड

जागरण संवाददाता • समालखा : नेशनल पाइट क्वेस्ट में दिल्ली ने पहला स्थान हासिल किया है। टीम आइंस्टाइन से सीआरपीएफ, रोहिणी के अथर्व और जीआर इंटरनेशनल स्कूल, दिल्ली से प्रिंसी ने पाइट क्वेस्ट में परचम फहराया। दोनों को एक-एक एक्टिवा और 12 लाख 40 हजार की स्कालरशिप दी गई। छह हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने फाइनल राउंड में भाग लिया। इससे पहले 70 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने स्कूल में ही पेपर दिया था, जिसमें करनाल के दयाल सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर 7 को बेस्ट स्कूल का अवार्ड मिला।

काउंसिल आफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च एवं सीएसआइओ, चंडीगढ़ से निदेशक प्रो. शांतनु भट्टाचार्य कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए कोई शार्ट कट न अपनाएं। मेहनत करते रहें। निश्चित ही आपका सपना पूरा होगा। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने स्टार्टअप का महत्व बताया। निदेशक डा. शक्ति कुमार ने कहा कि एआइ के दौर में जो इनोवेशन करेंगे, आउट आफ द बाक्स सोचेंगे, वही भविष्य में सफल होंगे। भारतीय युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। चेयरमैन हरिओम तायल, डीन डा. बीबी शर्मा, क्वीज मास्टर अरिंदम भट्टाचार्य, कन्वीनर अमित दुबे ने विजेताओं को सम्मानित किया।

पाइट क्वेस्ट के विजेता हाथों में चेक लिए हुए • संस्थान.

प्रतियोगिता में ये भी जीते

प्रतियोगिता में टीम कल्पना दूसरे स्थान पर रही। सीसीएएस गन्नौर से शिवम व एसएमआर सफीदों से अक्षरा ने लैपटाप व स्कालरशिप जीते। वहीं कलाम टीम तीसरे स्थान पर रही। दयाल सिंह स्कूल से अक्षय चौधरी व बाल विकास स्कूल, पानीपत से शब्द विरमानी ने टैब और स्कालरशिप जीते। आर्यभट्ट टीम चौथे स्थान पर रही। गीता निकेतन कुरुक्षेत्र से मुनीष कुमार व महाराजा अग्रसेन स्कूल, जींद से वंशिका ने मार्शल स्पीकर व स्कालरशिप जीते। टीम न्यूटन पांचवें स्थान पर रही। ओएस डीएवी कैथल से तिजल व डीएवी मल्टीपर्पज, सोनीपत स्कूल से अक्षरा ने लेजर प्रिंटर व स्कालरशिप जीते। रमन टीम छठे स्थान पर रही। विश्वकर्मा स्कूल रोहतक से दीपांशी व दयाल सिंह स्कूल पानीपत से नमन जावा ने प्रिंटर व स्कालरशिप जीते।

OTHER 13.11.2025

पानीपत हरिभूमि 11

नेशनल पाइट क्वेस्ट में दिल्ली प्रथम

- करनाल को बेस्ट स्कूल का अवार्ड, क्वेस्ट में दिल्ली, हरियाणा व यूपी के छह हजार विद्यार्थियों ने भाग लिया, एक करोड़ तक पुरस्कार जीते

पानीपत। पाइट में अतिथियों के साथ विजेता विद्यार्थी। फोटो:हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▸▸ समालखा

नेशनल पाइट क्वेस्ट में दिल्ली ने पहला स्थान हासिल किया है। टीम आइंस्टाइन से सीआरपीएफ रोहिणी के अथर्व और जीआर इंटरनेशनल स्कूल दिल्ली से प्रिंसी ने पाइट क्वेस्ट जीत लिया। दोनों को एक-एक इ एक्टिवा और 12 लाख 40 हजार की स्कॉलरशिप दी गई। छह हजार से अधिक विद्यार्थियों ने फाइनल राउंड में भाग लिया था। इससे पहले 70 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने स्कूल में ही पेपर दिया था। करनाल के दयाल सिंह पब्लिक स्कूल सेक्टर सात को बेस्ट स्कूल का अवार्ड दिया गया। इधर, काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च एवं सीएसआइओ चंडीगढ़ से निदेशक प्रो.शांतनु भट्टाचार्य, पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, डीन डॉ.बीबी शर्मा, क्वीज मास्टर अरिंदम भट्टाचार्य, कन्वीनर अमित दुबे ने विजेताओं को सम्मानित किया। वहीं, क्वेस्ट में सीसीएएस गन्नौर से शिवम व एसएमआर सफीदों से अक्षरा, दयाल सिंह स्कूल करनाल से अक्षय चौधरी व बाल विकास स्कूल पानीपत से शब्द विरमानी, गीता निकेतन कुरुक्षेत्र से मुनीष कुमार व महाराजा अग्रसेन स्कूल जींद से वंशिका, ओएस डीएवी कैथल से तिजल व डीएवी मल्टीपर्पज सोनीपत स्कूल से अक्षरा, विश्वकर्मा स्कूल रोहतक से दीपांशी व दयाल सिंह स्कूल पानीपत से नमन जावा विजेता रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 08.11.2025

बच्चों में रचनात्मकता है, शिक्षक उनकी प्रतिभा को पहचानें : प्रो.श्यामा

विनोद लाहोट/हरियाणा वार्ता

समालखा,7 नवंबर। बच्चों में रचनात्मकता की कमी नहीं है। बच्चे आउट ऑफ द बॉक्स सोचते हैं। यह शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों की प्रतिभा को पहचानें ओर उन्हें उचित अवसर और मंच प्रदान करें। इसलिए समय-समय पर जिला शिक्षा अधिकारियों का भी प्रशिक्षित होना आवश्यक है। यह बात अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) की सचिव प्रो.श्यामा रथ ने कही। वह यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में संबोधित कर रही थीं। पाइट में शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) के संयुक्त तत्वावधान में इनोवेशन डिजाइन एवं इंटरप्रन्योरशिप पर दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशाप संपन्न हुई। हरियाणा के जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया। प्रो.श्यामा रथ ने कहा कि हमें सोसाइटी के लिए काम करना है। सोसाइटी को सशक्त बनाना है। अपने बच्चों में उद्यमिता का गुण विकसित करना है। यह इनोवेशन के माध्यम से ही संभव होगा। ये हमें सोचना है कि बच्चे को किस तरह पढ़ाया और प्रशिक्षित किया जाए। इनोवेशन सेल की ओर से फ्रेम वर्क दिया जा रहा है। सभी को मिलकर कॉमन गोल की दिशा में आगे बढ़ना है। सरकार की पॉलिसी के बारे में सभी को जागरूक होना चाहिए। एससीईआरटी के संयुक्त निदेशक सुनील बजाज ने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी की जिम्मेदारी ज्यादा बड़ी है। वे शिक्षकों को प्रेरित करें। इनोवेशन से इंटरप्रन्योरशिप की तरफ कैसे बढ़ना है, इसके बारे में सोचें। नई शिक्षा नीति के माध्यम से बच्चे का संपूर्ण विकास हो सकता है।

एजुकेशन 4.ड से आएगी क्रांति

पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार ने कहा कि एजुकेशन 4.ड से औद्योगिक क्रांति संभव है। यह भारत का समय है। हमें अपने युवाओं को उचित अवसर देकर उन्हें आगे बढ़ाना है। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि नया और अलग सोचना होगा। किसी समस्या के समाधान पर जितना बेहतर परिणाम दे सकेंगे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 08.11.2025

बच्चों की प्रतिभा को जरूर पहचानें शिक्षक: प्रो. श्यामा

समालखा |बच्चों में रचनात्मकता की कमी नहीं है| आवश्यक आउट ऑफ द बॉक्स सोचते हैं। यह शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों की प्रतिभा को पहचानें। उन्हें उचित अवसर और मंच प्रदान करें। इसलिए समय-समय पर जिला शिक्षा अधिकारियों का भी प्रशिक्षित होना आवश्यक है। यह बात अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) की सचिव प्रो. श्यामा रथ ने कही। पाइट में शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) के संयुक्त तत्वावधान में इनोवेशन डिजाइन एवं एंटरप्रेन्योरशिप पर दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशाप संपन्न हुई। जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 08.11.2025

पाइट में कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप सम्पन्न, जिला शिक्षा अधिकारियों और डाइट सदस्यों को किया प्रशिक्षित

समालखा, 7 नवम्बर (राकेश): बच्चों में रचनात्मकता की कमी नहीं है। बच्चे आऊट ऑफ द बॉक्स सोचते हैं। यह शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों की प्रतिभा को पहचानें।

उन्हें उचित अवसर और मंच प्रदान करें इसलिए समय-समय पर जिला शिक्षा अधिकारियों का भी प्रशिक्षित होना आवश्यक है। यह बात अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए.आई.सी.टी.ई.) की सचिव प्रो. श्यामा रथ ने कही। वह पानीपत इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नॉलोजी (पाइट) में संबोधित कर रही थीं।

पाइट में शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सैल, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए.आई.सी.टी.ई.) के संयुक्त तत्वावधान में इनोवेशन डिजाइन एवं एंटरप्रिन्योरशिप पर 2 दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशाप सम्पन्न हुई। हरियाणा के जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया। इस अवसर पर प्रो. श्यामा रथ ने कहा कि हमें सोसायटी के लिए काम करना है। सोसायटी को सशक्त बनाना है। अपने बच्चों में उद्यमिता का गुण विकसित करना है। यह इनोवेशन के माध्यम से ही संभव होगा।

पाइट कालेज में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की सचिव को सम्मानित करते हुए। (राकेश)

एस.सी.ई.आर.टी. के संयुक्त निदेशक सुनील बजाज ने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी की जिम्मेदारी ज्यादा बड़ी है। वे शिक्षकों को प्रेरित करें। इनोवेशन से एंटरप्रिन्योरशिप की तरफ कैसे बढ़ना है, इसके बारे में सोचें। नई शिक्षा नीति के माध्यम से बच्चे का संपूर्ण विकास हो सकता है।

एजुकेशन 4.0 से आएगी क्रांतिः डा. शक्ति

पाइट के निदेशक डॉ. शक्ति कुमार ने कहा कि एजुकेशन 4.0 से औद्योगिक क्रांति संभव है। यह भारत का समय है। हमें अपने युवाओं को उचित अवसर देकर उन्हें आगे बढ़ाना है। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि नया और अलग सोचना होगा।

किसी समस्या के समाधान पर जितना बेहतर परिणाम दे सकेंगे, उतना जल्दी आगे बढ़ेंगे। भारत में युवा स्टार्टअप के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। इनोवेशन सैल के रीजनल को-ऑर्डिनेटर मयूर मधुकर बोरकर, वाधवानी ग्रुप से नीलम सक्सेना व गीता संजय, पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, पाइट के सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डा. बी.बी. शर्मा, नोडल सैंटर को-ऑर्डिनेटर डा. शक्ति अरोड़ा ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 08.11.2025

विद्यार्थियों में रचनात्मकता है, शिक्षक उनकी प्रतिभा को पहचानें : प्रो. श्यामा

जासं • समालखा : विद्यार्थियों में रचनात्मकता की कमी नहीं होती है। वे आउट आफ द बाक्स सोचते हैं। यह शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानें। उन्हें उचित अवसर और मंच प्रदान करें। इसलिए, समय-समय पर जिला शिक्षा अधिकारियों को भी प्रशिक्षित होना आवश्यक है। यह बात अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) की सचिव प्रो. श्यामा रथ ने कही। वह पानीपत इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालोजी (पाइट) में शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इनोवेशन डिजाइन एवं इंटरप्रन्योरशिप की दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशाप के समापन पर बोल रही थी।

आज समाज
पानीपत, शनिवार, 08 नवंबर, 2025
03

पाइट में कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप, एआइसीटीई सचिव ने किया प्रेरित

आज समाज नेटवर्क

समालखा/ पानीपत। बच्चों में रचनात्मकता की कमी नहीं है। बच्चे आउट ऑफ द बॉक्स सोचते हैं। यह शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों की प्रतिभा को पहचानें। उन्हें उचित अवसर और मंच प्रदान करें। इसलिए समय-समय पर जिला शिक्षा अधिकारियों का भी प्रशिक्षित होना आवश्यक है। यह बात अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) की सचिव प्रो.श्यामा रथ ने कही। वह यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में संबोधित कर रही थीं। पाइट में शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) के संयुक्त तत्वावधान में इनोवेशन डिजाइन एवं इंटरप्रन्योरशिप पर दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशाप संपन्न हुई। हरियाणा के जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया। प्रो.श्यामा रथ ने कहा कि हमें सोसाइटी के लिए काम करना है। सोसाइटी को सशक्त बनाना है। अपने बच्चों में उद्यमिता का गुण विकसित करना है। यह इनोवेशन के माध्यम से ही संभव होगा। ये हमें सोचना है कि बच्चे को किस तरह पढ़ाया और प्रशिक्षित किया जाए। इनोवेशन सेल की ओर से फ्रेम वर्क दिया जा रहा है। सभी को मिलकर कॉमन गोल की दिशा में आगे बढ़ना है। सरकार की पॉलिसी के बारे में सभी को जागरूक होना चाहिए। एससीईआरटी के संयुक्त निदेशक सुनील बजाज ने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी की जिम्मेदारी ज्यादा बड़ी है। वे शिक्षकों को प्रेरित करें। इनोवेशन से इंटरप्रन्योरशिप की तरफ कैसे बढ़ना है, इसके बारे में सोचें।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 08.11.2025

बच्चों की प्रतिभा को पहचानें : प्रो. श्यामा

समालखा (वि)। बच्चों में रचनात्मकता की कमी नहीं है। यह शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों की प्रतिभा को पहचानें। उन्हें उचित अवसर और मंच प्रदान करें। यह बात अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) की सचिव प्रो. श्यामा रथ ने कहीं। वह यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में संबोधित कर रही थीं। पाइट में शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) के संयुक्त तत्वावधान में इनोवेशन डिजाइन एवं इंटरप्रन्योरशिप पर दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशाप संपन्न हुई। पाइट के निदेशक डॉ. शक्ति कुमार ने कहा कि एजुकेशन 4.0 से औद्योगिक क्रांति संभव है।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 07.11.2025

पाइट में दो दिवसीय राष्ट्रीय कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप, एआइसीटीई और मंत्रालयों के अधिकारियों ने किया प्रेरित

विनोद लाहोट/हरियाणा वार्ता

समालखा,6 नवंबर। इनोवेशन से ही स्टार्टअप की राह खुलेगी। हमें स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ना है। स्कूलों में बच्चों को पढ़ाई के दौरान आउट ऑफ द बॉक्स सोचना सिखाएं। उन्हें नया करने दें। इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षक भी अपडेट हों। वे भी स्किल सीखें। यह बात अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) में इनोवेशन सेल के सहायक निदेशक डॉ. एलंगोवन करियप्पन ने कही। पाइट में शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) के संयुक्त तत्वावधान में इनोवेशन डिजाइन एवं इंटरप्रन्योरशिप पर दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशाप का शुभारंभ हुआ। यह कार्यशाला जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के सदस्यों के लिए आयोजित की गई।

डॉ. एलंगोवन करियप्पन ने कहा कि नवाचारी सोच विकसित होने से विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना बढ़ेगी। यदि विद्यार्थियों की सोच और दृष्टिकोण में परिवर्तन लाया जाए, तो विद्यालय भविष्य के इनोवेशन के सशक्त केंद्र बन सकते हैं। सभी सदस्यों को पाइट के इन्क्यूबेशन सेंटर में प्रशिक्षण भी लिया। इनोवेशन सेल के रीजनल कोऑर्डिनेटर म्यूर मधुकर बोरकर ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप शिक्षण अधिकारियों की क्षमता को सशक्त करना है। ताकि वे नवाचार, रचनात्मकता और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में अपनी दक्षता बढ़ा सकें। यह बूटकैंप वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग से किया गया है। उन्होंने मंत्रालय की योजनाओं एवं पेटेंट के बारे में जागरूक किया। वाधवानी ग्रुप से नीलम सक्सेना व गीता संजय ने स्कूल शिक्षा, इनोवेशन व उद्यमिता पर जागरूक किया। पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार ने कहा कि नवाचार से ही तरक्की संभव है। भारत इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। सचिव सुरेश तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ.बीबी शर्मा, नोडल सेंटर कोऑर्डिनेटर डॉ.शक्ति अरोड़ा ने उद्यमिता और इनोवेशन को एक ही सिक्के के दो पहलू बताया। दोनों के बिना विकास संभव नहीं है।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 07.11.2025

पानीपत

आज समाज
पानीपत, शुक्रवार, 07 नवंबर, 2025

03

पाइट में कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप, एआइसीटीई और मंत्रालयों के अधिकारियों ने किया प्रेरित

आज समाज नेटवर्क

समालखा/पानीपत। इनोवेशन से ही स्टार्टअप की राह खुलेगी। हमें स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ना है। स्कूलों में बच्चों को पढ़ाई के दौरान आउट ऑफ द बॉक्स सोचना सिखाएं। उन्हें नया करने दें। इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षक भी अपडेट हों। वे भी स्किल सीखें। यह बात अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) में इनोवेशन सेल के सहायक निदेशक डॉ. एलंगोवन करियप्पन ने कही। पाइट में शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) के संयुक्त तत्वावधान में इनोवेशन डिजाइन एवं इंटरप्रन्योरशिप पर दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशाप का शुभारंभ हुआ। यह कार्यशाला जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के सदस्यों के लिए आयोजित की गई। डॉ. एलंगोवन करियप्पन ने कहा कि नवाचारी सोच विकसित होने से विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना बढ़ेगी। यदि विद्यार्थियों की सोच और दृष्टिकोण में परिवर्तन लाया जाए, तो विद्यालय भविष्य के इनोवेशन के सशक्त केंद्र बन सकते हैं। सभी सदस्यों को पाइट के इन्क्यूबेशन सेंटर में प्रशिक्षण भी लिया। इनोवेशन सेल के रीजनल कोऑर्डिनेटर म्यूर मधुकर बोरकर ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप शिक्षण अधिकारियों की क्षमता को सशक्त करना है। ताकि वे नवाचार, रचनात्मकता और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में अपनी दक्षता बढ़ा सकें। यह बूटकैंप वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग से किया गया है। उन्होंने मंत्रालय की योजनाओं एवं पेटेंट के बारे में जागरूक किया। वाधवानी ग्रुप से नीलम सक्सेना व गीता संजय ने स्कूल शिक्षा, इनोवेशन व उद्यमिता पर जागरूक किया। पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार ने कहा कि नवाचार से ही तरक्की संभव है। भारत इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। सचिव सुरेश तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ.बीबी शर्मा, नोडल सेंटर कोऑर्डिनेटर डॉ.शक्ति अरोड़ा ने उद्यमिता और इनोवेशन को एक ही सिक्के के दो पहलू बताया। दोनों के बिना विकास संभव नहीं।

सच कहूँ
epaper.sachkahoon.com
07 Nov 2025 - Page 13

स्टार्टअप की राह इनोवेशन से खुलेगी: डॉ. एलंगोवन

- पाइट में दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप
- एआईसीटीई अधिकारियों ने नवाचार और उद्यमिता को बताया विकास की कुंजी

समालखा (सच कहूँ न्यूज)। इनोवेशन और नवाचारी सोच ही स्टार्टअप एवं स्व-रोजगार की दिशा में नए अवसर उत्पन्न कर सकती है। यह बात अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के इनोवेशन सेल के सहायक निदेशक डॉ. एलंगोवन करियप्पन ने पाइट में आयोजित दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप के शुभारंभ अवसर पर कही। शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, व एआईसीटीई के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यशाला जिला शिक्षा अधिकारियों एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के सदस्यों के लिए आयोजित की गई।

डॉ. एलंगोवन ने कहा कि छात्रों को 'आउट ऑफ द बॉक्स' सोचने के लिए प्रेरित करना जरूरी है। शिक्षक भी खुद को अपडेट रखें और नई स्किल सीखें, ताकि वे विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना विकसित कर सकें। उन्होंने कहा कि जब विद्यार्थी नवाचार की दिशा में सोचेंगे, तो विद्यालय भविष्य के इनोवेशन केंद्र बन सकेंगे।

एआईसीटीई इनोवेशन सेल के रीजनल कोऑर्डिनेटर म्यूर मधुकर बोरकर ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना को आगे बढ़ाते हुए शिक्षण अधिकारियों की क्षमता को सशक्त करना है। यह बूटकैंप वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया। वाधवानी ग्रुप की नीलम सक्सेना व गीता संजय ने स्कूल शिक्षा, इनोवेशन और उद्यमिता पर जागरूकता सत्र लिया।

पाइट निदेशक डॉ. शक्ति कुमार ने कहा कि नवाचार से ही तरक्की संभव है। भारत तेजी से इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। सचिव सुरेश तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ. बी.बी. शर्मा और नोडल सेंटर कोऑर्डिनेटर डॉ. शक्ति अरोड़ा ने इनोवेशन और उद्यमिता को विकास के दो महत्वपूर्ण पहलू बताया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 07.11.2025

पाइट में कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप, एआइसीटीई और मंत्रालयों के अधिकारियों ने किया प्रेरित

सवेरा न्यूज/रतन लाल

समालखा, 6 नवम्बर : इनोवेशन से ही स्टार्टअप की राह खुलेगी। हमें स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ना है। स्कूलों में बच्चों को पढ़ाई के दौरान आउट ऑफ द बॉक्स सोचना सिखाएं। उन्हें नया करने दें। इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षक भी अपडेट हों। वे भी स्किल सीखें। यह बात अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद में इनोवेशन सेल के सहायक निदेशक डॉ. एलंगोवन करियप्पन ने कही। पाइट में शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में इनोवेशन डिजाइन एवं इंटरप्रन्योरशिप पर दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशाप का शुभारंभ हुआ। यह कार्यशाला जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सदस्यों के लिए आयोजित की गई। सभी सदस्यों को पाइट के इन्क्यूबेशन सेंटर में प्रशिक्षण भी लिया। इनोवेशन सेल के रीजनल कोऑर्डिनेटर म्यूर मधुकर बोरकर ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप शिक्षण अधिकारियों की क्षमता को सशक्त करना है। पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार ने कहा कि नवाचार से ही तरक्की संभव है। सचिव सुरेश तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ.बीबी शर्मा, नोडल सेंटर कोऑर्डिनेटर डॉ.शक्ति अरोड़ा ने उद्यमिता और इनोवेशन को एक ही सिक्के के दो पहलू बताया। दोनों के बिना विकास संभव नहीं।

पाइट में वक्ताओं का स्वागत करते आयोजक।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 07.11.2025

पाइट कॉलेज में कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप हुई आयोजित

वर्कशॉप को संबोधित करते हुए। (राकेश)

पाइट कॉलेज में वाइस चेयरमैन व अन्य मुख्यातिथि को सम्मानित करते हुए। (राकेश)

■ ए.आई.सी.टी.ई. व मंत्रालयों के अधिकारियों ने किया प्रेरित

समालखा, 6 नवम्बर (राकेश): इनोवेशन से ही स्टार्टअप की राह खुलेगी। हमें स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ना है। स्कूलों में बच्चों को पढ़ाई के दौरान आऊट ऑफ द बॉक्स सोचना सिखाएं। उन्हें नया करने दें।

इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षक भी अपडेट हों। वे भी स्किल सीखें। यह बात अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए.आई.सी.टी.ई.) में इनोवेशन सैल के सहायक निदेशक डॉ. एलंगोवन करियप्पन ने कहीं। पाइट में शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सैल, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए.आई.सी.टी.ई.) के संयुक्त तत्वावधान में इनोवेशन डिजाइन एवं एंटरप्रेन्योरशिप पर 2 दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशाप का शुभारंभ हुआ।

यह कार्यशाला जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के सदस्यों के लिए आयोजित की गई।

इस अवसर पर डॉ. एलंगोवन करियप्पन ने कहा कि नवाचारी सोच विकसित होने से विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना बढ़ेगी। यदि विद्यार्थियों की सोच और दृष्टिकोण में परिवर्तन लाया जाए, तो विद्यालय भविष्य के इनोवेशन के सशक्त केंद्र बन सकते हैं। सभी सदस्यों को पाइट के इन्क्यूबेशन सैंटर में प्रशिक्षण भी लिया। इनोवेशन सैल के रीजनल को-ऑर्डिनेटर म्यूर मधुकर बोरकर ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप शिक्षण अधिकारियों की क्षमता को सशक्त करना है ताकि वे नवाचार, रचनात्मकता और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में अपनी दक्षता बढ़ा सकें।

उन्होंने मंत्रालय की योजनाओं एवं पेटैंट के बारे में जागरूक किया। वाधवानी ग्रुप से नीलम सक्सेना व गीता संजय ने स्कूल शिक्षा, इनोवेशन व उद्यमिता पर जागरूक किया।

सचिव सुरेश तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ. बीबी शर्मा, नोडल सैंटर को-ऑर्डिनेटर डॉ. शक्ति अरोड़ा ने उद्यमिता और इनोवेशन को एक ही सिक्के के दो पहलू बताया। दोनों के बिना विकास संभव नहीं।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 07.11.2025

इनोवेशन से ही स्टार्टअप की राह खुलेगी

■ पाइट में कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप, विद्यार्थियों को स्वरोजगार का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ समालखा

समालखा। एआइसीटीई के डॉ. एलंगोवन करियप्पन को सम्मानित करते हुए पाइट प्रशासन। *फोटो : हरिभूमि*

इनोवेशन से ही स्टार्टअप की राह खुलेगी। हमें स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ना है। स्कूलों में बच्चों को पढ़ाई के दौरान आउट ऑफ द बॉक्स सोचना सिखाएं। उन्हें नया करने दें। इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षक भी अपडेट हों। वे भी स्किल सीखें। यह बात अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) में इनोवेशन सेल के सहायक निदेशक डॉ. एलंगोवन करियप्पन ने कही। पाइट में शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) के संयुक्त तत्वावधान में इनोवेशन डिजाइन एवं इंटरप्रन्योरशिप पर दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशाप का शुभारंभ हुआ। वहीं, डॉ. करियप्पन ने कहा कि नवाचारी सोच विकसित होने से विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना बढ़ेगी। यदि विद्यार्थियों की सोच और दृष्टिकोण में परिवर्तन लाया जाए, तो विद्यालय भविष्य के इनोवेशन के सशक्त केंद्र बन सकते हैं। सभी सदस्यों को पाइट के इन्क्यूबेशन सेंटर में प्रशिक्षण भी लिया। वहीं, इनोवेशन सेल के रीजनल कोऑर्डिनेटर म्यूर मधुकर बोरकर, वाधवानी ग्रुप से नीलम सक्सेना व गीता संजय ने स्कूल शिक्षा, इनोवेशन व उद्यमिता विषयों पर जागरूक किया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

दैनिक भास्कर

पानीपत भास्कर 05-11-2025

एआई से पढ़ेंगे बच्चे, आतंकी हमले को रोकेगा सुरक्षा व्यूह

समालखा | एआई से आपके बच्चों की प्रतिभा का पता चलेगा। एआई ही निर्धारित करेगा कि बच्चे को किस क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहिए। इसी तरह एआई के माध्यम से देश में आतंकी हमलों को रोका जा सकता है। ये प्रोजेक्ट पाइट कॉलेज में नेशनल स्पर्धा आइडिया थॉन में स्कूली बच्चों ने दिखाए। सौ से अधिक स्कूलों के बच्चों ने इसमें भाग लिया। स्टार्टअप हरियाणा से विशाल शर्मा, इ सॉल्यूशन कंपनी के सीईओ डॉ. गौरव मित्तल ने बच्चों को प्रेरित किया। पाइट के निदेशक डॉ. शक्ति कुमार ने कहा कि इनोवेशन से ही आर्थिक तरक्की के रास्ते खुलेंगे। वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि बच्चों ने ऐसे प्रोजेक्ट बनाए हैं, जिन्हें देखकर लगता है कि निश्चित ही हमारे स्टार्टअप सफल होंगे। हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, शुभम तायल, डीन डॉ. बीबी शर्मा, राजीव गुलाटी ने बच्चों को पुरस्कृत किया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 5.11.2025

ए.आई. से पढ़ेंगे बच्चे, आतंकी हमले को रोकेगा सुरक्षा व्यूह

पाइट में स्पर्धा आइडियाथॉन, डी.ए.वी. सोनीपत ने जीता प्रथम पुरस्कार

समालखा, 4 नवम्बर (राकेश): ए.आई. से आपके बच्चों की प्रतिभा का पता चलेगा। ए.आई. ही निर्धारित करेगा कि बच्चे को किस क्षेत्र में करिअर बनाना चाहिए। इसी तरह ए.आई. के माध्यम से देश में आतंकी हमलों को रोका जा सकता है। ये प्रोजैक्ट यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में नेशनल स्पर्धा आइडियाथॉन में स्कूली बच्चों ने दिखाए। 100 से अधिक स्कूलों ने इसमें भाग लिया।

स्टार्टअप हरियाणा से विशाल शर्मा, इ सॉल्यूशन कंपनी के सीईओ डॉ.गौरव मित्तल ने बच्चों को प्रेरित किया। इस अवसर पर पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार ने कहा कि इनोवेशन से ही आर्थिक तरक्की के रास्ते खुलेंगे। अमरीका और चीन अगर सबसे आगे हैं तो इसकी वजह इनोवेशन है। आने वाला समय भारत का है। भारतीय युवा अपनी प्रतिभा से दुनिया को चकित कर रहे हैं।

पाइट कॉलेज में विजेताओं को सम्मानित किए जाने का दृश्य। (राकेश)

ए.आई. से क्लास की मॉनिटरिंग

ए.आई. से क्लास की मॉनिटरिंग होगी। पाइट स्कूल के बच्चों ने ऐसा प्रोजैक्ट बनाया, जिससे कैमरा ये बता देगा कि बच्चे का क्लास पर कितना फोकस है। अंबाला स्कूल की टीम ने सुरक्षा व्यूह बनाया। किसी जगह अगर गोलीबारी होगी तो सेना और पुलिस तक सूचना पहुंच जाएगी। पहलगाम जैसे आतंकी हमले को नाकाम किया जा सकेगा।

वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि बच्चों ने ऐसे प्रोजैक्ट बनाए हैं, जिन्हें देखकर लगता है कि निश्चित ही हमारे स्टार्टअप सफल होंगे। बच्चे सबसे बेहतर रचनात्मक तरीके से सोच सकते हैं। साइबर सिक्योरिटी एवं स्टार्टअप सेल की अध्यक्ष डॉ.शक्ति अरोड़ा ने बताया कि लगातार चौथे साल स्पर्धा आइडियाथॉन किया गया है। देशभर के बच्चों की प्रतिभा को मंच दिया जा रहा है। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ.बीबी शर्मा, राजीव गुलाटी ने भी बच्चों को पुरस्कृत किया।

सोनीपत डीएवी मल्टीपर्पस स्कूल की टीम ने पहला इनाम जीता। हिमांक और शुभम ने ए.आई. आधारित ऐसा प्रोजैक्ट बनाया है, जिससे बच्चे की प्रतिभा का पता चलेगा। इसके बाद उसे अनुरूप शिक्षा दी जाएगी। इसी तरह इसी स्कूल के बच्चों ने आंवले के पौधे में होने वाले रोग के इलाज के तरीके बताए। ए.आई. से पौधे को ठीक किया जा सकता है। फोटो देखकर ही रोग, कारण और इलाज का पता चल जाएगा।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 5.11.2025

एआइ से पढ़ेंगे बच्चे, आतंकी हमले को रोकेगा सुरक्षा व्यूह

टीम एक्शन इंडिया

समालखा - 4 नवंबर (संजय नरवाल) एआइ से आपके बच्चों की प्रतिभा का पता चलेगा। एआइ ही निर्धारित करेगा कि बच्चे को किस क्षेत्र में करिअर बनाना चाहिए। इसी तरह एआइ के माध्यम से देश में आतंकी हमलों को रोका जा सकता है। ये प्रोजेक्ट यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में नेशनल स्पर्धा आइडियाथॉन में स्कूली बच्चों ने दिखाए। सौ से अधिक स्कूलों ने इसमें भाग लिया। स्टार्टअप हरियाणा से विशाल शर्मा, इ सॉल्यूशन कंपनी के सीईओ डॉ.गौरव मित्तल ने बच्चों को प्रेरित किया।

पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार ने कहा कि इनोवेशन से ही आर्थिक तरक्की के रास्ते खुलेंगे। अमेरिका और चीन अगर सबसे आगे हैं तो इसकी वजह इनोवेशन है। आने वाला समय भारत का है। भारतीय युवा अपनी प्रतिभा से दुनिया को चकित कर रहे हैं। वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि बच्चों ने ऐसे प्रोजेक्ट बनाए हैं, जिन्हें देखकर लगता है कि निश्चित ही हमारे स्टार्टअप सफल होंगे। बच्चे सबसे बेहतर रचनात्मक तरीके से सोच सकते हैं। साइबर सिक्योरिटी एवं स्टार्टअप सेल की अध्यक्ष डॉ.शक्ति अरोड़ा ने बताया कि लगातार चौथे साल स्पर्धा आइडियाथॉन किया गया है। देशभर के बच्चों की प्रतिभा को मंच दिया जा रहा है। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ.बीबी शर्मा, राजीव गुलाटी ने भी बच्चों को पुरस्कृत किया।

एआइ पहचानेगा प्रतिभा

सोनीपत डीएवी मल्टीपर्पस स्कूल की टीम ने पहला इनाम जीता। हिमांक और शुभम ने एआइ आधारित ऐसा प्रोजेक्ट बनाया है, जिससे बच्चे की प्रतिभा का पता चलेगा।

इसके बाद उसे अनुरूप शिक्षा दी जाएगी। इसी तरह इसी स्कूल के बच्चों ने आंवले के पौधे में होने वाले रोग के इलाज के तरीके बताए। एआइ से पौधे को ठीक किया जा सकता है। फोटो देखकर ही रोग, कारण और इलाज का पता चल जाएगा।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 5.11.2025

पाइट में स्पर्धा आइडियाथॉन, डीएवी सोनीपत ने जीता प्रथम पुरस्कार

एआई से पढ़ेंगे बच्चे, आतंकी हमले को रोकेगा सुरक्षा व्यूह

समालखा, 4 नवंबर(निस)

सेना के

एआई से क्लास की मॉनीटरिंग होगी। पाइट स्कूल के बच्चों ने ऐसा प्रोजेक्ट बनाया, जिससे कैमरा ये बता देगा कि बच्चे का क्लास पर कितना फोकस है। अंबाला स्कूल की टीम ने सुरक्षा व्यूह बनाया। किसी जगह अगर गोलीबारी होगी तो सेना और पुलिस तक सूचना पहुंच जाएगी। पहलगाम जैसे आतंकी हमले को नाकाम किया जा सकेगा।

एआई से आपके बच्चों की प्रतिभा का पता चलेगा। एआई ही निर्धारित करेगा कि बच्चे को किस क्षेत्र में करिअर बनाना चाहिए। इसी तरह एआई के माध्यम से देश में आतंकी हमलों को रोका जा सकता है।

ये प्रोजेक्ट यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में नेशनल स्पर्धा आइडियाथॉन में स्कूली बच्चों ने दिखाए।

सौ से अधिक स्कूलों ने इसमें भाग लिया। सोनीपत डीएवी मल्टीपर्पस स्कूल की टीम ने पहला इनाम जीता। हिमांक और शुभम ने एआई आधारित ऐसा प्रोजेक्ट बनाया है, जिससे बच्चे की प्रतिभा का पता चलेगा। इसके बाद उसे अनुरूप शिक्षा दी जाएगी।

इसी तरह इसी स्कूल के बच्चों ने आंवले के पौधे में होने वाले रोग के इलाज के तरीके बताए। एआई से पौधे को ठीक किया जा सकता है। फोटो देखकर ही रोग, कारण और इलाज का पता चल जाएगा। स्टार्टअप हरियाणा से विशाल शर्मा, ई सॉल्यूशन कंपनी के सीईओ डॉ. गौरव मित्तल ने बच्चों को प्रेरित किया। पाइट के निदेशक डॉ. शक्ति कुमार ने कहा कि इनोवेशन से ही आर्थिक तरक्की के रास्ते खुलेंगे।

अमेरिका और चीन अगर सबसे आगे हैं तो इसकी वजह इनोवेशन है। आने वाला समय भारत का है। भारतीय युवा अपनी प्रतिभा से दुनिया को चकित कर रहे हैं। वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि बच्चों ने ऐसे प्रोजेक्ट बनाए हैं, जिन्हें देखकर लगता है कि निश्चित ही हमारे स्टार्टअप सफल होंगे।

बच्चे सबसे बेहतर रचनात्मक तरीके से सोच सकते हैं। साइबर सिक्योरिटी एवं स्टार्टअप सैल की अध्यक्ष डॉ. शक्ति अरोड़ा ने बताया कि लगातार चौथे साल स्पर्धा आइडियाथॉन किया गया है। देशभर के बच्चों की प्रतिभा को मंच दिया जा रहा है।

पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ. बीबी शर्मा, राजीव गुलाटी ने भी बच्चों को पुरस्कृत किया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

पानीपत

आज समाज
पानीपत, बुधवार, 05 नवंबर , 2025

03

एआइ से पढ़ेंगे बच्चे, आतंकी हमले को रोकेगा सुरक्षा व्यूह

आज समाज नेटवर्क

समालखा/पानीपत। एआइ से आपके बच्चों की प्रतिभा का पता चलेगा। एआइ ही निर्धारित करेगा कि बच्चे को किस क्षेत्र में करिअर बनाना चाहिए। इसी तरह एआइ के माध्यम से देश में आतंकी हमलों को रोका जा सकता है। ये प्रोजेक्ट यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में नेशनल स्पर्धा आइडियाथॉन में स्कूली बच्चों ने दिखाए। सौ से अधिक स्कूलों ने इसमें भाग लिया। स्टार्टअप हरियाणा से विशाल शर्मा, इसॉल्यूशन कंपनी के सीईओ डॉ.गौरव मित्तल ने बच्चों को प्रेरित किया।

पाइट में स्पर्धा आइडियाथॉन, डीएवी सोनीपत ने जीता प्रथम पुरस्कार

पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार ने कहा कि इनोवेशन से ही आर्थिक तरक्की के रास्ते खुलेंगे। अमेरिका और चीन अगर सबसे आगे हैं तो इसकी वजह इनोवेशन है। आने वाला समय भारत का है। भारतीय युवा अपनी प्रतिभा से दुनिया को चकित कर रहे हैं। वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि बच्चों ने ऐसे प्रोजेक्ट बनाए हैं, जिन्हें देखकर लगता है कि निश्चित ही हमारे स्टार्टअप सफल होंगे। बच्चे सबसे बेहतर रचनात्मक तरीके से सोच सकते हैं। साइबर सिक्योरिटी एवं स्टार्टअप सेल की अध्यक्ष डॉ.शक्ति अरोड़ा ने बताया कि लगातार चौथे साल स्पर्धा आइडियाथॉन किया गया है। देशभर के बच्चों की प्रतिभा को मंच दिया जा रहा है। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ.बीबी शर्मा, राजीव गुलाटी ने भी बच्चों को पुरस्कृत किया।

एआइ पहचानेगा प्रतिभा

सोनीपत डीएवी मल्टीपर्पस स्कूल की टीम ने पहला इनाम जीता। हिमांक और शुभम ने एआइ आधारित ऐसा प्रोजेक्ट बनाया है, जिससे बच्चे की प्रतिभा का पता चलेगा। इसके बाद उसे अनुरूप शिक्षा दी जाएगी। इसी तरह इसी स्कूल के बच्चों ने आंवले के पौधे में होने वाले रोग के इलाज के तरीके बताए। एआइ से पौधे को ठीक किया जा सकता है। फोटो देखकर ही रोग, कारण और इलाज का पता चल जाएगा।

एआइ से क्लास की मॉनिटरिंग

एआइ से क्लास की मॉनिटरिंग होगी। पाइट स्कूल के बच्चों ने ऐसा प्रोजेक्ट बनाया, जिससे कैमरा ये बता देगा कि बच्चे का क्लास पर कितना फोकस है। अंबाला स्कूल की टीम ने सुरक्षा व्यूह बनाया। किसी जगह अगर गोलीबारी होगी तो सेना और पुलिस तक सूचना पहुंच जाएगी। पहलगाम जैसे आतंकी हमले को नाकाम किया जा सकेगा।

OTHER 04.11.2025

गाय के लिए पहली रोटी के साथ सोच भी पहले रखें

समालखा 3 नवम्बर (संजय नरवाल)

गाय के लिए हमारी संस्कृति में पहली रोटी निकालने की परंपरा है। इसके साथ ही अपनी सोच को भी गाय के लिए पहले ही रखें। गाय हमारी संस्कृति का आधार है। यह बात सेवा से अनुसंधान, अनुसंधन से समृद्धि विषय पर आयोजित पैनल डिस्क्शन में कही गई। पाइट कॉलेज में कामधेनु अनुसंधान ट्रस्ट ने यह प्रेरित पहल की। गो सेवा गतिविधि के प्रांत संयोजक महेंद्र कंसल एवं मुरथल से पधारे राष्ट्र संत स्वामी दयानंद सरस्वती महाराज ने गाय का महत्व बताया। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल ने कहा कि कामधेनु अनुसंधान ट्रस्ट के माध्यम से स्टार्टअप शुरू

करने की योजना है। छात्र-छात्राएं एवं ट्रस्ट के सदस्य आसपास की गोशालाओं के लिए काम करेंगे। महेंद्र कंसल ने कहा कि गाय हमारी पूजनीय है। हम गाय को माता का दर्जा देते हैं। जब तक हमारी सोच में बदलाव नहीं होगा, तब तक हम गोसुरक्षा नहीं कर पाएंगे। गोशालाओं को भी आर्थिक रूप से विकसित करना होगा। स्वामी दयानंद सरस्वती महाराज ने भी अपने विचार रखे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

पानीपत

आज समाज

पानीपत, मंगलवार 04 नवंबर, 2025

03

गाय के लिए पहली रोटी के साथ सोच भी पहले रखें

आज समाज नेटवर्क

समालखा/पानीपत। गाय के लिए हमारी संस्कृति में पहली रोटी निकालने की परंपरा है। इसके साथ ही अपनी सोच को भी गाय के लिए पहले ही रखें। गाय हमारी संस्कृति का आधार है। यह बात सेवा से अनुसंधान, अनुसंधन से समृद्धि विषय पर आयोजित पैनल डिस्क्शन में कही गई। पाइट कॉलेज में कामधेनु अनुसंधान ट्रस्ट ने यह प्रेरित पहल की।

गो सेवा गतिविधि के प्रांत संयोजक महेंद्र कंसल एवं मुख्यल से पधारे राष्ट्र संत स्वामी दयानंद सरस्वती महाराज ने गाय का महत्व बताया। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल ने कहा कि कामधेनु अनुसंधान ट्रस्ट के माध्यम से स्टार्टअप शुरू करने की योजना है।

छात्र-छात्राएं एवं ट्रस्ट के सदस्य आसपास की गोशालाओं के लिए काम करेंगे। महेंद्र कंसल ने कहा कि गाय हमारी पूजनीय है। हम गाय को माता का दर्जा देते हैं। जब तक हमारी सोच में बदलाव नहीं होगा, तब तक हम गोसुरक्षा नहीं कर पाएंगे। गोशालाओं को भी

आर्थिक रूप से विकसित करना होगा। स्वामी दयानंद सरस्वती महाराज ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर सेवा भारती के प्रांत अध्यक्ष डॉ.यशदेव त्यागी, पानीपत सीए ब्रांच के पूर्व चेयरमैन जगदीश धमीजा, राजकीय स्कूल के प्रिंसिपल जयदीप, मुकेश कुमार, देवेंद्र दत्ता, अजय गर्ग, एप्लाइड साइंस विभाग की अध्यक्ष डॉ.विनय खत्री, बीबीए विभाग के अध्यक्ष डॉ.रोहित गर्ग, फार्मेसी विभाग से प्रिंसिपल डॉ.गौरव, कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के अध्यक्ष डॉ.दिनेश वर्मा भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 04.11.2025

गाय संस्कृति का आधार : स्वामी दयानंद

समालखा (वि.)। पाइट कॉलेज कामधेनु अनुसंधान ट्रस्ट की ओर से सोमवार को अनुसंधान से समृद्धि विषय पर आयोजित पैनल डिस्क्शन का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर गो सेवा गतिविधि के प्रांत संयोजक महेंद्र कंसल एवं मुरथल से पधारे राष्ट्र संत स्वामी दयानंद सरस्वती महाराज ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और लोगो को गाय का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में पहली रोटी गाय के लिए निकालने की परंपरा है। अपनी सोच को भी गाय के लिए पहले ही रखें। गाय हमारी संस्कृति का आधार है।

पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल ने कहा कि कामधेनु अनुसंधान ट्रस्ट के माध्यम से स्टार्टअप शुरू करने की योजना है। इसमें छात्र-छात्राएं एवं ट्रस्ट के सदस्य आसपास की गोशालाओं के लिए काम करेंगे।

दैनिक भास्कर पानीपत भास्कर 04-11-2025

पाइट कॉलेज में गोरक्षा के लिए पैनल डिस्कशन

भास्कर न्यूज | समालखा

गाय के लिए हमारी संस्कृति में पहली रोटी निकालने की परंपरा है। इसके साथ ही अपनी सोच को भी गाय के लिए पहले ही रखें। गाय हमारी संस्कृति का आधार है। यह बात सेवा से अनुसंधान, अनुसंधान से समृद्धि विषय पर आयोजित पैनल डिस्कशन में कही गई। पाइट कॉलेज में कामधेनु अनुसंधान ट्रस्ट ने यह प्रेरित पहल की। गो सेवा गतिविधि के प्रांत संयोजक महेंद्र कंसल एवं मुरथल से पधारे राष्ट्र संत स्वामी दयानंद सरस्वती महाराज ने गाय का महत्व बताया। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल ने कहा कि छात्र-छात्राएं एवं ट्रस्ट के सदस्य आसपास की गोशालाओं के लिए काम करेंगे।

OTHER 04.11.2025

हमारी संस्कृति में पहली रोटी गाय की निकालने की परंपरा : महेंद्र कंसल

पाइट में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद सदस्य।

जागरण संवाददाता ● समालखा : गाय के प्रति हमारी संस्कृति में पहली रोटी निकालने की परंपरा है, जो दर्शाती है कि गाय हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। यह विचार गो सेवा गतिविधि के प्रांत संयोजक महेंद्र कंसल और मुरथल से आए राष्ट्र संत स्वामी दयानंद सरस्वती महाराज ने पाइट कालेज में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। इस कार्यक्रम का आयोजन कामधेनु अनुसंधान ट्रस्ट द्वारा किया गया। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल ने बताया कि ट्रस्ट के माध्यम से स्टार्टअप शुरू करने की योजना है, जिसमें छात्र-छात्राएं और ट्रस्ट के सदस्य आसपास की गोशालाओं के लिए कार्य करेंगे। महेंद्र कंसल ने कहा कि गाय को माता का दर्जा दिया जाना चाहिए और जब तक हमारी सोच में बदलाव नहीं होगा, तब तक गो रक्षा संभव नहीं है।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 04.11.2025

पाइट में गोरक्षा के लिए पैनल डिस्क्शन,महेंद्र कंसल व स्वामी दयानंद सरस्वती ने किया प्रेरित

विनोद लाहोट/हरियाणा वार्ता

समालखा,3 नवम्बर। गाय के लिए हमारी संस्कृति में पहली रोटी निकालने की परंपरा है,क्योकि गाय हमारी संस्कृति का आधार है। यह बात सेवा से अनुसंधान, अनुसंधन से समृद्धि विषय पर आयोजित पैनल डिस्क्शन में कही गई। पाइट कॉलेज में कामधेनु अनुसंधान ट्रस्ट ने यह प्रेरित पहल की। गो सेवा गतिविधि के प्रांत संयोजक महेंद्र कंसल एवं मुरथल से पधारे राष्ट्र संत स्वामी दयानंद सरस्वती महाराज ने गाय का महत्व बताया।

पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल ने कहा कि कामधेनु अनुसंधान ट्रस्ट के माध्यम से स्टार्टअप शुरू करने की योजना है। छात्र-छात्राएं एवं ट्रस्ट के सदस्य आसपास की गोशालाओं के लिए काम करेंगे।

महेंद्र कंसल ने कहा कि गाय हमारी पूजनीय है। हम गाय को माता का दर्जा देते हैं। जब तक हमारी सोच में बदलाव नहीं होगा, तब तक हम गोसुरक्षा नहीं कर पाएंगे। गोशालाओं को भी आर्थिक रूप से विकसित करना होगा। स्वामी दयानंद सरस्वती महाराज ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर सेवा भारती के प्रांत अध्यक्ष डॉ.यशदेव त्यागी,पानीपत सीए ब्रांच के पूर्व चेयरमैन जगदीश धमीजा, राजकीय स्कूल के प्रिंसिपल जयदीप, मुकेश कुमार, देवेंद्र दत्ता, अजय गर्ग, एप्लाइड साइंस विभाग की अध्यक्ष डॉ.विनय खत्री, बीबीए विभाग के अध्यक्ष डॉ.रोहित गर्ग, फामेर्सी विभाग से प्रिंसिपल डॉ.गौरव, कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के अध्यक्ष डॉ.दिनेश वर्मा भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 04.11.2025

'गाय हमारी संस्कृति का आधार'

पाइट कॉलेज में अतिथियों को सम्मानित किए जाने का दृश्य। (राकेश)

समालखा, 3 नवम्बर (राकेश): गाय के लिए हमारी संस्कृति में पहली रोटी निकालने की परंपरा है। इसके साथ ही अपनी सोच को भी गाय के लिए पहले ही रखें। गाय हमारी संस्कृति का आधार है। यह बात सेवा से अनुसंधान, अनुसंधन से समृद्धि विषय पर आयोजित पैनल डिस्कशन में कही गई। पाइट कॉलेज में कामधेनु अनुसंधान ट्रस्ट ने यह प्रेरित पहल की। गो सेवा गतिविधि के प्रांत संयोजक महेंद्र कंसल एवं मुरथल से पधारे राष्ट्र संत स्वामी दयानंद सरस्वती महाराज ने गाय का महत्व बताया।

इस अवसर पर पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल ने कहा कि कामधेनु अनुसंधान ट्रस्ट के माध्यम से स्टार्टअप शुरू करने की योजना है। छात्र-छात्राएं एवं ट्रस्ट के सदस्य आसपास की गोशालाओं के लिए काम करेंगे। वही महेंद्र कंसल ने कहा कि गाय हमारी पूजनीय है। हम गाय को माता का दर्जा देते हैं। जब तक हमारी सोच में बदलाव नहीं होगा, तब तक हम गौ सुरक्षा नहीं कर पाएंगे। गोशालाओं को भी आर्थिक रूप से विकसित करना होगा। स्वामी दयानंद सरस्वती महाराज ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर सेवा भारती के प्रांत अध्यक्ष डॉ.यशदेवत् यागी, पानीपत सी.ए. ब्रांच के पूर्व चेयरमैन जगदीश धमीजा, राजकीय स्कूल के प्रिंसिपल जयदीप, मुकेश कुमार, देवेंद्र दत्ता, अजय गर्ग, एप्लाइड साइंस विभाग की अध्यक्ष डॉ.विनय खत्री, बी.बी.ए. विभाग के अध्यक्ष डॉ.रोहित गर्ग, फार्मेसी विभाग से प्रिंसिपल डॉ. गौरव, कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के अध्यक्ष डॉ.दिनेश वर्मा भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 01.11.2025

पाइट में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस, एआइ पर पढ़े गए शोधपत्र

टीम एक्शन इंडिया
समालखा (संजय नरवाल)

स्वदेशी रक्षा उपकरणों की वजह से भारत की विदेश पर निर्भरता घटी है। स्वदेशी तकनीक से भारत आत्मनिर्भर भी हो रहा है। एआइ की मदद से भारत की जीडीपी बढ़ेगी। आर्थिक रूप से विकास होगा। इसके साथ ही, एआइ से रोजगार घटेंगे नहीं, बल्कि बढ़ेंगे। यह बात पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलॉजी में कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस एंड कंप्यूटिंग एप्लीकेशंस पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में विशेषज्ञों ने कही। इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स दिल्ली सेक्शन का तकनीकी सहयोग रहा। डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एसके तोमर ने रक्षा अनुप्रयोगों के लिए स्वदेशी सेंसर विषय पर कहा कि देश की सुरक्षा में स्वदेशी तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि स्वदेशी सेंसर ऐसे उपकरण हैं जो रक्षा क्षेत्र में दुश्मन की गतिविधियों, हथियारों की पहचान, मिसाइल ट्रैकिंग, और निगरानी जैसे कार्यों के लिए देश में ही विकसित किए जा रहे हैं। तोमर ने कहा कि ये सेंसर भारतीय वैज्ञानिकों की मेहनत और तकनीकी क्षमता का उदाहरण हैं। भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इनके माध्यम से अब रक्षा क्षेत्र में विदेशी तकनीक पर निर्भरता घटेगी। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ का उद्देश्य आने वाले वर्षों में सभी रक्षा उपकरणों में स्वदेशी सेंसरों का उपयोग सुनिश्चित करना है। कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से डीन डॉ.राकेश कुमार ने कहा कि रोबोटिक्स और ऑटोमेशन में करिअर की अपार संभावनाएं हैं।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 01.11.2025

स्वदेशी रक्षा उपकरण से विदेश पर निर्भरता घटी : एसके तोमर

समालखा(वि)। पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलॉजी में कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस एंड कंप्यूटिंग एप्लीकेशंस पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञों ने स्वदेशी रक्षा उपकरणों के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि स्वदेशी तकनीक से भारत आत्मनिर्भर भी हो रहा है। इसके साथ ही एआइ से रोजगार घटेंगे नहीं, बल्कि बढ़ेंगे। इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स दिल्ली सेक्शन का तकनीकी सहयोग रहा। डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एसके तोमर ने कहा कि देश की सुरक्षा में स्वदेशी तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 01.11.2025

स्वदेशी रक्षा उपकरण से विदेश पर निर्भरता घटी : एसके तोमर

■ डीआरडीओ के विज्ञानी ने बताया भविष्य, एआइ पर पढ़े गए शोधपत्र

विनोद लाहोट/हरियाणा वार्ता

समालखा,31 अक्टूबर। स्वदेशी रक्षा उपकरणों की वजह से भारत की विदेश पर निर्भरता घटी है। स्वदेशी तकनीक से भारत आत्मनिर्भर भी हो रहा है। एआइ की मदद से भारत की जीडीपी बढ़ेगी। आर्थिक रूप से विकास होगा। इसके साथ ही, एआइ से रोजगार घटेंगे नहीं, बल्कि बढ़ेंगे।

यह बात पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलॉजी में कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस एंड कंप्यूटिंग एप्लीकेशंस पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में विशेषज्ञों ने कही। इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स दिल्ली सेक्शन का तकनीकी सहयोग रहा।

डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एसके तोमर ने रक्षा अनुप्रयोगों के लिए स्वदेशी सेंसर विषय पर कहा कि देश की सुरक्षा में स्वदेशी तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि स्वदेशी सेंसर ऐसे उपकरण हैं जो रक्षा क्षेत्र में दुश्मन की गतिविधियों, हथियारों की पहचान, मिसाइल ट्रैकिंग, और निगरानी जैसे कार्यों के लिए देश में ही विकसित किए जा रहे हैं।

तोमर ने कहा कि ये सेंसर भारतीय वैज्ञानिकों की मेहनत और तकनीकी क्षमता का उदाहरण हैं। भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इनके माध्यम से अब रक्षा क्षेत्र में विदेशी तकनीक पर निर्भरता घटेगी। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ का उद्देश्य आने वाले वर्षों में सभी रक्षा उपकरणों में स्वदेशी सेंसरों का उपयोग सुनिश्चित करना है।

कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से डीन डॉ.राकेश कुमार ने कहा कि रोबोटिक्स और ऑटोमेशन में करिअर की अपार संभावनाएं हैं। स्वदेशी तकनीक पर काम करें, जिससे भारत विकसित और

आत्मनिर्भर होगा।

इस दौरान चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, डीन डॉ.जेएस सैनी, डीन डॉ.बीबी शर्मा, रजिस्ट्रार डॉ.अरविंद सिंह, डॉ.एससी गुप्ता, डॉ.अंजू गांधी ने भी विचार रखे। कॉन्फ्रेंस में 18 राज्यों से 1826 शोधार्थियों ने भाग लिया। इसमें 40 सेशन चेयर्स, 21 रिपोर्टर्स और 145 पेपर प्रस्तुत किए गए।

OTHER 01.11.2025

एआई की मदद से भारत की जीडीपी बढ़ेगी : एस.के. तोमर

समालखा, 31 अक्तूबर (अशोक चुघ): स्वदेशी रक्षा उपकरणों की वजह से भारत की विदेश पर निर्भरता घटी है। स्वदेशी तकनीक से भारत आत्मनिर्भर भी हो रहा है। एआइ की मदद से भारत की जीडीपी बढ़ेगी। आर्थिक रूप से विकास होगा। इसके साथ ही, एआइ से रोजगार घटेंगे नहीं, बल्कि बढ़ेंगे। यह बात पाइट में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में विशेषज्ञों ने कही। इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स दिल्ली सेक्शन का तकनीकी सहयोग रहा। डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एसके तोमर ने रक्षा अनुप्रयोगों के लिए स्वदेशी सेंसर विषय पर कहा कि देश की सुरक्षा में स्वदेशी तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि स्वदेशी सेंसर ऐसे उपकरण हैं जो रक्षा क्षेत्र में दुश्मन की गतिविधियों, हथियारों की पहचान, मिसाइल ट्रैकिंग, और निगरानी जैसे कार्यों के लिए देश में ही विकसित किए जा रहे हैं। ये सेंसर भारतीय वैज्ञानिकों की मेहनत और तकनीकी क्षमता का उदाहरण हैं।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 01.11.2025

पानीपत हरिभूमि 11

भारत आत्मनिर्भरता की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा

समालखा। डीआरडीओ के विज्ञानी एसके तोमर को सम्मानित करते हुए शिक्षाविदगण।

- पाइट में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस, एआइ पर पढ़े गए शोधपत्र, स्वदेशी रक्षा उपकरणों से विदेश पर निर्भरता घटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| समालखा

स्वदेशी रक्षा उपकरणों की वजह से भारत की विदेश पर निर्भरता घटी है। स्वदेशी तकनीक से भारत आत्मनिर्भर भी हो रहा है। एआइ की मदद से भारत की जीडीपी बढ़ेगी। आर्थिक रूप से विकास होगा। इसके साथ ही, एआइ से रोजगार घटेंगे नहीं, बल्कि बढ़ेंगे। यह बात पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलॉजी में कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस एंड कंप्यूटिंग एप्लीकेशंस पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में विशेषज्ञों ने कही। इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स दिल्ली सेक्शन का तकनीकी सहयोग रहा। डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एसके तोमर ने रक्षा अनुप्रयोगों के लिए स्वदेशी सेंसर विषय पर कहा कि देश की सुरक्षा में स्वदेशी तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि स्वदेशी सेंसर ऐसे उपकरण हैं जो रक्षा क्षेत्र में दुश्मन की गतिविधियों, हथियारों की पहचान, मिसाइल ट्रैकिंग, और निगरानी जैसे कार्यों के लिए देश में ही विकसित किए जा रहे हैं। वहीं, तोमर ने कहा कि ये सेंसर भारतीय वैज्ञानिकों की मेहनत और तकनीकी क्षमता का उदाहरण हैं।

ये मौजूद रहे

इस दौरान चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, डीन डॉ.जेएस सैनी, डीन डॉ.बीबी शर्मा, रजिस्ट्रार डॉ.अरविंद सिंह, डॉ.एससी गुप्ता, डॉ.अंजू गांधी ने भी विचार रखे। कांफ्रेंस में 18 राज्यों से 1826 शोधार्थियों ने भाग लिया। इसमें 40 सेशन चेयर्स, 21 रिपोर्टर्स और 145 पेपर प्रस्तुत किए गए।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 31.10.2025

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

पाइट में अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रैंस, यूएसए और यूरोप से भी आए शोधपत्र

सवेरा न्यूज/रतन लाल

समालखा, 30 अक्तूबर : पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलॉजी में कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस एंड कंप्यूटिंग एप्लीकेशंस पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुभारंभ हुआ। जिसमें इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स दिल्ली सेक्शन का तकनीकी सहयोग रहा। पाइट के निदेशक डा.शक्ति कुमार ने कहा कि कॉन्फ्रेंस में 18 राज्यों से 1826 शोधार्थियों ने भाग लिया। इसमें 40 सेशन चेयर्स, 21 रिपोर्टर्स और 145 पेपर प्रस्तुत किए गए। कुल 562 रिसर्च पेपर प्राप्त हुए। समीक्षा प्रक्रिया में देश-विदेश के 1500 से अधिक अकादमिक और इंडस्ट्री विशेषज्ञों ने भाग लिया। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डा. शक्ति कुमार, डीन डा. बीबी शर्मा, सीएसई विभाग के अध्यक्ष डा.एससी गुप्ता मौजूद रहे।

पाइट में अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रैंस में यूएसए और यूरोप से आए शोधपत्र को पढ़ते हुए।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 31.10.2025

पाइट में जारी अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रैंस में यू.एस.ए. और यूरोप से भी आए शोधपत्र

पाइट कॉलेज में कॉन्फ्रैंस का शुभारंभ व अनावरण करते अतिथि। (राकेश)

समालखा, 30 अक्टूबर (राकेश) : पानीपत इंस् टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक् नॉलॉजी में कंप् यूटेशनल इंटैलीजैंस एंड कंप् यूटिंग एप् लीकेशंस पर 2 दिवसीय अंतर्राष् ट्रीय कांफ्रैंस का शुभारंभ हुआ। इसमें इंस् टीच्यूट ऑफ इलैक्ट्रिकल एंड इलैक् ट्रॉनिक् स इंजीनियर्स दिल् ली सैक् शन का तकनीकी सहयोग रहा। इस अवसर पर पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार ने कहा कि कॉन्फ्रैंस में 18 राज्यों से 1826 शोधार्थियों ने भाग लिया। इसमें 40 सैशन चेयर्स, 21 रिपोर्टर्स और 145 पेपर प्रस् तुत किए गए। कुल 562 रिसर्च पेपर प्राप्त हुए। समीक्षा प्रक्रिया में देश-विदेश के 1500 से अधिक अकादमिक और इंडस्ट्री विशेषज्ञों ने भाग लिया। एमेजान, गूगल, फ्लोरिडा गल् फ कोस् ट यूनिवर्सिटी यूएसए, आयरलैंड सहित राष्ट्रीय और निजी विश्वविद्यालयों से भी शोध पत्र प्राप्त हुए हैं।

कांफ्रैंस अध्यक्ष डॉ.अंजू गांधी ने कहा कि यह सम्मेलन शोध और नवाचार की दिशा में एक बड़ा कदम है। युवा शोधकर्त्ताओं और विशेषज्ञों को एक साझा मंच प्रदान करता है। एन.एस.यू.टी. वैस्ट कैंपस से निदेशक डॉ.प्रेरणा, एन.आई.टी. कुरुक्षेत्र से डॉ.जितेंद्र छाबड़ा ने भी विचार व्यक्त किए। एमेजॉन से डाटा विश्लेषक राजेश सूरा ने ऑनलाइन भाग लेते हुए डाटा का महत्व बताया।

विभिन्न देशों के शोधार्थी ऑनलाइन भी शामिल हुए। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ. शक्ति कुमार, डीन डॉ. बी.बी.शर्मा, सी.एस.ई. विभाग के अध्यक्ष डॉ.एससी गुप्ता भी मौजूद रहे।

आज समाज
पानीपत, शुक्रवार, 31 अक्तूबर , 2025
03

पाइट में अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस, यूएसए और यूरोप से भी आए शोधपत्र

आज समाज नेटवर्क

समालखा। पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलॉजी में कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस एंड कंप्यूटिंग एप्लीकेशंस पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुभारंभ हुआ। इसमें इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स दिल?ली सेक्शन का तकनीकी सहयोग रहा। पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार ने कहा कि कॉन्फ्रेंस में 18 राज्यों से 1826 शोधार्थियों ने भाग लिया। इसमें 40 सेशन चेयर्स, 21 रिपोर्टर्स और 145 पेपर प्रस्तुत किए गए। कुल 562 रिसर्च पेपर प्राप्त हुए। समीक्षा प्रक्रिया में देश-विदेश के 1500 से अधिक अकादमिक और इंडस्ट्री विशेषज्ञों ने भाग लिया। एमेजान, गूगल, फ्लोरिडा गल?फ कोस्ट यूनिवर्सिटी यूएसए, आयरलैंड सहित राष्ट्रीय और निजी विश्वविद्यालयों से भी शोध पत्र प्राप्त हुए हैं। कांफ्रेंस अध्यक्ष डॉ.अंजू गांधी ने कहा कि यह सम्मेलन शोध और नवाचार की दिशा में एक बड़ा कदम है। युवा शोधकताओं और विशेषज्ञों को एक साझा मंच प्रदान करता है। एनएसयूटी वेस्ट कैंपस से निदेशक डॉ.प्रेरणा, एनआइटी कुरुक्षेत्र से डॉ.जितेंद्र छबड़ा ने भी विचार व्यक्त किए। एमेजॉन से डाटा विश?लेषक राजेश सूरा ने ऑनलाइन भाग लेते हुए डाटा का महत्व बताया। विभिन्न देशों के शोधार्थी ऑनलाइन भी शामिल हुए। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ. शक्ति कुमार, डीन डॉ. बीबी शर्मा, सीएसई विभाग के अध्यक्ष डॉ.एससी गुप?ता भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 31.10.2025

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़

पाइट में अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस शुरू

समालखा, 30 अक्तूबर (निस)

पट्टीकल्याणा स्थित पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलॉजी (पाइट) में कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस एंड कंप्यूटिंग एप्लीकेशंस पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का बृहस्पतिवार को शुभारंभ हुआ। इसमें इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स दिल्ली सेक्शन का तकनीकी सहयोग रहा। पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में 18 राज्यों से 1826 शोधार्थियों ने भाग लिया। इसमें 40 सेशन चेयर्स, 21 रिपोर्टर्स और 145 पेपर प्रस्तुत किए गए। कुल 562 रिसर्च पेपर प्राप्त हुए। समीक्षा प्रक्रिया में देश-विदेश के 1500 से अधिक अकादमिक और इंडस्ट्री विशेषज्ञों ने भाग लिया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

सच कहूँ
epaper.sachkahoon.com
31 Oct 2025 - Page 13

पाइट में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ

● 18 राज्यों से 1826 शोधार्थियों ने लिया सम्मेलन में भाग: डॉ. शक्ति कुमार

समालखा (सच कहूँ न्यूज)। इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलॉजी (पाइट) में कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस एंड कंप्यूटिंग एप्लीकेशंस पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ हुआ। इसमें इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (आईईईई) दिल्ली सेक्शन का तकनीकी सहयोग रहा।

कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन पाइट के निदेशक डॉ. शक्ति कुमार ने किया। उन्होंने बताया कि 18 राज्यों से 1826 शोधार्थियों ने भाग लिया। सम्मेलन में 145 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए तथा 40 सेशन चेयर्स और 21 रिपोर्टर्स ने संचालन किया। कुल 562 रिसर्च पेपर प्राप्त हुए जिनकी समीक्षा प्रक्रिया में देश-विदेश के 1500 से अधिक अकादमिक और इंडस्ट्री विशेषज्ञों ने योगदान दिया।

एमेजॉन, गूगल, फ्लोरिडा गल्फ कोस्ट यूनिवर्सिटी (यूएसए), आयरलैंड सहित विभिन्न अंतराष्ट्रीय संस्थानों व विश्वविद्यालयों से भी शोध पत्र प्रस्तुत हुए। कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष डॉ. अंजू गांधी ने कहा कि यह आयोजन शोध एवं नवाचार की दिशा में एक बड़ा कदम है और युवा शोधकताओं को एक साझा मंच प्रदान करता है।

एनएसयूटी वेस्ट कैंपस से निदेशक डॉ. प्रेरणा और एनआईटी कुरुक्षेत्र से डॉ. जितेंद्र छाबड़ा ने विचार साझा किए। एमेजॉन से डेटा विश्लेषक राजेश सूरा ने ऑनलाइन भाग लेकर डेटा के महत्त्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल सहित संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 31.10.2025

पाइट में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

1826 शोधार्थी पहुंचे, यूएसए और यूरोप से भी आए शोध पत्र

समालखा | पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पाइट) में कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस एंड कंप्यूटिंग एप्लीकेशंस पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ हुआ। इसमें इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स दिल्ली सेक्शन का तकनीकी सहयोग रहा। पाइट के निदेशक डॉ. शक्ति कुमार ने कहा कि कॉन्फ्रेंस में 18 राज्यों से 1826 शोधार्थियों ने भाग लिया। इसमें 40 सेशन चेयर्स, 21 रिपोर्टर्स और 145 पेपर प्रस्तुत किए गए। कुल 562 रिसर्च पेपर प्राप्त हुए। समीक्षा प्रक्रिया में देश-विदेश के 1500 से अधिक अकादमिक और इंडस्ट्री विशेषज्ञों ने भाग लिया। एमेजॉन, गूगल, फ्लोरिडा गल्फ कोस्ट यूनिवर्सिटी यूएसए, आयरलैंड सहित राष्ट्रीय और निजी विश्वविद्यालयों से भी शोध पत्र प्राप्त हुए हैं। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ. शक्ति कुमार, डीन डॉ. बीबी शर्मा, सीएसई विभाग के अध्यक्ष डॉ. एससी गुप्ता भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 31.10.2025

पाइट में अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में विदेशी विद्वानों के शोधपत्र आए

समालखा। पाइट में विदेशों से आए शोध पत्रों का विमोचन करते हुए शिक्षाविद्गण। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▸▸ समालखा

पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलॉजी में कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस एंड कंप्यूटिंग एप्लीकेशंस पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुभारंभ हुआ। इसमें इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स दिल्ली सेक्शन का तकनीकी सहयोग रहा। वहीं, पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार ने कहा कि कॉन्फ्रेंस में 18 राज्यों से 1826 शोधार्थियों ने भाग लिया। इसमें 40 सेशन चेयर्स, 21 रिपोर्टर्स और 145 पेपर प्रस्तुत किए गए। कुल 562 रिसर्च पेपर प्राप्त हुए। समीक्षा प्रक्रिया में देश-विदेश के 1500 से अधिक अकादमिक और इंडस्ट्री विशेषज्ञों ने भाग लिया। वहीं, एमेजान, गूगल, फ्लोरिडा गल्फ कोस्ट यूनिवर्सिटी यूएसए, आयरलैंड सहित राष्ट्रीय और निजी विश्वविद्यालयों से भी शोध पत्र प्राप्त हुए हैं। इस अवसर पर कांफ्रेंस अध्यक्ष डॉ.अंजू गांधी, एनएसयूटी वेस्ट कैंपस से निदेशक डॉ.प्रेरणा, एनआइटी कुरुक्षेत्र से डॉ.जितेंद्र छाबड़ा ने भी विचार व्यक्त किए। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ. शक्ति कुमार, डीन डॉ. बीबी शर्मा, सीएसई विभाग के अध्यक्ष डॉ.एससी गुप्ता भी मौजूद रहे।

■ कॉन्फ्रेंस में 18 राज्यों से 1826 शोधार्थियों ने भाग लिया

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 31.10.2025

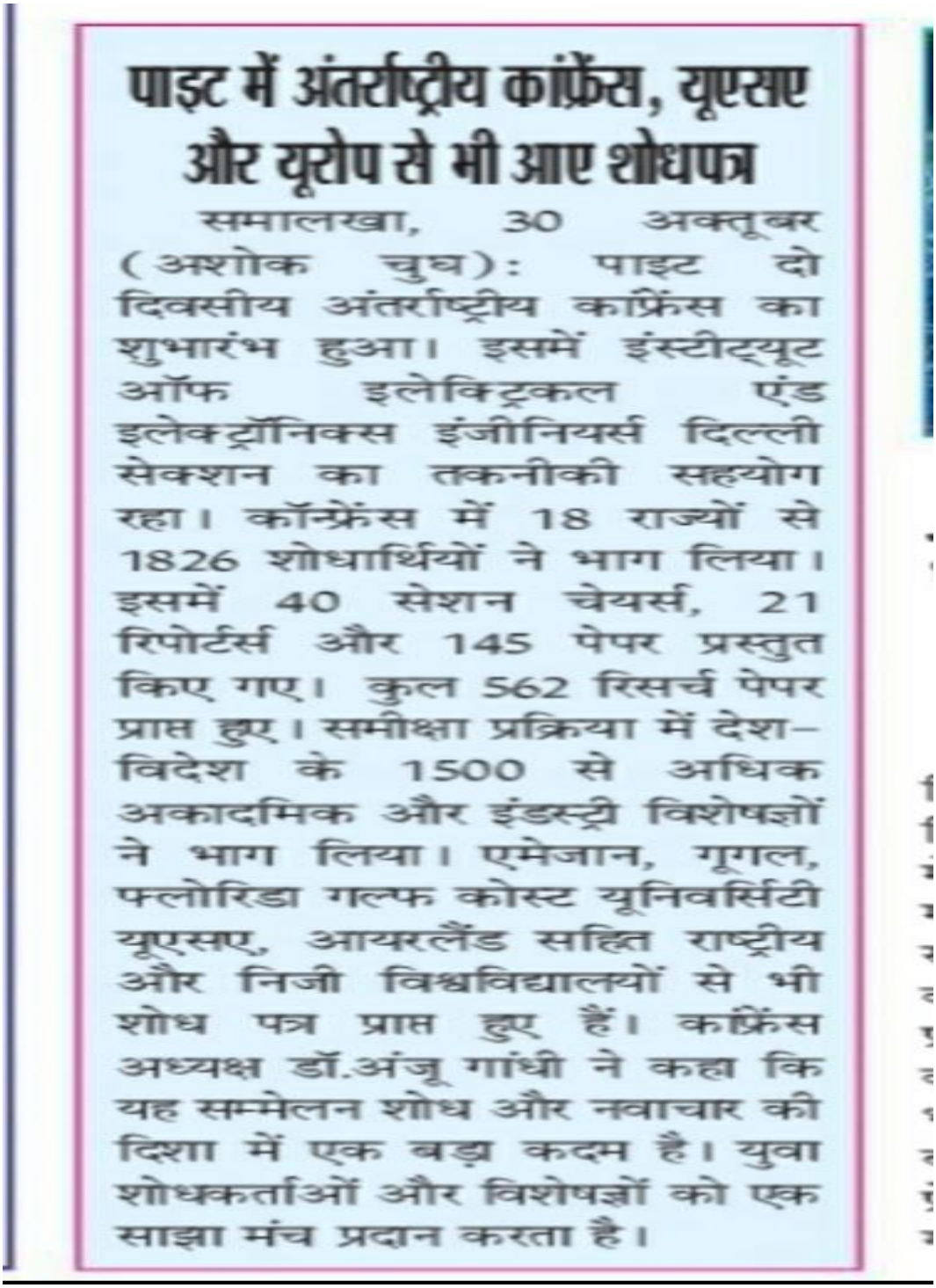

पाइट में अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस, यूएसए और यूरोप से भी आए शोधपत्र

समालखा, 30 अक्तूबर (अशोक चुघ): पाइट दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुभारंभ हुआ। इसमें इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स दिल्ली सेक्शन का तकनीकी सहयोग रहा। कॉन्फ्रेंस में 18 राज्यों से 1826 शोधार्थियों ने भाग लिया। इसमें 40 सेशन चेयर्स, 21 रिपोर्टर्स और 145 पेपर प्रस्तुत किए गए। कुल 562 रिसर्च पेपर प्राप्त हुए। समीक्षा प्रक्रिया में देश-विदेश के 1500 से अधिक अकादमिक और इंडस्ट्री विशेषज्ञों ने भाग लिया। एमेजान, गूगल, फ्लोरिडा गल्फ कोस्ट यूनिवर्सिटी यूएसए, आयरलैंड सहित राष्ट्रीय और निजी विश्वविद्यालयों से भी शोध पत्र प्राप्त हुए हैं। कांफ्रेंस अध्यक्ष डॉ.अंजू गांधी ने कहा कि यह सम्मेलन शोध और नवाचार की दिशा में एक बड़ा कदम है। युवा शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों को एक साझा मंच प्रदान करता है।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 13.10.2025

मेरी मम्मी नू पसंद नहियो तू... गीत पर झूमे विद्यार्थी

- पाइट में कारबंकल स्टार नाइट में पंजाबी गायिका सुनंदा शर्मा ने दी प्रस्तुति
- इस बार 11वीं और 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए निश्शुल्क एंट्री रखी

जागरण संवाददाता • समालखा -: घुमन घूमान नूं तां थार रखी हे। बुलेट तां रखी हे पटाके पान नूं। मेरी मम्मी नू पसंद नहियो तू.... जैसे गीतों पर हजारों युवा झूम उठे। पंजाबी गायिका एवं अभिनेत्री सुनंदा शर्मा ने दो घंटे से ज्यादा समय तक अपने गीतों पर सभी को नचाया।

पानीपत इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (पाइट) में शुक्रवार शाम कारबंकल स्टार नाइट में यह दृश्य देखने को मिला। हजारों छात्र-छात्राएं और युवा फोन की फ्लैशलाइट जलाकर उनके हर गीत पर नाचते-गुनगुनाते दिखे। सुनंदा ने अपने सुपरहिट गीत दूजी वार प्यार, जट यमला, जानी तेरा नां, बिल्ली आंख, तेरी नवीं सहेली और जुगनी जैसे एक के बाद हिट गीत गाकर हर किसी को झूमने पर मजबूर कर दिया। इससे पहले नायसा फैशंस की ओर से फैशन शो किया गया। सभी एकटक होकर फैशन शो देखते रहे। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि कारबंकल फेस्ट हर साल छात्रों की रचनात्मकता और उत्साह को मंच देने का प्रयास है। सुनंदा शर्मा की मौजूदगी ने इसे और भव्य बना दिया। इस बार 11वीं और 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए निश्शुल्क इंट्री रखी थी। पानीपत से एक हजार से अधिक छात्र इस स्टार नाइट में पहुंचे है। इस अवसर पर चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्य राजीव तायल व शुभम तायल, निदेशक डा. शक्ति कुमार, डीन डा. बीबी शर्मा, नायसा फैशन से राजन गुप्ता मौजूद रहे।

पाइट के कारबंकल नाइट में झूमते विद्यार्थी। • संस्थान

पंजाबी गायिका सुनंदा शर्मा। • संस्थान

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

दैनिक भास्कर

पानीपत भास्कर 13-10-2025

• इसराना

घुमन घूमान नूं तां थार रखी है, बुलेट तां रखी हे पटाखे पान नूं...

पाइट कॉलेज में रविवार को **कारबंकल स्टार नाइट** में पंजाबी सिंगर सुनंदा शर्मा ने घुमन घूमान नूं तां थार रखी हे, बुलेट तां रखी हे पटाखे पान नूं... समेत कई गाने गाए जिस पर दर्शक झूम उठे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 13.10.2025

आज समाज
पानीपत, सोमवार, 13 अक्टूबर 2025
03

कारबंकल उत्सव का उत्साह, पाइट में एनआइटी के निदेशक और पानीपत की मेयर ने किया प्रेरित

आज समाज नेटवर्क

पानीपत/समालखा। एनआइटी के निदेशक डॉ.अजय कुमार शर्मा ने कहा कि शिक्षक ही बच्चों की जिंदगी बदलते हैं। उन्हें सही रास्ते पर लाते हैं। हम माता-पिता की तरह अपने शिक्षक का भी ऋण नहीं उतार सकते। वह यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी में कारबंकल उत्सव में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। पानीपत की मेयर कोमल सैनी विशिष्ट अतिथि रहीं।

मेयर कोमल सैनी ने कहा कि छात्र जीवन दोबारा लौटकर नहीं आएगा। इसलिए जितना ज्ञान यहां से हासिल कर सकते हैं, कर लें। अपने माता-पिता और देश का नाम रोशन करें। यह ध्यान रखें कि सफलता के लिए कोई शार्टकट नहीं होता। वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि 12 अक्टूबर रविवार को सटार नाइट होगी, जिसमें पंजाबी स्टार सुनंदा शर्मा आएंगी। नायसा फैशंस की ओर से भी फैशन शो की प्रस्तुति होगी।

पहले दिन छात्र-छात्राओं के बीच विभिन्न प्रतिसपधाएं हुई। सोलो डांस में संयम, ड्यूएट डांस में संयम और गीतांजलि प्रथम रहे। पोएट्री में निखिल, स्टोरी नैरेशन में मोक्षी, ड्यूएट गायन में दिव्यांशु एवं शशि विजेता रहे।

एनआइटी के निदेशक डॉ.अजय कुमार शर्मा की पत्नी एं खालसा कॉलेज आफ इंजीनियरिंग अमृतसर की निदेशक डॉ.मंजू शर्मा, मेयर कोमल सैनी के पति दिनेश सैनी, पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, डीन डॉ.जेएस सैनी, डीन डॉ.बीबी शर्मा ने विजेताओं को सम्मानित किया।

OTHER 12.10.2025

कारबंकल उत्सव में विद्यार्थियों ने बिखेरी छटा ड्यूएट डांस में संयम व गीतांजलि प्रथम रही

जागरण संवाददाता • समालखा : एनआइटी के निदेशक डा. अजय कुमार शर्मा ने कहा कि शिक्षक ही बच्चों की जिंदगी बदलते हैं। उन्हें सही रास्ते पर लाते हैं। हम माता-पिता की तरह अपने शिक्षक का भी ऋण नहीं उतार सकते। डा. शर्मा पानीपत इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी के कारबंकल उत्सव में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। पानीपत निगम की मेयर कोमल सैनी कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रहीं।

मेयर सैनी ने कहा कि छात्र जीवन दोबारा लौटकर नहीं आएगा। इसलिए जितना ज्ञान यहां से हासिल कर सकते हैं, कर लें। अपने माता-पिता और देश का नाम रोशन करें। यह ध्यान रखें कि सफलता के लिए कोई शार्ट-कट नहीं होता। वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि

पाइट के कारबंकल उत्सव मे प्रस्तुतिदेते संस्थान के विद्यार्थी। • संस्थान

12 अक्टूबर रविवार को स्टार नाइट होगी, जिसमें पंजाबी स्टार सुनंदा शर्मा आएंगी।

नायसा फैशन की ओर से भी फैशन शो की प्रस्तुति होगी। शनिवार को कार्यक्रम के पहले दिन छात्र-छात्राओं के बीच स्पर्धाएं हुईं। सोलो डांस में संयम तो ड्यूएट डांस में संयम और गीतांजलि प्रथम रहे। पोएट्री में निखिल, स्टोरी नैरेशन में मोक्षी, ड्यूएट गायन में दिव्यांशु एवं शशि विजेता रहे। एनआइटी के निदेशक डा. अजय शर्मा की पत्नी एवं खालसा कालेज आफ इंजीनियरिंग, अमृतसर की निदेशक डा. मंजू शर्मा, दिनेश सैनी, हरिओम तायल, सुरेश तायल, शुभम तायल, डा. शक्ति कुमार, डीन डा. जेएस सैनी, डीन डा. बीबी शर्मा ने विजेताओं को सम्मानित किया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 12.10.2025

पाइट में कारबंकल उत्सव का उत्साह, आज सुनंदा शर्मा नचाएंगी

पाइट कॉलेज में छात्राएं फैशन-शो में भाग लेते हुए। (राकेश)

समालखा, 11 अक्तूबर (राकेश) : एन.आई.टी. के निदेशक डॉ. अजय कुमार शर्मा ने कहा कि शिक्षक ही बच्चों की जिंदगी बदलते हैं। उन्हें सही रास्ते पर लाते हैं। वह पानीपत इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी में कारबंकल उत्सव में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। पानीपत की मेयर कोमल सैनी विशिष्टातिथि रहीं।

मेयर कोमल सैनी ने कहा कि छात्र जीवन दोबारा लौटकर नहीं आएगा इसलिए जितना ज्ञान यहां से हासिल कर सकते हैं, कर लें। अपने माता-पिता और देश का नाम रोशन करें। यह ध्यान रखें कि सफलता के लिए कोई शार्टकट नहीं होता।

वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि 12 अक्तूबर रविवार को स्टार नाइट होगी, जिसमें पंजाबी स्टार सुनंदा शर्मा आएंगी। नायसा फैशंस की ओर से भी फैशन शो की प्रस्तुति होगी।

पहले दिन छात्र-छात्राओं के बीच विभिन्न प्रतिस्पधाएं हुईं। सोलो डांस में संयम, ड्यूएट डांस में संयम और गीतांजलि प्रथम रहे। पोएट्री में निखिल, स्टोरी नैरेशन में मोक्षी, ड्यूएट गायन में दिव्यांशु एवं शशि विजेता रहे।

एन.आई.टी. के निदेशक डॉ. अजय कुमार शर्मा की पत्नी, खालसा कॉलेज आफ इंजीनियरिंग अमृतसर की निदेशक डॉ. मंजू शर्मा, मेयर कोमल सैनी के पति दिनेश सैनी, पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ. शक्ति कुमार, डीन डॉ. जे.एस. सैनी, डीन डॉ. बीबी शर्मा ने विजेताओं को सम्मानित किया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

दैनिक भास्कर पानीपत भास्कर 12-10-2025

कारबंकल उत्सव : आज स्टार नाइट में पंजाबी स्टार सुनंदा शर्मा आएंगी

पानीपत | इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पाइट) में आयोजित कारबंकल उत्सव के दौरान पहले दिन विभिन्न प्रतिस्पर्धाएं हुईं। सोलो डांस में संयम, ड्यूएट डांस में संयम और गीतांजलि प्रथम रहे। पोएट्री में निखिल, स्टोरी नैरेशन में मोक्षी, ड्यूएट गायन में दिव्यांशु एवं शशि विजेता रहे। रविवार को स्टार नाइट होगी, जिसमें पंजाबी स्टार सुनंदा शर्मा आएंगी। पानीपत की मेयर कोमल सैनी ने कहा कि छात्र जीवन दोबारा लौटकर नहीं आएगा। इसलिए जितना ज्ञान यहां से हासिल कर सकते हैं, कर लें। अपने माता-पिता और देश का नाम रोशन करें। एनआइटी के निदेशक डॉ. अजय कुमार शर्मा ने कहा कि शिक्षक ही बच्चों की जिंदगी बदलते हैं। उउन्होंने कहा कि 12 अक्टूबर रविवार को स्टार नाइट होगी, जिसमें पंजाबी स्टार सुनंदा शर्मा आएंगी। शनिवार को उत्सव में खालसा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग अमृतसर की निदेशक डॉ. मंजू शर्मा, दिनेश सैनी, पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, राकेश तायल, सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ. शक्ति कुमार, डीन डॉ. जेएस सैनी, डीन डॉ. बीबी शर्मा मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 04.10.2025

जियो गेम्स बूटकैंप में विद्यार्थियों ने सीखी नई तकनीक

बूटकैंप प्रतिस्पर्धा में विजेताओं को किया सम्मानित ● संस्थान.

जासं ● समालखा : वीडियो गेम टेक्नोलाजी का आर्थिक आकार तेजी से बढ़ रहा है। यह अब हजारों करोड़ का कारोबार बन चुका है। छात्रों को गेम टेक्नोलाजी से परिचित कराने के लिए दो दिवसीय जियो गेम्स बूटकैंप का आयोजन किया गया। पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (पाइट) के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने बताया कि इस बूटकैंप में टूर्नामेंट आयोजित किया गया, जिसमें औरा टीम विजेता रही। साइबर सिक्योरिटी विभाग की अध्यक्ष डा. शक्ति अरोड़ा ने बताया कि यह बूटकैंप विद्यार्थियों को गेमिंग और डिजिटल इनोवेशन के नए आयामों से भी अवगत कराया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 04.10.2025

जियो गेम्स बूटकैंप में प्रतिस्पर्धा के साथ छात्रों ने सीखी टेक्नॉलोजी

विनोद लाहोट, समालखा,3 अक्टूबर। वीडियो गेम टेक्नॉलोजी का आर्थिक आकार बढ़ता जा रहा है। हजारों करोड़ का अब ये बिजनेस हो चुका है। छात्रों को गेम टेक्नॉलोजी से रूबरू कराने के लिए दो दिवसीय जियो गेम्स बूटकैंप लगाया गया। यह बात पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कही। उन्होंने बताया कि इस बूट कैंप में टूनार्मेंट भी कराया गया, जिसमें औरा टीम विजेता रही। इसके अलावा पांच सौ से अधिक छात्रों ने क्लाउड आधारित गेम्स का अनुभव लिया। गेम टेक्नॉलोजी के बारे में जाना और सीखा। साइबर सिक्योरिटी विभाग की अध्यक्ष डॉ.शक्ति अरोड़ा ने कहा कि यह दो दिवसीय बूटकैंप सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विद्यार्थियों को गेमिंग, ई-स्पोर्ट्स और डिजिटल इनोवेशन के नए आयामों से भी रूबरू कराया। बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, अमित दुबे, अनुग्रह कुमार ने विजेता टीमों को सम्मानित किया।

जियो गेम्स बूटकैंप में प्रतिस्पर्धा के साथ छात्रों ने सीखी टेक्नोलॉजी

विजेता टीमों को सम्मानित करते अतिथिगण व आयोजक । *मोहन लाल*

उत्तम हिन्दू न्यूज़ नेटवर्क

समालखा/कौशिक : वीडियो गेम टेक्नॉलोजी का आर्थिक आकार बढ़ता जा रहा है। हजारों करोड़ का अब ये बिजनेस हो चुका है। छात्रों को गेम टेक्नॉलोजी से रूबरू कराने के लिए दो दिवसीय जियो गेम्स बूटकैंप लगाया गया। यह बात पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कही। उन्होंने बताया कि इस बूट कैंप में टूर्नामेंट भी कराया गया। जिसमें औरा टीम विजेता रही। इसके अलावा पांच सौ से अधिक छात्रों ने क्लाउड आधारित गेम्स का अनुभव लिया। गेम टेक्नॉलोजी के बारे में जाना और सीखा। साइबर सिक्योरिटी विभाग की अध्यक्ष डॉ.शक्ति अरोड़ा ने कहा कि यह दो दिवसीय बूटकैंप सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विद्यार्थियों को गेमिंग, ई.स्पोर्ट्स और डिजिटल इनोवेशन के नए आयामों से भी रूबरू कराया। बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, अमित दुबे, अनुग्रह कुमार ने विजेता टीमों को सम्मानित किया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 04.10.2025

जियो गेम्स बूटकैंप में प्रतिस्पर्धा के साथ छात्रों ने सीखी टैक्नॉलोजी

विजेता टीमों को सम्मानित करते अतिथिगण व आयोजक। (मोहन लाल)

सवेरा न्यूज/रतन लाल, समालखा, 3 अक्तूबर : वीडियो गेम टेक्नॉलोजी का आर्थिक आकार बढ़ता जा रहा है। हजारों करोड़ का अब ये बिजनेस हो चुका है। छात्रों को गेम टेक्नॉलोजी से रूबरू कराने के लिए दो दिवसीय जियो गेम्स बूटकैंप लगाया गया। यह बात पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कही। उन्होंने बताया कि इस बूट कैंप में टूनार्मेंट भी कराया गया। जिसमें औरा टीम विजेता रही। इसके अलावा पांच सौ से अधिक छात्रों ने क्लाउड आधारित गेम्स का अनुभव लिया। गेम टेक्नॉलोजी के बारे में जाना और सीखा। साइबर सिक्योरिटी विभाग की अध्यक्ष डॉ.शक्ति अरोड़ा ने कहा कि यह दो दिवसीय बूटकैंप सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विद्यार्थियों को गेमिंग, ई.स्पोर्ट्स और डिजिटल इनोवेशन के नए आयामों से भी रूबरू कराया। बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, अमित दुबे, अनुग्रह कुमार ने विजेता टीमों को सम्मानित किया।

आज समाज
पानीपत, गुरुवार, 02 अक्तूबर, 2025
03

स्वामी परमानंद महाराज के जन्मदिवस पर लगाया रक्तदान शिविर

पानीपत/समालखा। महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी परमानंद महाराज के 69वें जन्मदिन और राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदाता दिवस के अवसर पर पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में रक्तदान शिविर लगाया गया। यहां स्वामी डॉ. परमानंद महाराज ने युवाओं का हौसला बढ़ाया। रक्तदान करने वालों को सम्मानित भी किया। पाइट के सचिव सुरेश तायल ने बताया कि शिविर में 121 युवाओं ने रक्तदान किया। इनमें छात्राएं भी शामिल थीं। स्वामी परमानंद महाराज ने कहा कि रक्त का विकल्प नहीं है। रक्तदान करने से हम किसी की जान को बचा सकते हैं। इस तरह के सामाजिक कार्य समाज में मानवता और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर समाजसेवी रामनिवास गुप्ता, जन सेवा संस्थान के प्रधान सतीश गोयल, सत्यवीर गुप्ता, राधे श्याम गुप्ता, पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, डीन डॉ.बीबी शर्मा, डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रीति दहिया, अमित दुबे, डॉ.संदीप सिंह बिंद्रा, रोहित शर्मा भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

स्वामी परमानंद महाराज के जन्मदिवस पर लगाया रक्तदान शिविर

पानीपत/समालखा। महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी परमानंद महाराज के 69वें जन्मदिन और राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदाता दिवस के अवसर पर पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में रक्तदान शिविर लगाया गया। यहां स्वामी डॉ. परमानंद महाराज ने युवाओं का हौसला बढ़ाया। रक्तदान करने वालों को सम्मानित भी किया। पाइट के सचिव सुरेश तायल ने बताया कि शिविर में 121 युवाओं ने रक्तदान किया। इनमें छात्राएं भी शामिल थीं। स्वामी परमानंद महाराज ने कहा कि रक्त का विकल्प नहीं है। रक्तदान करने से हम किसी की जान को बचा सकते हैं। इस तरह के सामाजिक कार्य समाज में मानवता और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर समाजसेवी रामनिवास गुप्ता, जन सेवा संस्थान के प्रधान सतीश गोयल, सत्यवीर गुप्ता, राधे श्याम गुप्ता, पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, डीन डॉ.बीबी शर्मा, डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रीति दहिया, अमित दुबे, डॉ.संदीप सिंह बिंद्रा, रोहित शर्मा भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

दैनिक भास्कर पानीपत भास्कर 02-10-2025

शिविर में 121 युवाओं ने किया रक्तदान

समालखा | महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी परमानंद महाराज के 69वें जन्मदिन और

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदाता दिवस के अवसर पर पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पाइट) में रक्तदान शिविर लगाया। यहां स्वामी डॉ. परमानंद महाराज ने युवाओं का हौसला बढ़ाया। रक्तदान करने वालों को सम्मानित भी किया। पाइट के सचिव सुरेश तायल ने बताया कि शिविर में 121 युवाओं ने रक्तदान किया। इनमें छात्राएं भी शामिल थीं। स्वामी परमानंद महाराज ने कहा कि रक्तदान करने से हम किसी की जान को बचा सकते हैं। मौके पर समाजसेवी रामनिवास गुप्ता, जनसेवा संस्थान के प्रधान सतीश गोयल, सत्यवीर गुप्ता, राधे श्याम गुप्ता, पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ. शक्ति कुमार, डीन डॉ. बीबी शर्मा, डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रीति दहिया, अमित दुबे, डॉ. संदीप सिंह बिंद्रा, रोहित शर्मा भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 02.10.2025

पाइट कॉलेज में स्वामी परमानंद महाराज के जन्मदिवस पर लगाया रक्तदान शिविर

पाइट कॉलेज में स्वामी परमानंद महाराज रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए। (राकेश)

समालखा, 1 अक्तूबर (राकेश) : महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी परमानंद महाराज के 69वें जन्मदिन और राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदाता दिवस के अवसर पर पानीपत इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी (पाइट) में रक्तदान शिविर लगाया गया। स्वामी डॉ. परमानंद महाराज ने युवाओं का हौसला बढ़ाया। रक्तदान करने वालों को सम्मानित किया। पाइट के सचिव सुरेश तायल ने बताया कि शिविर में 121 युवाओं ने रक्तदान किया। इनमें छात्राएं भी शामिल थीं। स्वामी परमानंद महाराज ने कहा कि रक्त का विकल्प नहीं है। रक्तदान करने से हम किसी की जान को बचा सकते हैं।

इस तरह के सामाजिक कार्य समाज में मानवता और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर समाजसेवी रामनिवास गुप्ता, जन सेवा संस्थान के प्रधान सतीश गोयल, सत्यवीर गुप्ता, राधे श्याम गुप्ता, पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ. शक्ति कुमार, डीन डॉ. बीबी शर्मा, डिप्टी डीन स्टूडैंट वेलफेयर प्रीति दहिया, अमित दुबे, डॉ. संदीप सिंह बिंद्रा, रोहित शर्मा भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 02.10.2025

पाइट में 121 युवाओं ने रक्तदान कर कमाया पुण्य

रक्तादाता का हौसला बढ़ाते स्वामी परमानंद महाराज। ● संस्थान.

जागरण संवाददाता ● समालखा : पानीपत इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालोजी (पाइट) में महामंडलेश्वर डा. स्वामी परमानंद महाराज के 69वें जन्मदिन और राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदाता दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वामी डा. परमानंद महाराज ने युवाओं को प्रेरित किया और रक्तदान करने वालों को सम्मानित किया। पाइट के सचिव सुरेश तायल ने बताया कि शिविर में 121 युवाओं ने रक्तदान किया, जिसमें छात्राएं और छात्र शामिल थे। परमानंद महाराज ने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है और रक्तदान से हम कई लोगों की जान बचा सकते हैं।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 02.10.2025

epaper.sachkahoon.com
02 Oct 2025 - Page 13

स्वामी परमानंद महाराज के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन

• राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदाता दिवस पर 121 युवाओं ने किया रक्तदान

समालखा (सच कहूँ न्यूज)। महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी परमानंद महाराज के 69वें जन्मदिन और राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदाता दिवस के अवसर पर पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलजी (पाइट) में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस मौके पर स्वामी परमानंद महाराज ने युवाओं का हौसला बढ़ाया और रक्तदान के महत्व पर जोर दिया।

शिविर में 121 युवाओं ने रक्तदान किया, जिनमें छात्राएं भी शामिल थीं। स्वामी परमानंद महाराज ने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है और रक्तदान से किसी की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने सामाजिक सेवा और मानवता की भावना को मजबूत करने पर भी प्रकाश डाला।

इस अवसर पर समाजसेवी रामनिवास गुप्ता, जन सेवा संस्थान के प्रधान सतीश गोयल, पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, वाइस चेयरमैन राकेश तायल, निदेशक डॉ. शक्ति कुमार, डीन डॉ. बीबी शर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 26.09.2025

epaper.sachkahoon.com
26 Sep 2025 - Page 13

पाइट में फामाकोविजिलेंस सप्ताहः दवा सुरक्षा पर चलाया जागरूकता अभियान

समालखा (सच कहूँ न्यूज)। पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पाइट) के फामेर्सी विभाग ने पांचवें राष्ट्रीय फामाकोविजिलेंस सप्ताह के अवसर पर दवा सुरक्षा पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान दवाओं के सही उपयोग, प्रभाव और दुष्प्रभावों की निगरानी के महत्व पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत एलुमनाई इंटरेक्शन सत्र से हुई, जिसमें उद्योग और शोध क्षेत्र की नवीन जानकारियां साझा की गईं। इसके बाद गांव पट्टीकल्यांणा में वॉकाथॉन फॉर पब्लिक अवेयरनेस का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से लोगों में दवा सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया।

मुख्य अतिथि, ड्रग्स कंट्रोल ऑफिसर विजय राजे ने फामाकोविजिलेंस की भूमिका पर प्रकाश डाला और दवा सुरक्षा के महत्व को समझाया। नॉर्थ इंडिया लाइफ साइंसेज के निदेशक डॉ. रवील भारद्वाज ने फार्मास्युटिकल उद्योग और अनुसंधान में फामाकोविजिलेंस की जरूरत पर जोर दिया। पाइट बोर्ड सदस्य शुभम तायल ने कहा कि दवा सुरक्षा के डेटा से भविष्य में सुरक्षित दवाओं के विकास में मदद मिलती है।

पाइट के निदेशक डॉ. शक्ति कुमार, डीन डॉ. जेएस सैनी और फामेर्सी विभाग के प्रिंसिपल डॉ. गौरव अग्रवाल ने विभिन्न प्रतिस्पधाओं के विजेताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. आरती सोनी, विपाशा, अजय मलिक, डॉ. बीनू चौधरी और शैफाली भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम ने छात्रों और आम जनता दोनों को दवा सुरक्षा के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 26.09.2025

'दवाइयों का इस्तेमाल सही मात्रा और सही तरीके से किया जाए'

पाइट कॉलेज में बोर्ड सदस्य मुख्यातिथि को सम्मानित करते हुए। (राकेश)

समालखा, 25 सितम्बर (राकेश) : पानीपत इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी (पाइट) के फार्मेसी विभाग ने 5वें राष्ट्रीय फार्माकोविजिलैंस सप्ताह में दवा सुरक्षा पर जागरूक किया। कार्यक्रम का शुभारंभ एलुमनाई इंटरैक्शन सत्र से हुआ। उद्योग और शोध क्षेत्र की नवीन जानकारियां सांझी की गईं। वहीं गांव पट्टीकल्याणा में वॉकाथॉन फॉर पब्लिक अवेयरनैस का आयोजन किया गया। इस वॉकाथॉन के माध्यम से दवा सुरक्षा के महत्व को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाई गई।

वहीं बताया गया कि किसी भी दवा के इस्तेमाल के बाद उसकी सुरक्षा, प्रभाव और दुष्प्रभाव पर निगरानी रखना और उनका सही ढंग से प्रबंधन करना ही दवा सुरक्षा होता है। हमें ये देखना चाहिए कि दवा के किसी भी हानिकारक असर को पहचान कर समय पर रिपोर्ट किया जाए। दवाओं का इस्तेमाल सही मात्रा और सही तरीके से किया जाए।

इस अवसर पर ड्रग्स कंट्रोल ऑफिसर विजय राजे मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने दवा सुरक्षा में फार्माकोविजिलैंस की भूमिका पर प्रकाश डाला। नॉर्थ इंडिया लाइफ साइंसेज से निदेशक डॉ. रवील भारद्वाज ने फार्मास्युटिकल उद्योग और अनुसंधान में फार्माकोविजिलैंस के महत्व पर जोर दिया। वहीं पाइट के बोर्ड सदस्य शुभम तायल ने कहा कि दवा सुरक्षा के डाटा से भविष्य की सुरक्षित दवाएं विकसित करने में मदद मिलती है।

पाइट के निदेशक डॉ. शक्ति कुमार, डीन डॉ. जे.एस. सैनी, फार्मेसी विभाग से प्रिंसिपल डॉ. गौरव अग्रवाल ने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के विजेताओं को सम्मानित किया। इस दौरान डॉ. आरती सोनी, विपाशा, अजय मलिक, डॉ. बीनू चौधरी और शैफाली भी मौजूद रही।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 26.09.2025

पाइट में राष्ट्रीय फामाकोविजिलेंस सप्ताह मनाया

अतिथियों का सम्मान करते शुभम तायल ।

विशेषज्ञों ने दवा सुरक्षा का महत्व बताया, वाकाथॉन भी हुआ

सवेरा न्यूज/रतन लाल

समालखा, 25 सितम्बर : किसी भी दवा के इस्तेमाल के बाद उसकी सुरक्षा, प्रभाव, और दुष्प्रभावों पर निगरानी रखना और उनका सही ढंग से प्रबंधन करना ही दवा सुरक्षा होता है। हमें ये देखना चाहिए कि दवा के किसी भी हानिकारक असर को पहचान कर समय पर रिपोर्ट किया जाए। दवाओं का सही इस्तेमालए सही मात्रा और सही तरीके से किया जाए। पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पाइट के फामेर्सी विभाग ने पांचवें राष्ट्रीय फामाकोविजिलेंस सप्ताह में दवा सुरक्षा पर जागरूक किया। कार्यक्रम का शुभारंभ एलुमनाई इंटरेक्शन सत्र से हुआ। उद्योग और शोध क्षेत्र की नवीन जानकारियां साझी की गई। गांव पट्टीकल्याणा में वॉकाथॉन फॉर पब्लिक अवेयरनेस का आयोजन किया गया। इस वॉकाथॉन के माध्यम से दवा सुरक्षा के महत्व को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाई गई। ड्रग्स कंट्रोल ऑफिसर विजय राजे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, डीन डॉ.जेएस सैनी, फामेर्सी विभाग से प्रिंसिपल डॉ.गौरव अग्रवाल ने विभिन्न प्रतिस्पधाओं के विजेताओं को सम्मानित किया। इस दौरान डॉ.आरती सोनी, विपाशा, अजय मलिक, डॉ.बीनू चौधरी और शैफाली भी मौजूद रही।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 25.09.2025

आज समाज
पानीपत, शुक्रवार, 25 सितंबर, 2025
03

पाइट में मनाया राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह

समालखा। किसी भी दवा के इस्तेमाल के बाद उसकी सुरक्षा, प्रभाव, और दुष्प्रभावों पर निगरानी रखना और उनका सही ढंग से प्रबंधन करना ही दवा सुरक्षा होता है। हमें ये देखना चाहिए कि दवा के किसी भी हानिकारक असर को पहचान कर समय पर रिपोर्ट किया जाए। दवाओं का सही इस्तेमाल, सही मात्रा और सही तरीके से किया जाए। पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पाइट) के फामेर्सी विभाग ने पांचवें राष्ट्रीय फामाकौविजिलेंस सप्ताह में दवा सुरक्षा पर जागरूक किया। कार्यक्रम का शुभारंभ एलुमनाई इंटरेक्शन सत्र से हुआ। उद्योग और शोध क्षेत्र की नवीन जानकारियां साझी की गई। गांव पट्टीकल?याणा में वॉकाथॉन फॉर पब्लिक अवेयरनेस का आयोजन किया गया। इस वॉकाथॉन के माध्यम से दवा सुरक्षा के महत्व को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाई गई। ड्रग्स कंट्रोल ऑफिसर विजय राजे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। दवा सुरक्षा में फामाकौविजिलेंस की भूमिका पर प्रकाश डाला। नॉर्थ इंडिया लाइफ साइंसेज से निदेशक डॉ. रवील भारद्वाज ने फार्मास्युटिकल उद्योग और अनुसंधान में फामाकौविजिलेंस के महत्व पर जोर दिया। पाइट के बोर्ड सदस?य शुभम तायल ने कहा कि दवा सुरक्षा के डेटा से भविष्य की सुरक्षित दवाएं विकसित करने में मदद मिलती है। पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, डीन डॉ.जेएस सैनी, फामेर्सी विभाग से प्रिंसिपल डॉ. गौरव अग्रवाल ने विभिन?न प्रतिस?पधाओं के विजेताओं को सम?मानित किया। इस दौरान डॉ. आरती सोनी, विपाशा, अजय मलिक, डॉ. बीनू चौधरी और शैफाली भी मौजूद रहीं।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

पंजाब केसरी
SAT,04 OCTOBER 2025
EDITION: PANIPAT KESARI, PAGE NO. 4

पाइट में लगा जियो गेम्स बूटकैंप, प्रतिस्पर्धा के साथ विद्यार्थियों ने सीखी टैक्नॉलोजी

पाइट कॉलेज में बोर्ड सदस्य विजेताओं को सम्मानित करते हुए। (राकेश)

समालखा, 3 अक्तूबर (राकेश) : वीडियो गेम टैक्नॉलोजी का आर्थिक आकार बढ़ता जा रहा है। हजारों करोड़ का अब ये बिजनैस हो चुका है। विद्यार्थियों को गेम टैक्नॉलोजी से रू-ब-रू करवाने के लिए 2 दिवसीय जियो गेम्स बूट कैंप लगाया गया। यह बात पानीपत इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नॉलोजी (पाइट) के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कही।

उन्होंने बताया कि इस बूट कैंप में टूर्नामेंट भी कराया गया, जिसमें औरा टीम विजेता रही। इसके अलावा पांच सौ से अधिक विद्यार्थियों ने क्लाउड आधारित गेम्स का अनुभव लिया। गेम टैक्नॉलोजी के बारे में जाना और सीखा। साइबर सिक्योरिटी विभाग की अध्यक्ष डॉ.शक्ति अरोड़ा ने कहा कि यह दो दिवसीय बूटकैंप सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विद्यार्थियों को गेमिंग, ई-स्पोर्ट्स और डिजिटल इनोवेशन के नए आयामों से भी रू-ब-रू करवया। बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, अमित दुबे, अनुग्रह कुमार ने विजेता टीमों को सम्मानित किया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

आज समाज
पानीपत, शनिवार, 04 अक्तूबर , 2025
03

जियो गेम्स बूटकैंप में प्रतिस्पर्धा के साथ छात्रों ने सीखी टेक्नोलॉजी

पानीपत/समालखा। वीडियो गेम टेक्नॉलोजी का आर्थिक आकार बढ़ता जा रहा है। हजारों करोड़ का अब ये बिजनेस हो चुका है। छात्रों को गेम टेक्नॉलोजी से रूबरू कराने के लिए दो दिवसीय जियो गेम्स बूटकैंप लगाया गया। यह बात पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कही। उन्होंने बताया कि इस बूट कैंप में टूनार्मेंट भी कराया गया, जिसमें औरा टीम विजेता रही। इसके अलावा पांच सौ से अधिक छात्रों ने क्लाउड आधारित गेम्स का अनुभव लिया। गेम टेक्नॉलोजी के बारे में जाना और सीखा। साइबर सिक्योरिटी विभाग की अध्यक्ष डॉ.शक्ति अरोड़ा ने कहा कि यह दो दिवसीय बूटकैंप सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विद्यार्थियों को गेमिंग, ई-स्पोर्ट्स और डिजिटल इनोवेशन के नए आयामों से भी रूबरू कराया। बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ. शक्ति कुमार, अमित दुबे, अनुग्रह कुमार ने विजेता टीमों को सम्मानित किया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

दैनिक भास्कर

पानीपत भास्कर 04-10-2025

500 छात्रों ने गेम टेक्नॉलॉजी के बारे में जाना

समालखा | वीडियो गेम टेक्नॉलॉजी का आर्थिक आकार बढ़ता जा रहा है। हजारों करोड़ का अब ये बिजनेस हो चुका है। छात्रों को गेम टेक्नॉलॉजी से रूबरू कराने के लिए दो दिवसीय जियो गेम्स बूट कैंप लगाया गया। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने बताया कि इस बूट कैंप में टूर्नामेंट भी कराया गया, जिसमें औरा टीम विजेता रही। इसके अलावा पांच सौ से अधिक छात्रों ने क्लाउड आधारित गेम्स का अनुभव लिया। गेम टेक्नॉलॉजी के बारे में जाना और सीखा। साइबर सिक्योरिटी विभाग की अध्यक्ष डॉ. शक्ति अरोड़ा ने कहा कि यह दो दिवसीय बूट कैंप सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विद्यार्थियों को गेमिंग, ई-स्पोर्ट्स और डिजिटल इनोवेशन के नए आयामों से भी रूबरू कराया। बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, अमित दुबे, अनुग्रह कुमार ने विजेता टीमों को सम्मानित किया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 18/09/2025

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन की तैयारी, पाइट में 50 टीमों का हुआ

मानसिक तनाव पर इंसान को अलर्ट करेगा मोबाइल

वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए मंच प्रदान किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ पानीपत

पानीपत। पाइट में स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन में चयनित विद्यार्थी प्रसन्न मुद्रा में। फोटो :हरिभूमि

अगर डस्टबिन ही बता दे कि मैं पूरी तरह से भर चुका हूं। अब खाली कर दो। सूखा कचरा डालना है या गीला कचरा। तो नगर निगम का काम बेहद आसान हो जाएगा। जनता भी जागरूक रहेगी। इसी तरह अगर आप मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं तो फोन आपको अलर्ट कर देगा। आपके परिवार के सदस्यों को सूचित कर देगा। एआइ आधारित जिंदगी को आसान करने वाले साफ्टवेयर व एप विद्यार्थियों ने बनाए है। मौका था पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में अंतरस्तरीय स्मार्ट इंडिया हैकॉथान का। राष्ट्र स्तरीय प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए 50 टीमों का चयन किया गया। पांच और टीमों को भी जगह मिल सकती है। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल ने बताया कि हैकाथॉन में छात्रों ने उत्साह दिखाया। कुल 124 टीमों ने पंजीकरण कराया। वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए मंच प्रदान किया। बोर्ड सदस्य शुभम तायल ने कहा कि यह पहल छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए तैयार करने के साथ ही देश की प्राथमिकताओं से जुड़े समाधान विकसित करने में भी मददगार साबित होगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, हैकाथॉन की स्पोक एवं साइबर सिक्योरिटी विभाग की अध्यक्ष डॉ.शक्ति अरोड़ा, प्रो.सुमन मान, डॉ. रिचा चौधरी, प्रो.रूद्र प्रताप ओझा, अमित दुबे, डॉ. संदीप खिंद्रा, डॉ. पंकज बत्रा ने भी विद्यार्थियों का उत्साह बढाया।

epaper.sachkahoon.com
18 Sep 2025 - Page 13

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन की तैयारी, पाइट में 50 टीमों का हुआ चयन

समालखा (सच कहूँ न्यूज)। पानीपत इंस्टीसट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉरलजी (पाइट) में हाल ही में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन में छात्रों ने एआई आधारित परियोजनाओं के माध्यम से नई तकनीकी पहल का परिचय दिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए प्रोत्साहित करना और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए तैयार करना है। हैकाथॉन में कुल 124 टीमों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 50 टीमों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए किया गया। पांच और टीमों को भी स्थान मिलने की संभावना है। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल ने बताया कि इस मंच ने छात्रों में उत्साह और नवाचार की भावना को प्रबल किया। बोर्ड सदस्य शुभम तायल ने कहा कि यह पहल छात्रों को देश की प्राथमिकताओं से जुड़े समाधान विकसित करने में मददगार साबित होगी। पाइट के निदेशक डॉ. शक्ति कुमार ने कहा कि युवा इसी प्रकार आगे चलकर स्टार्टअप शुरू करेंगे, बड़ी कंपनियों में काम करेंगे और रिसर्च में योगदान देंगे। अधिकांश टीमें सॉफ़्टवेयर-आधारित चुनौतियों पर काम कर रही हैं, जबकि 12 टीमें हार्डवेयर प्रोजेक्ट्स पर शोध कर रही हैं। हैकाथॉन की स्पोक एवं साइबर सिक्योरिटी विभाग की अध्यक्ष डॉ. शक्ति अरोड़ा ने बताया कि सबसे अधिक प्रोजेक्ट्स स्मार्ट एजुकेशन पर केंद्रित थे। इसके अलावा स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण, गवर्नेंस और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में भी छात्रों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रो. सुमन मान, डॉ. रिचा चौधरी, प्रो. रूद्र प्रताप ओझा, अमित दुबे, डॉ. संदीप बिंद्रा और डॉ. पंकज बत्रा ने छात्रों के उत्साह को और बढ़ाया।

OTHER 18/09/2025

पाइट में स्मार्ट इंडिया हैकथान की तैयारी, 50 टीमों का किया चयन

जागरण संवाददाता • समालखा : जनता जागरूक रहेगी यदि डस्टबिन बता दे कि मैं पूरी तरह से भर चुका हूं। अब मुझे खाली कर दो। सूखा या गीला कौन सा कचरा उसमें डालना है तो नगर निगम या नगर परिषद का काम आसान हो जाएगा।

इसी तरह अगर आप मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं तो फोन आपको अलर्ट कर देगा। आपके परिवार के सदस्यों को सूचित कर देगा। पानीपत इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी (पाइट) में आयोजित अंतरस्तरीय स्मार्ट इंडिया हैकथान में विद्यार्थियों ने एआइ आधारित जिंदगी को आसान करने वाले साफ्टवेयर व एप बनाए हैं। इनमें राष्ट्र स्तरीय प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए 50 टीमों का चयन किया है। पांच और टीमों को भी इसमें जगह मिल सकती है। चेयरमैन हरिओम तायल ने बताया कि हैकथान में 124 टीमों ने पंजीकरण कराया था। सभी को इन वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए मंच प्रदान किया गया। बोर्ड सदस्य शुभम तायल ने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की समस्याओं के समाधान में मददगार साबित होगी। निदेशक डा. शक्ति कुमार ने कहा कि यही युवा आगे चलकर स्टार्टअप शुरू करेंगे। रिसर्च में जितना ज्यादा समय देंगे, उतनी ही तरक्की करेंगे। हैकथान में अधिकांश टीमें हैकान साफ्टवेयर पर आधारित चुनौतियों तो 12 टीमें हार्डवेयर प्रोजेक्ट्स पर शोध कर रही हैं। पाइट की टीमें राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा की विजेता रही हैं। डा. शक्ति अरोड़ा ने बताया कि सबसे ज्यादा प्रोजेक्ट स्मार्ट एजुकेशन थीम पर केंद्रित रहे हैं। स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण, गवर्नेंस और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों पर भी टीमों ने अपने आइडिया प्रस्तुत किए। इस अवसर पर प्रो. सुमन मान, डा. रिचा चौधरी, प्रो. रूद्र प्रताप ओझा, अमित दुबे, डा. संदीप बिंद्रा व डा. पंकज बत्रा ने भी छात्रों का उत्साह बढ़ाया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

पानीपत

आज समाज
पानीपत, गुरुवार, 18 सितंबर , 2025

03

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन की तैयारी, पाइट में 50 टीमों का हुआ चयन

आज समाज नेटवर्क

पानीपत/समालखा। अगर डस्टबिन ही बता दे कि मैं पूरी तरह से भर चुका हूं। अब खाली कर दो। सूखा कचरा डालना है या गीला कचरा। तो नगर निगम का काम बेहद आसान हो जाएगा। जनता भी जागरूक रहेगी। इसी तरह अगर आप मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं तो फोन आपको अलर्ट कर देगा। आपके परिवार के सदस्यों को सूचित कर देगा। एआइ आधारित जिंदगी को आसान करने वाले साफ्टवेयर व एप छात्र-छात्राओं ने बनाए। मौका था पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में अंतरस्तरीय स्मार्ट इंडिया हैकॉथान का। राष्ट्र स्तरीय प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए 50 टीमों का चयन किया गया। पांच और टीमों को भी जगह मिल सकती है। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल ने बताया कि हैकाथॉन में छात्रों ने उत्साह दिखाया। कुल 124 टीमों ने पंजीकरण कराया। वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए मंच प्रदान किया। बोर्ड सदस्य शुभम तायल ने कहा कि यह पहल छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए तैयार करने के साथ ही देश की प्राथमिकताओं से जुड़े समाधान विकसित करने में भी मददगार साबित होगी। पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार ने कहा कि यही युवा आगे चलकर स्टार्टअप शुरू करेंगे। बड़ी कंपनियों में काम करेंगे। रिसर्च में जितना ज्यादा समय देंगे, उतनी ज्यादा तरक्की करेंगे। इसलिए स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन कराया गया। अधिकांश टीमें सॉफ्टवेयर-आधारित चुनौतियों पर काम कर रही हैं। 12 टीमें हार्डवेयर प्रोजेक्ट्स पर शोध कर रही हैं। पाइट की टीमें राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा की विजेता रही हैं। हैकाथॉन की स्पोक एवं साइबर सिक्योरिटी विभाग की अध्यक्ष डॉ.शक्ति अरोड़ा ने बताया कि सबसे ज्यादा प्रोजेक्ट स्मार्ट एजुकेशन थीम पर केंद्रित रहे। स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण, गवर्नेंस और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों पर भी टीमों ने अपने आइडिया प्रस्तुत किए। प्रो.सुमन मान, डॉ. रिचा चौधरी, प्रो.रूद्र प्रताप ओझा, अमित दुबे, डॉ. संदीप बिंद्रा, डॉ. पंकज बत्रा ने भी छात्रों का उत्साह बढ़ाया।

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन की तैयारी, पाइट में 50 टीमों का हुआ चयन

पाइट कॉलेज में चेयरमैन व अन्य चयनित छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए। (राकेश)

समालखा, 17 सितम्बर (राकेश): अगर डस्टबिन ही बता दें कि मैं पूरी तरह से भर चुका हूं। अब खाली कर दो। सूखा कचरा डालना है या गीला कचरा। तो नगर निगम का काम बेहद आसान हो जाएगा। जनता भी जागरूक रहेगी। इसी तरह अगर आप मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं तो फोन आपको अलर्ट कर देगा। आपके परिवार के सदस्यों को सूचित कर देगा। ए.आई. आधारित जिंदगी को आसान करने वाले साफ्टवेयर व एप छात्र-छात्राओं ने बनाए। मौका था पानीपत इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नॉलोजी (पाइट) में अंतर स्तरीय स्मार्ट इंडिया हैकॉथान का।

राष्ट्र स्तरीय प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए 50 टीमों का चयन किया गया। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल ने बताया कि हैकाथॉन में छात्रों ने उत्साह दिखाया। कुल 124 टीमों ने पंजीकरण कराया। वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए मंच प्रदान किया। बोर्ड सदस्य शुभम तायल ने कहा कि यह पहल छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए तैयार करने के साथ ही देश की प्राथमिकताओं से जुड़े समाधान विकसित करने में भी मददगार साबित होगी।

पाइट के निदेशक डॉ. शक्ति कुमार ने कहा कि यही युवा आगे चलकर स्टार्टअप शुरू करेंगे। बड़ी कंपनियों में काम करेंगे। रिसर्च में जितना ज्यादा समय देंगे, उतनी ज्यादा तरक्की करेंगे। इसलिए स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन कराया गया। अधिकांश टीमें सॉफ्टवेयर-आधारित चुनौतियों पर काम कर रही हैं। 12 टीमें हार्डवेयर प्रोजैक्ट्स पर शोध कर रही हैं। पाइट की टीमें राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा की विजेता रही हैं।

हैकाथॉन की स्पोक एवं साइबर सिक्योरिटी विभाग की अध्यक्ष डॉ. शक्ति अरोड़ा ने बताया कि सबसे ज्यादा प्रोजैक्ट स्मार्ट एजुकेशन थीम पर केंद्रित रहे। स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण, गवर्नेंस और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों पर भी टीमों ने अपने आइडिया प्रस्तुत किए। प्रो. सुमन मान, डॉ. रिचा चौधरी, प्रो. रूद्र प्रताप ओझा, अमित दुबे, डॉ. संदीप बिंद्रा, डॉ. पंकज बत्रा ने भी छात्रों का उत्साह बढ़ाया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

दैनिक भास्कर पानीपत भास्कर 16-09-2025

पाइट में मनाया इंजीनियर्स डे, नवाचार का महत्व बताया

सम्मालखा | सतत विकास के लिए आवश्यक है कि हम नवाचार करें। इसके साथ ही पर्यावरण की भी देखभाल करें। हमारे युवा इंजीनियर देश को बदल रहे हैं। देश उनकी बदौलत तरक्की की राह पर है। यह बात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मुख्य पर्यावरण अभियंता भूपिंदर सिंह रिनवा ने कही। वह यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पाइट) में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। पाइट में द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स हरियाणा स्टेट सेंटर के सहयोग से इंजीनियर्स डे मनाया गया। एनआइटी कुरुक्षेत्र से सीएसई विभाग के प्रोफेसर जितेंद्र छाबड़ा ने डीप टेक एंड इंजीनियरिंग एक्सीलेंस: ड्राइविंग इंडिया टेकाडे विषय पर विचार साझा किए। पोस्टर प्रेजेंटेशन में थिंकर्स टीम प्रथम रही। मॉडल डिस्प्ले में एग्री-टेकीज टीम विजेता रही। मौके पर चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, शुभम तायल, डॉ. शक्ति कुमार, डॉ. जेएस सैनी, डॉ. मनोज अरोड़ा मौजूद रहे।

आज समाज
पानीपत, मंगलवार, 16 सितंबर, 2025
03

पाइट में मनाया इंजीनियर्स डे, नवाचार का महत्व बताया

आज समाज नेटवर्क

पानीपत/समालाखा। सतत विकास के लिए आवश्यक है कि हम नवाचार करें। इसके साथ ही पर्यावरण की भी देखभाल करें। हमारे युवा इंजीनियर देश को बदल रहे हैं। देश उनकी बदौलत तरक्की की राह पर है। यह बात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मुख्य पर्यावरण अभियंता भूपिंदर सिंह रिनवा ने कही। वह यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। पाइट में द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनिययर्स हरियाणा स्टेट सेंटर के सहयोग से इंजीनियर्स डे मनाया गया। भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के उपलक्ष्य में इंजीनियर्स डे मनाया जाता है। एनआइटी कुरुक्षेत्र से सीएसई विभाग के प्रोफेसर जितेंद्र छाबड़ा ने डीप टेक एंड इंजीनियरिंग एक्सीलेंसः ड्राइविंग इंडिया टेकाडे विषय पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि डीप टेक से भारत तरक्की करेगा। भारतीय युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। भारत अगले दशक तक डीप टेक और इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता के बल पर वैश्विक नेतृत्व को आगे बढ़ाएगा। इस अवसर पर चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, डीन डॉ.जेएस सैनी, ईसीई विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज अरोड़ा, कन्वीनर डॉ. पूनम जागलान, आइइआइ काउंसिल चेयरमैन आरएस मलिक, सचिव गौरव भाटिया, सदस्य सदस्य केसी सेठी ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिता भी कराई गईं। पोस्टर प्रेजेंटेशन में थिंकर्स टीम प्रथम रही।

epaper.sachkahoon.com
16 Sep 2025 - Page 14

सतत विकास के लिए नवाचार और पर्यावरण संरक्षण जरूरीः भूपिंदर सिंह

समालाखा (सच कहूँ न्यूज)। पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलोजी में 'इंजीनियर्स डे' उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुख्य पर्यावरण अभियंता भूपिंदर सिंह रिनवा मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि सतत विकास के लिए नवाचार और पर्यावरण संरक्षण दोनों जरूरी हैं। उन्होंने युवाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके योगदान से देश तरक्की की राह पर है। इंजीनियर्स डे भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर मनाया जाता है। इस अवसर पर एनआइटी कुरुक्षेत्र के प्रोफेसर जितेंद्र छाबड़ा ने 'डीप टेक एंड इंजीनियरिंग एक्सीलेंसः ड्राइविंग इंडिया टेकएड' विषय पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि डीप टेक से भारत वैश्विक स्तर पर नेतृत्व करेगा और भारतीय युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले दशक में भारत इंजीनियरिंग और तकनीकी उत्कृष्टता के क्षेत्र में विश्व मंच पर आगे बढ़ेगा।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 16/09/2025

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी में मनाया इंजीनियर डे

भारत की तरक्की में अभियंताओं का महत्वपूर्ण योगदान

भारत अगले दशक तक डीप टेक और इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता के बल पर वैश्विक नेतृत्व को आगे बढ़ाएगा

पानीपत। पाइट में इंजीनियर डे पर अतिथिगण का स्वागत करते हुए चेयरमैन हरिओम तायल। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

सतत विकास के लिए आवश्यक है कि हम नवाचार करें। इसके साथ ही पर्यावरण की भी देखभाल करें। हमारे युवा इंजीनियर देश को बदल रहे हैं। देश उनकी बदौलत तरक्की की राह पर है। यह बात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मुख्य पर्यावरण अभियंता भूपिंदर सिंह रिनवा ने कही। वह यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। पाइट में द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स हरियाणा स्टेट सेंटर के सहयोग से इंजीनियर्स डे मनाया गया। भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के उपलक्ष्य में इंजीनियर्स डे मनाया जाता है। एनआइटी कुरुक्षेत्र से सीएसई विभाग के प्रोफेसर जितेंद्र छाबड़ा ने डीप टेक एंड इंजीनियरिंग एक्सीलेंस ड्राइविंग इंडिया टेकाडे विषय पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि डीप टेक से भारत तरक्की करेगा। भारतीय युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। भारत अगले दशक तक डीप टेक और इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता के बल पर वैश्विक नेतृत्व को आगे बढ़ाएगा।

छात्रों का मार्गदर्शन किया

इस अवसर पर चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, डीन डॉ.जेएस सैनी, ईसीई विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज अरोड़ा, कन्वीनर डॉ. पूनम जागलान, आइइआइ काउंसिल चेयरमैन आरएस मलिक, सचिव गौरव भाटिया, सदस्य सदस्य केसी सेठी ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। इधर, पोस्टर प्रेजेंटेशन में थिंकर्स टीम प्रथम रही। मॉडल डिस्प्ले में एग्री-टेकीज टीम विजेता रही।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 16/09/2025

पाइट में मनाया इंजीनियर्स डे, बताया नवाचार का महत्व

जागरण संवाददाता • समालाखा : सतत विकास के लिए नवाचार और पर्यावरण की देखभाल आवश्यक है। युवा इंजीनियर देश को नई दिशा दे रहे हैं। यह विचार प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुख्य पर्यावरण अभियंता भूपिंदर सिंह रिनवा ने पानीपत इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी (पाइट) में व्यक्त किए। पाइट में द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, हरियाणा स्टेट सेंटर के सहयोग से भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर इंजीनियर्स डे मनाया गया। एनआइटी कुरुक्षेत्र के प्रोफेसर जितेंद्र छाबड़ा ने "डीप टेक एंड इंजीनियरिंग एक्सीलेंसः ड्राइविंग इंडिया टेकाडे" विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि भारत डीप टेक के माध्यम से तरक्की करेगा। चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, निदेशक डा. शक्ति कुमार, और अन्य सदस्यों ने छात्रों का मार्गदर्शन किया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 15/09/2025

पाइट में मनाया इंजीनियर्स-डे, नवाचार का बताया महत्व

पाइट कॉलेज में चैयरमैन अतिथियों को सम्मानित करते हुए। *(राकेश)*

■ पोस्टर प्रैजैंटेशन में थिंकर्स टीम रही प्रथम

समालखा , 15 सितम्बर (राकेश): सतत विकास के लिए आवश्यक है कि हम नवाचार करें। इसके साथ ही पर्यावरण की भी देखभाल करें। हमारे युवा इंजीनियर देश को बदल रहे हैं। देश उनकी बदौलत तरक्की की राह पर है। यह बात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मुख्य पर्यावरण अभियंता भूपिंदर सिंह रिनवा ने कहीं। मुख्य पर्यावरण अभियंता यहां पानीपत इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नॉलोजी (पाइट) में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।पाइट में द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियययर्स हरियाणा स्टेट सैंटर के सहयोग से इंजीनियर्स-डे मनाया गया। भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के उपलक्ष्य में इंजीनियर्स-डे मनाया जाता है।

इस अवसर पर एन.आई.टी. कुरुक्षेत्र से सी.एस.ई. विभाग के प्रो. जितेंद्र छाबड़ा ने डीप टेक एंड इंजीनियरिंग एक्सीलेंस: ड्राइविंग इंडिया टेकाडे विषय पर विचार सांझा किए। उन्होंने कहा कि डीप टेक से भारत तरक्की करेगा। भारतीय युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। भारत अगले दशक तक डीप टेक और इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता के बल पर वैश्विक नेतृत्व को आगे बढ़ाएगा। इस अवसर पर चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ. शक्ति कुमार, डीन डॉ.जे.एस. सैनी, ई.सी.ई. विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज अरोड़ा, कन्वीनर डॉ. पूनम जागलान, आई.ई.आई. काऊंसिल चेयरमैन आर.एस. मलिक, सचिव गौरव भाटिया व सदस्य केसी सेठी ने छात्रों का मार्गदर्शन किया।

इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं भी करवाई गईं। पोस्टर प्रैजैंटेशन में थिंकर्स टीम प्रथम रही। मॉडल डिस्प्ले में एग्री-टेकीज टीम विजेता रही।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 15/09/2025

पाइट में मनाया इंजीनियर्स-डे, नवाचार का बताया महत्व

पाइट कॉलेज में चैयरमैन अतिथियों को सम्मानित करते हुए। *(राकेश)*

■ पोस्टर प्रैजैंटेशन में थिंकर्स टीम रही प्रथम

समालखा , 15 सितम्बर (राकेश): सतत विकास के लिए आवश्यक है कि हम नवाचार करें। इसके साथ ही पर्यावरण की भी देखभाल करें। हमारे युवा इंजीनियर देश को बदल रहे हैं। देश उनकी बदौलत तरक्की की राह पर है। यह बात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मुख्य पर्यावरण अभियंता भूपिंदर सिंह रिनवा ने कहीं। मुख्य पर्यावरण अभियंता यहां पानीपत इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नॉलोजी (पाइट) में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।पाइट में द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियययर्स हरियाणा स्टेट सैंटर के सहयोग से इंजीनियर्स-डे मनाया गया। भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के उपलक्ष्य में इंजीनियर्स-डे मनाया जाता है।

इस अवसर पर एन.आई.टी. कुरुक्षेत्र से सी.एस.ई. विभाग के प्रो. जितेंद्र छाबड़ा ने डीप टेक एंड इंजीनियरिंग एक्सीलेंस: ड्राइविंग इंडिया टेकाडे विषय पर विचार सांझा किए। उन्होंने कहा कि डीप टेक से भारत तरक्की करेगा। भारतीय युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। भारत अगले दशक तक डीप टेक और इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता के बल पर वैश्विक नेतृत्व को आगे बढ़ाएगा। इस अवसर पर चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डॉ. शक्ति कुमार, डीन डॉ.जे.एस. सैनी, ई.सी.ई. विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज अरोड़ा, कन्वीनर डॉ. पूनम जागलान, आई.ई.आई. काऊंसिल चेयरमैन आर.एस. मलिक, सचिव गौरव भाटिया व सदस्य केसी सेठी ने छात्रों का मार्गदर्शन किया।

इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं भी करवाई गईं। पोस्टर प्रैजैंटेशन में थिंकर्स टीम प्रथम रही। मॉडल डिस्प्ले में एग्री-टेकीज टीम विजेता रही।

OTHER 15/09/2025

पाइट कालेज में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुख्य अभियंता ने किया मार्गदर्शन

- पोस्टर प्रेजेंटेशन में थिंकर्स टीम प्रथम व मॉडल डिस्प्ले में एग्री.टेकीज टीम विजेता रही

सवेरा न्यूज/रतन लाल

समालखा, 15 सितम्बर : सतत विकास के लिए आवश्यक है कि हम नवाचार करें। इसके साथ ही पर्यावरण की भी देखभाल करें। हमारे युवा इंजीनियर देश को बदल रहे हैं। देश उनकी बदौलत तरक्की की राह पर है। यह बात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मुख्य पर्यावरण अभियंता भूपिंदर सिंह रिनवा ने कही। वह यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। पाइट में द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनिययर्स हरियाणा स्टेट सेंटर के सहयोग से इंजीनियर्स डे मनाया गया। भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के उपलक्ष्य में इंजीनियर्स डे मनाया जाता है। एनआइटी कुरुक्षेत्र से सीएसई विभाग

पाइट कालेज में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुख्य अभियंता का सम्मान करते आयोजक। (मोहन लाल)

के प्रोफेसर जितेंद्र छाबड़ा ने डीप टेक एंड इंजीनियरिंग एक्सीलेंसरू ड्राइविंग इंडिया टेकाडे विषय पर विचार सांझा किए। उन्होंने कहा कि डीप टेक से भारत तरक्की करेगा। भारतीय युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है।

भारत अगले दशक तक डीप टेक और इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता के बल पर वैश्विक नेतृत्व को आगे बढ़ाएगा। इस अवसर पर चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, निदेशक डा.शक्ति कुमार, डीन डा.जेएस सैनी, ईसीई विभाग के अध्यक्ष डा. मनोज अरोड़ा, कन्वीनर डा. पूनम जागलान, आईईआई काउंसिल चेयरमैन आरएस मलिक, सचिव गौरव भाटिया ,सदस्य केसी सेठी ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिता भी कराई गई। पोस्टर प्रेजेंटेशन में थिंकर्स टीम प्रथम रही। मॉडल डिस्प्ले में एग्री.टेकीज टीम विजेता रही।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

हरियाणा वार्ता
बुधवार, 10 सितंबर , 2025

सफल होने के लिए सोचें कि आप 20 साल बाद कहां होंगे: सौरभ जैन

पाइट के बीबीए विभाग के फाउंडर्स फोरम में पहुंचे पेटीएम के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट

विनोद लाहोट/हरियाणा वार्ता

समालखा। आप केवल कक्षा तक सीमित न रहें। अपने जीवन में बड़ा लक्ष्य निर्धारित करें। यह सोचें कि 20 साल बाद आप सभी कहां पर होंगे। तब आप महसूस करेंगे कि आगे क्या करना क्या है। यह बात पेटीएम के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट सौरभ जैन ने कही। वह यहां पा

पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में फाउंडर्स फोरम में छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे थे। बीबीए बिजनेस स्टडीज विभाग की टीम हस्लर ने यह फोरम आयोजित किया।

सौरभ जैन ने पेटीएम के आंतरिक संचालन और एक छोटे स्टार्टअप से बड़ी कंपनी बनने की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा हकि असली सीख तब है जब छात्र वास्तविक समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान ढूंढते हैं। साथ ही, उन्होंने मल्टी इंटेलीजेंस थ्योरी का परिचय देते हुए व्यक्तिगत और पेशेवर विकास में संतुलन बनाने का संदेश दिया।

मेमो टैग एप से संस्थापक रेयांश जुनेजा ने अपने शार्ट टैंक अनुभव को साझा किया। उन्होंने सरल शब्दों में एआइ, मशीन लर्निंग की मूल बातें समझाईं। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का रास्ता स्टार्टअप से निकलेगा। हमें स्वरोजगार की तरफ बढ़ना चाहिए, तभी देश तेजी से तरक्की करेगा। फोरम में बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ. बीबी शर्मा, बीबीए विभाग अध्यक्ष डॉ.रोहित गर्ग ने भी प्रेरित किया। फोरम की रूपरेखा निखिल, रोहन और प्रेक्षा ने तैयार की। टीम हस्लर्स की हेड पूजा गुप्ता का विशेष सहयोग रहा।

केवल कक्षा तक सीमित न रहें : जैन

अतिथियों का स्वागत करते हुए। ● संस्थान

जागरण संवाददाता ● समालखा : आप केवल कक्षा तक सीमित न रहें। अपने जीवन में बड़ा लक्ष्य निर्धारित करें और यह सोचें कि 20 साल बाद आप सभी कहां पर होंगे। तब आप महसूस करेंगे कि आगे क्या करना है। यह बात पेटीएम के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट सौरभ जैन ने पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालोजी (पाइट) में फाउंडर्स फोरम में छात्रों का मार्गदर्शन के दौरान कही। बीबीए बिजनेस स्टडीज विभाग की टीम हस्लर ने यह फोरम आयोजित किया था। सौरभ जैन ने पेटीएम के आंतरिक संचालन और एक छोटे स्टार्टअप से बड़ी कंपनी बनने की यात्रा पर प्रकाश डाला।

मेमो टैग एप से संस्थापक रेयांश जुनेजा ने अपने शार्ट टैंक अनुभव को साझा किया। उन्होंने सरल शब्दों में एआइ, मशीन लर्निंग की मूल बातें समझाईं। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का रास्ता स्टार्टअप से निकलेगा। फोरम में बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डा. बीबी शर्मा, बीबीए विभाग अध्यक्ष डी. रोहित गर्ग ने भी प्रेरित किया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

दैनिक भास्कर
पानीपत भास्कर 10-09-2025

कक्षा तक सीमित न रहें, बड़ा लक्ष्य निर्धारित करें: सौरभ

समालखा | आप केवल कक्षा तक सीमित न रहें। अपने जीवन में बड़ा लक्ष्य निर्धारित करें। यह सोचें कि 20 साल बाद आप सभी कहां पर होंगे। तब आप महसूस करेंगे कि आगे क्या करना क्या है। यह बात पेटीएम के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट सौरभ जैन ने कही। वह यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पाइट) में फाउंडर्स फोरम में छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे थे। बीबीए बिजनेस स्टडीज विभाग की टीम हस्लर ने यह फोरम आयोजित किया। सौरभ जैन ने कहा कि असली सीख तब है जब छात्र वास्तविक समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान ढूंढते हैं। साथ ही, उन्होंने मल्टी इंटेलीजेंस थ्योरी का परिचय देते हुए व्यक्तिगत और पेशेवर विकास में संतुलन बनाने का संदेश दिया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 10/09/2025

वार्ड 14 में गली निर्माण में लापरवाही का आरोप, समाधान शिविर में दी

सफल होने के लिए सोचें कि आप 20 साल बाद कहां होंगे : सौरभ जैन

पाइट में कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों का स्वागत करते आयोजक।

सवेरा न्यूज/रतन लाल, समालखा : आप केवल कक्षा तक सीमित न रहें। अपने जीवन में बड़ा लक्ष्य निर्धारित करें। यह सोचें कि 20 साल बाद आप सभी कहां पर होंगे। तब आप महसूस करेंगे कि आगे क्या करना क्या है। यह बात पेटीएम के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट सौरभ जैन ने कही। वह यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी पाइट में फाउंडर्स फोरम में छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे थे। बीबीए बिजनेस स्टडीज विभाग की टीम हस्लर ने यह फोरम आयोजित किया। सौरभ जैन ने पेटीएम के आंतरिक संचालन और एक छोटे स्टार्टअप से बड़ी कंपनी बनने की यात्रा पर प्रकाश डाला। मेमो टैग एप से संस्थापक रेयांश जुनेजा ने अपने शार्ट टैंक अनुभव को साझा किया। उन्होंने सरल शब्दों में एआइए मशीन लर्निंग की मूल बातें समझाई। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का रास्ता स्टार्टअप से निकलेगा। फोरम में बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ.बीबी शर्मा, बीबीए विभाग अध्यक्ष डॉ. रोहित गर्ग आदि मौजूद रहे।

आज समाज
पानीपत, बुधवार, 10 सितंबर , 2025
03

सफल होने के लिए सोचें कि आप 20 साल बाद कहां होंगे : सौरभ जैन

पानीपत/समालखा। आप केवल कक्षा तक सीमित न रहें। अपने जीवन में बड़ा लक्ष?य निर्धारित करें। यह सोचें कि 20 साल बाद आप सभी कहां पर होंगे। तब आप महसूस करेंगे कि आगे क?या करना क?या है। यह बात पेटीएम के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट सौरभ जैन ने कही। वह यहां पानीपत इंस?टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक?नॉलोजी (पाइट) में फाउंडर्स फोरम में छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे थे। बीबीए बिजनेस स?टडीज विभाग की टीम हस?लर ने यह फोरम आयोजित किया। सौरभ जैन ने पेटीएम के आंतरिक संचालन और एक छोटे स्टार्टअप से बड़ी कंपनी बनने की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन?होंने कहा हकि असली सीख तब है जब छात्र वास्तविक समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान ढूंढते हैं। साथ ही, उन्होंने मल?टी इंटेलीजेंस थ?योरी का परिचय देते हुए व्यक्तिगत और पेशेवर विकास में संतुलन बनाने का संदेश दिया। मेमो टैग एप से संस?थापक रेयांश जुनेजा ने अपने शार्ट टैंक अनुभव को साझा किया। उन्होंने सरल शब्दों में एआइ, मशीन लर्निंग की मूल बातें समझाईं। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि आत?मनिर्भर भारत का रास?ता स?टार्टअप से निकलेगा। हमें स?वरोजगार की तरफ बढ़ना चाहिए, तभी देश तेजी से तरक?की करेगा। फोरम में बोर्ड सदस?य शुभम तायल, डीन डॉ. बीबी शर्मा, बीबीए विभाग अध?यक्ष डॉ.रोहित गर्ग ने भी प्रेरित किया। फोरम की रूपरेखा निखिल, रोहन और प्रेक्षा ने तैयार की। टीम हस?लर्स की हेड पूजा गुप्ता का विशेष सहयोग रहा।

OTHER 10/09/2025

सफल होने के लिए सोचें कि आप 20 साल बाद कहा होंगे : सौरभ जैन

समालखा, 9 सितंबर (राकेश): आप केवल कक्षा तक सीमित न रहें। अपने जीवन में बड़ा लक्ष्य निर्धारित करें। यह सोचें कि 20 साल बाद आप सभी कहां पर होंगे। तब आप महसूस करेंगे कि आगे करना क्या है। यह बात पे.टी.एम. के पूर्व अपाध्यक्ष सौरभ जैन ने पानीपत इंस् टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नॉलोजी (पाइट) में फाउंडर्स फोरम में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कही। बी.बी.ए. बिजनेस स्टडीज विभाग की टीम हस्लर ने यह फोरम आयोजित किया।

सौरभ जैन ने पे.टी.एम. के आंतरिक संचालन और एक छोटे स्टार्टअप से बड़ी कंपनी बनने की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि असली सीख तब है जब छात्र वास्तविक समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान ढूंढते हैं। साथ ही, उन्होंने मल्टी इंटैलीजैंस थ्योरी का परिचय देते हुए व्यक्तिगत और पेशेवर विकास में संतुलन बनाने का संदेश दिया।

मेमो टैग एप से संस्थापक रेयांश जुनेजा ने अपने शार्ट टैंक अनुभव को सांझा किया। उन्होंने सरल शब्दों में एआइ, मशीन लर्निंग की मूल बातें समझाईं। इस अवसर पर पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का रास्ता स्टार्टअप से निकलेगा। हमें स्वरोजगार की तरफ बढ़ना चाहिए, तभी देश तेजी से तरक्की करेगा। फोरम में बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ. बीबी शर्मा, बी.बी.ए. विभाग अध्यक्ष डॉ.रोहित गर्ग ने भी प्रेरित किया। फोरम की रूपरेखा निखिल, रोहन और प्रेक्षा ने तैयार की। टीम हस्लर्स की हैड पूजा गुप्ता का विशेष सहयोग रहा।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

सच कहूँ
epaper.sachkahoon.com
10 Sep 2025 - Page 13

सफल होने के लिए सोचें कि आप 20 साल बाद कहां होंगे: सौरभ जैन

- पाइट में स्टार्टअप एक्सपर्ट ने दिया करियर और विकास का मंत्र

समालखा (सच कहूँ न्यूज)। पानीपत इंस्टीकट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉ लोजी (पाइट) में फाउंडर्स फोरम का आयोजन बीबीए बिजनेस स्टूडीज विभाग की टीम हस्लटर द्वारा किया गया। इस मौके पर पेटीएम के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट सौरभ जैन ने छात्रों को अपने अनुभव साझा करते हुए बड़े लक्ष्यों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि केवल कक्षा तक सीमित न रहें, बल्कि 20 साल बाद अपने आप को कहां देखना है, यह सोचकर अपने रास्ते का चुनाव करें।

सौरभ जैन ने पेटीएम के आंतरिक संचालन और एक छोटे स्टार्टअप से बड़ी कंपनी बनने की यात्रा के अनुभव साझा किए। उन्होंने छात्रों को वास्तविक समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान खोजने और मल्टीत इंटेलीजेंस थ्यो री के माध्यम से व्यक्तिगत और पेशेवर विकास में संतुलन बनाने की प्रेरणा दी।

मेमो टैग एप के संस्थागपक रेयांश जुनेजा ने शार्ट टैंक अनुभव साझा करते हुए एआइ और मशीन लर्निंग की मूल बातें सरल शब्दों में समझाईं। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का रास्ता स्टार्टअप से निकलता है और स्वरोजगार पर ध्यान देने से देश तेजी से प्रगति करेगा।

फोरम में बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ. बीबी शर्मा, बीबीए विभाग अध्यक्ष डॉ. रोहित गर्ग ने भी छात्रों को प्रेरित किया। फोरम की रूपरेखा निखिल, रोहन और प्रेक्षा ने तैयार की, जबकि टीम हसलर्स की हेड पूजा गुप्ता ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 06/09/2025

शिक्षकों ने कविता, गीतों और नृत्य से मंच को सजाया

टीम एक्शन इंडिया
समालखा (संजय नरवाल):
पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में शिक्षक दिवस मनाया गया। पाइट में दस साल या इससे अधिक समय से पढ़ा रहे शिक्षकों को मंच से सम्मानित किया गया। क्लास में पढ़ाने वाले शिक्षकों ने कविता, गीता और नृत्य प्रतिभा से मंच को जीवंत कर दिया। भारत के राष्ट्रपति स्व. डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन करते हुए शिक्षक दिवस समारोह का शुभारंभ हुआ। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के निमार्ता हैं। चाणक्य जैसे शिक्षक ने चंद्रगुप्त को मगध का सम्राट बनवाया।

सचिव सुरेश तायल ने कहा कि जैसे माता-पिता का ऋण नहीं उतारा जा सकता है, वैसे ही शिक्षक का ऋण नहीं उतारा जा सकता। शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही सफलता हासिल की जा सकती है। वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि शिक्षक ही बच्चों की प्रतिभा को पहचान सकते हैं। उन्हें सही राह दिखाकर सफलता के मार्ग पर ले चलते हैं। शिक्षक दिवस पर हुई प्रतिस्पर्धा के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कविता में तरुण मिगलानी व मोनिका धीमान प्रथम रहे। डॉ.आशीष द्वितीय व डॉ.सुमन दहिया तीसरे स्थान पर रहीं। युगल गायन में डॉ.मीनाक्षी ढींगड़ा, डॉ.मीनाक्षी शर्मा एवं चंद्रशेखर व नीलम गोस्वामी को संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार दिया गया। एकल गायन में चंद्रशेखर सिंह प्रथम, डॉ.आशीष द्वितीय व डॉ.राजीव सैनी तृतीय स्थान पर रहे। एकल नृत्य में मंजू बाला प्रथम व अभिषेक गुलिया दूसरे स्थान पर रहे। एंकरिंग में दीपक सिंगला, राधिका व डॉ.रचना रस्तोगी तीनों संयुक्त विजेता रहे। पाइट के बोर्ड सदस्य शुभम तायल, पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, डीन डॉ.जेएस सैनी, डीन डॉ.बीबी शर्मा, एप्लाइड साइंस विभाग की अध्यक्ष डॉ.विनय खत्री ने विजेता प्रतिभागियों एवं शिक्षकों को सम्मानित किया।

Panipat Kesari
Sep 05, 2025

पंजाब केसरी

IV

पंजाब केसरी

रक्तदान कैंप

ताउम्र सजग प्रहरी की तरह देश को चेताते रहे लाला जी

Friday
5 September 2025

बलिदानी योद्धा लाला जगत नारायण जी के जीवन परिचय को जानने के लिए क्यू.आर. कोड स्कैन करें

अमर शहीद लाला जगत नारायण जी की 44वीं पुण्यतिथि पर लगाए गए इस ब्लड डोनेशन कैम्प के दौरान पाठकों ने जिस तरह से उत्साह दिखाया है, उसके लिए पंजाब केसरी समूह अपने पाठकों और रक्तदाताओं का आभारी है। हमारा यह प्रयास है कि देश की एकता व अखंडता की खातिर अपने खून का बलिदान देने वाले लाला जी को इसी तरह समाज सेवा के कार्यों के जरिए श्रद्धांजलि दी जाए। इस रक्तदान कैंप के दौरान रक्तदाताओं ने जिस तरह का उत्साह दिखाया है, वह अपने आप में सराहनीय है और हम आने वाले वर्षों में भी इस सिलसिले को आगे बढ़ाने की भरसक कोशिश करेंगे। -मुख्य संपादक

पंजाब केसरी के साथ मिलकर इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्य पहले भी किए गए हैं। रक्तदान करने से हमारा स्वास्थ्य और बेहतर होता है। शहीदों की वजह से आज हम आजादी की सांस ले पा रहे हैं। शहीदों के ऋण को उतारा नहीं जा सकता। हमें उनके दिखाए गए कदम पर चलना चाहिए। तभी उनके सपनों के भारत का निर्माण हम कर सकेंगे। अमर शहीद लाला जगत नारायण जी ने पंजाब केसरी के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों पर वार किया। समाज को सही दिशा दिखाई। वह आतंकवाद के खिलाफ झुके नहीं। उन्होंने सिखाया कि हमें गलत को गलत कहना चाहिए। हमारे लिए देश पहले है, बाकी सब कुछ बाद में।
-राकेश तायल, वाइस चेयरमैन पाइट कॉलेज

पाइट कॉलेज में रक्तदान शिविर लगा अमर शहीद लाला जगत नारायण को दी श्रद्धांजलि

समालखा, 4 सितम्बर (राकेश अरोड़ा) : अमर शहीद लाला जगत नारायण जी की 44वीं पुण्य तिथि पर पंजाब केसरी समाचार पत्र समूह ने पानीपत इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलोजी (पाइट) में रक्तदान शिविर लगा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रोटरी क्लब पानीपत सैंट्रल और इनरव्हील क्लब पानीपत साउथ की टीम ने रक्तदान करने वाले युवाओं का हौसला बढ़ाया। शिविर के आयोजन में रैडक्रास सोसाइटी का खास सहयोग रहा। शिविर में 60 से अधिक युवाओं ने रक्तदान किया।

पाइट कॉलेज के सचिव सुरेश तायल ने कहा कि हम सभी को रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान करने से आप स्वस्थ रहते हैं। इससे शरीर में कोई कमजोरी नहीं आती।

डॉ.पूजा सिंघल ने रजिस्ट्रेशन करवाया व युवाओं को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया।

पंजाब केसरी से ब्यूरो सुरजीत खर्ब, पत्रकार राकेश सैनी, जोनल हैड मार्केटिंग विनीत खुराना, समालखा से प्रतिनिधि राकेश अरोड़ा रिंकू ने भी रक्तदाताओं को प्रेरित किया।

पाइट कॉलेज के चेयरमैन, रिटायर्ड स्टेशन अधीक्षक धीरज कपूर व अन्य रक्तदान करने वाली छात्रा को सम्मानित करते हुए, साथ हैं पंजाब केसरी के ब्यूरो सुरजीत खर्ब, पंजाब केसरी के जोनल मार्केटिंग मैनेजर विनीत खुराना, समालखा से प्रतिनिधि राकेश अरोड़ा, पानीपत से प्रतिनिधि राजेश व अन्य।

रक्तदान शिविर में डिप्टी डी.एस. डब्ल्यू, प्रीति दहिया, डॉ.मेधा गावा, डॉ.संदीप सिंह बिंद्रा, रोहित शर्मा, मीनू सहगल एवं स्टूडेंट को-ऑर्डिनेटर कुणाल, अक्षित एवं अरमान ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

रोटरी सैंट्रल क्लब के सदस्यों ने रक्तदाताओं को बैज लगाए। प्रधान आर्य वर्मा ने कहा कि लाला जगत नारायण जी की शहादत को भुलाया नहीं जा सकता। हमें लाला जगत नारायण जी के दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। उनके साथ क्लब के असिस्टेंट गवर्नर विभास कैला, सी.ए. इंद्रजीत गेरा, विनय गोयल, हिमांशु सिंघल, रविश मित्तल, रिटायर्ड पानीपत रेलवे स्टेशन अधीक्षक धीरज कपूर एवं सुशील आहूजा भी मौजूद रहे।

इन्नरव्हील क्लब पानीपत साउथ की सदस्यों ने बढ़ाया हौसला

इनरव्हील पानीपत साउथ की सदस्यों ने रक्तदान करने वालों का हौसला बढ़ाया। क्लब की अध्यक्ष रश्मि छाबड़ा ने कहा कि शिविर में लड़कियों ने भी रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि हमारा किया हुआ रक्तदान किसी की जान बचा सकता है। रक्त की एक-एक बूंद कीमती है। हमें रक्त का महत्व समझना चाहिए। इस दौरान क्लब की एडिटर नेहा ढींगड़ा, उपाध्यक्ष श्वेता तायल व सदस्य कंचन ठाकर भी मौजूद रहीं। वहीं उपाध्यक्ष श्वेता तायल ने कहा कि रक्तदान महादान है। रक्तदान करने से दूसरों की जिंदगी को बचाया जा सकता है।

आतंकवाद के खिलाफ लाला जी ने हमेशा कड़ा रुख अपनाया

पंजाब केसरी को शहीदों का अखबार कहा जाता है। लाला जगत नारायण जी का जन्म 31 मई 1899 को हुआ था। उन्होंने पंजाब केसरी समाचारपत्र शुरू किया। स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। पंजाब केसरी समाचार पत्र आमजन की आवाज बना। आतंकवाद के खिलाफ उन्होंने हमेशा कड़ा रुख अपनाया। पंजाब में आतंकियों के खिलाफ उन्होंने खुलकर लिखा। इसी के चलते 9 सितम्बर 1981 को लुधियाना में आतंकवादियों ने उनकी हत्या कर दी। लाला जगत नारायण जी को आज भी निडर पत्रकारिता और राष्ट्र सेवा की मिसाल माना जाता है।

अमर शहीद लाला जगत नारायण जी की 44वीं पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते (दाएं से) पाइट कालेज के वाइस चेयरमैन राकेश तायल, रिटायर्ड स्टेशन अधीक्षक धीरज कपूर, पंजाब केसरी के ब्यूरो सुरजीत खर्ब, जोनल मार्केटिंग मैनेजर विनीत खुराना, समालखा से प्रतिनिधि राकेश अरोड़ा, पानीपत से प्रतिनिधि राजेश व अन्य।

कॉलेज वाइस चेयरमैन व अन्य रेडक्रास टीम को सम्मानित करते हुए।

दिनेश शर्मा पुष्प अर्पित करते हुए।

वाइस चेयरमैन व अन्य रक्तदान करने वाली छात्रा को सम्मानित करते हुए।

पंजाब केसरी के ब्यूरो, पाइट कॉलेज के वाइस चेयरमैन व सचिव को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित करते हुए।

पाइट कॉलेज में रक्तदान करने वाले विद्यार्थी। (राकेश)

• पाइट कॉलेज में इनरव्हील क्लब साउथ पानीपत की अध्यक्षा व अन्य रक्तदाताओं को सम्मानित करते हुए।

खूनदान से शरीर को नुकसान नहीं

- मानव शरीर में करीब 6 लीटर खून होता है और कोई भी स्वस्थ व्यक्ति हर 90 दिन में एक बार ब्लड डोनेट कर सकता है।
- ब्लड डोनेट करने के बाद ब्लड के व्हाइट सैल्स कुछ ही मिनट में बन जाते हैं प्लाज्मा 24 से 48 घंटे में बन जाते हैं जबकि रैड सैल्स लगभग तीन सप्ताह में बन जाते हैं और इससे किसी प्रकार की कोई कमजोरी नहीं आती।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 06/09/2025

पाइट में शिक्षकों को किया गया सम्मानित

समालखा (वि)। पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में शिक्षक दिवस मनाया गया। पाइट में दस साल या इससे अधिक समय से पढ़ा रहे शिक्षकों को मंच से सम्मानित किया गया। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के निर्माता हैं। चाणक्य जैसे शिक्षक ने चंद्रगुप्त को मगध का सम्राट बनवाया। सचिव सुरेश तायल , वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने भी संबोधित किया। इस दौरान कविता प्रतियोगिता में तरुण मिगलानी व मोनिका धीमान प्रथम रहे। डॉ. आशीष द्वितीय व डॉ. सुमन दहिया तीसरे स्थान पर रहीं। युगल गायन में डॉ. मीनाक्षी ढींगड़ा, डॉ. मीनाक्षी शर्मा एवं चंद्रशेखर व नीलम गोस्वामी को संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार दिया गया। एकल गायन में चंद्रशेखर सिंह प्रथम, डॉ. आशीष द्वितीय व डॉ. राजीव सैनी तृतीय स्थान पर रहे। एकल नृत्य में मंजू बाला प्रथम व अभिषेक गुलिया दूसरे स्थान पर रहे। एंकरिंग में दीपक सिंगला, राधिका व डॉ. रचना रस्तोगी तीनों संयुक्त विजेता रहे। पाइट के बोर्ड सदस्य शुभम तायल, पाइट के निदेशक डॉ. शक्ति कुमार, डीन डॉ. जेएस सैनी, डीन डॉ. बीबी शर्मा, एप्लाइड साइंस विभाग की अध्यक्ष डॉ. विनय खत्री ने विजेता प्रतिभागियों एवं शिक्षकों को सम्मानित किया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 06/09/2025

शिक्षक हैं राष्ट्र निर्माता : हरिओम

समालखा, 5 सितंबर (राकेश) : पानीपत इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नॉलोजी (पाइट) में शिक्षक दिवस मनाया गया। क्लास में पढ़ाने वाले शिक्षकों ने कविता, गीता और नृत्य प्रतिभा से मंच को जीवंत कर दिया।

पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के निर्माता हैं। चाणक्य जैसे शिक्षक ने चंद्रगुप्त को मगध का सम्राट बनवाया। सचिव सुरेश तायल ने कहा कि जैसे माता-पिता का ऋण नहीं उतारा जा सकता है, वैसे ही शिक्षक का ऋण नहीं उतारा जा सकता। शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही सफलता हासिल की जा सकती है। वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि शिक्षक ही बच्चों की प्रतिभा को पहचान सकते हैं। कविता में तरुण मिगलानी व मोनिका धीमान प्रथम रहे। डॉ.आशीष द्वितीय व डॉ.सुमन दहिया तीसरे स्थान पर रहीं। युगल गायन में डॉ.मीनाक्षी ढींगड़ा, डॉ.मीनाक्षी शर्मा एवं चंद्रशेखर व नीलम गोस्वामी को संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार दिया गया। एकल गायन में चंद्रशेखर सिंह प्रथम, डॉ.आशीष द्वितीय व डॉ.राजीव सैनी तृतीय स्थान पर रहे। एकल नृत्य में मंजू बाला प्रथम व अभिषेक गुलिया दूसरे स्थान पर रहे। एंकरिंग में दीपक सिंगला, राधिका व डॉ.रचना रस्तोगी तीनों संयुक्त विजेता रहे। पाइट के बोर्ड सदस्य शुभम तायल, पाइट के निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, डीन डॉ.जेएस सैनी, डीन डॉ.बी.बी. शर्मा, एप्लाइड साइंस विभाग की अध्यक्ष डॉ.विनय खत्री ने विजेता प्रतिभागियों एवं शिक्षकों को सम्मानित किया।

बहन आराधना उपस्थित लोगों को संबोधित करती हुईं और गायक अजय मल्होत्रा गणपति महाराज की आराधना करते हुए। (वीरेंद्र,राकेश)

छात्राएं नृत्य की प्रस्तुति देती हुईं। (राकेश)

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 06/09/2025

कविता में तरुण मिगलानी व मोनिका धीमान प्रथम रहे

पानीपत इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालोजी (पाइट) में शिक्षक दिवस मनाया गया। पाइट में दस साल या इससे अधिक समय से पढ़ा रहे शिक्षकों को सम्मानित किया गया। क्लास में पढ़ाने वाले शिक्षकों ने कविता, गीता और नृत्य प्रतिभा से मंच को जीवंत कर दिया। पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के निर्माता हैं। सुरेश तायल ने कहा कि जैसे माता-पिता का ऋण नहीं उतारा जा सकता है, वैसे ही शिक्षक का ऋण नहीं उतारा जा सकता। कविता में तरुण मिगलानी व मोनिका धीमान प्रथम रहे। डा .आशीष द्वितीय व डा .सुमन दहिया तीसरे स्थान पर रहीं। युगल गायन में डा .मीनाक्षी ढींगड़ा, डा .मीनाक्षी शर्मा एवं चंद्रशेखर व नीलम गोस्वामी को संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार दिया गया। एकल गायन में चंद्रशेखर सिंह प्रथम, डा .आशीष द्वितीय व डा .राजीव सैनी तृतीय स्थान पर रहे। एकल नृत्य में मंजू बाला प्रथम व अभिषेक गुलिया दूसरे स्थान पर रहे। एंकरिंग में दीपक सिंगला, राधिका व डा .रचना रस्तोगी तीनों संयुक्त विजेता रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

दैनिक भास्कर

पानीपत भास्कर 06-09-2025

पाइट में 10 साल से पुराने शिक्षक किए गए सम्मानित

समालखा| पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पाइट) में शिक्षक दिवस मनाया गया। पाइट में दस साल या इससे अधिक समय से पढ़ा रहे शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 28/08/2025

पाइट में स्टूडैंट्स इंडक्शन प्रोग्राम में भविष्य की राह दिखाई

पाइट कॉलेज में वाइस चेयरमैन व अन्य बच्चों को सम्मानित करते हुए। (राकेश)

समालखा, 27 अगस्त (राकेश) : पानीपत इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी (पाइट) में स्टूडैंट इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसका एप्लाइड साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज विभाग ने शुभारंभ किया।

डीन डॉ. जे.एस. सैनी ने लिसनिंग स्किल्स विषय पर बताया कि सुनने की कला जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की कुंजी है। विभाग की अध्यक्ष डॉ. विनय खत्री ने यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज पर आत्म-अन्वेषण व मानवीय मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला।

ऑस्ट्रेलिया में भागवत कथा करके लौटे शिवम शुक्ला ने कहा कि विद्यार्थी जीवन बेहद महत्वपूर्ण है। फोकस होकर पढ़ाई करें। ज्यादा से ज्यादा ग्रहण करें। अगर आपका विद्यार्थी जीवन उत्तम रहा तो आने वाला जीवन निश्चित ही उत्तम रहेगा। बी.बी.ए. विभाग के अध्यक्ष डॉ. रोहित गर्ग ने रामायण के उदाहरणों के माध्यम से संचार कौशल पर सारगर्भित व्याख्यान दिया।

डीक्रस्ट मुरथल से आए डॉ. दिनेश सिंह ने छात्रों को प्रेरित किया। साइबर क्राइम विशेषज्ञ निशांत ने साइबर क्राइम इन्वैस्टिगेशन पर सत्र लिया। डॉ. साक्षी गुप्ता ने सॉफ्ट स्किल्स के महत्व पर प्रकाश डाला। एम.बी.ए. विभाग के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश मिश्रा ने सक्सेस माइंड सैट विषय पर प्रेरक व्याख्यान दिया।

टेडएक्स स्पीकर हर्षिता शर्मा ने ग्रोथ माइंड सैट पर मार्गदर्शन दिया। नशा मुक्ति विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता और खेलकूद गतिविधियों ने कार्यक्रम को और जीवंत बना दिया। वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि लगातार 21 दिन तक स्टूडैंट इंडक्शन प्रोग्राम चला। अलग-अलग क्षेत्र के विद्वानों ने छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया।

डॉ. सुनील ढुल ने एंटी-रैगिंग नीति पर सत्र लिया। पाइट के निदेशक प्रो. शक्ति कुमार, चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ. बी.बी. शर्मा ने वक्ताओं व छात्र समन्वयकों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

पाइट में स्टूडेंट्स इंडक्शन प्रोग्राम, भविष्य की राह दिखाई

:पाइट में आयोजित प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी। (मोहन लाल)

सवेरा न्यूज/रतन लाल समालखा: गीता के श्लोक से लेकर संपूर्ण महाभारत तक। रामायण से लेकर आधुनिक मैनेजमेंट फंडा तक। सोशल मीडिया इंफ्लूयंएसर नन्ही परिधि प्रशांत मंगलमपल्ली ने अपनी बातों से हर किसी को प्रभावित कर लिया। परिधि ने कहा कि कर्म करने पर आपका अधिकार है। इसके फल और परिणाम को परमात्मा यानी श्रीकृष्ण पर छोड़ दें। अवसर था पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी में स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम का। एप्लाइड साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज विभाग ने इसका शुभारंभ किया। डीन डॉ.जेएस सैनी ने लिसनिंग स्किल्स विषय पर बताया कि सुनने की कला जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की कुंजी है। विभाग की अध्यक्ष डॉ.विनय खत्री ने यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज पर आत्म.अन्वेषण व मानवीय मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। ऑस्ट्रेलिया में भागवत कथा करके लौटे शिवम शुक्ला ने कहा कि विद्यार्थी जीवन बेहद महत्वपूर्ण है। फोकस होकर पढ़ाई करें। बीबीए विभाग के अध्यक्ष डॉ. रोहित गर्ग ने रामायण के उदाहरणों के माध्यम से संचार कौशल पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। डिक्रस्ट मुरथल से आए डॉ.दिनेश सिंह ने छात्रों को प्रेरित किया। साइबर क्राइम विशेषज्ञ निशांत ने साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन पर सत्र लिया। डॉ.साक्षी गुप्ता ने सॉफ्ट स्किल्स के महत्व पर प्रकाश डाला। एमबीए विभाग के अध्यक्ष डॉ.अखिलेश मिश्रा ने सक्सेस माइंडसेट विषय पर प्रेरक व्याख्यान दिया। टेडएक्स स्पीकर हर्षिता शर्मा ने ग्रोथ माइंडसेट पर मार्गदर्शन दिया। नशा मुक्ति विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता और खेलकूद गतिविधियों ने कार्यक्रम को और जीवंत बना दिया। वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि लगातार 21 दिन तक स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम चला। अलग-अलग क्षेत्र के विद्वानों ने छात्र.छात्राओं को प्रेरित किया। डॉ.सुनील ढुल ने एंटी रैगिंग नीति पर सत्र लिया। पाइट के निदेशक प्रो.शक्ति कुमार, चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, डीन डॉ.बीबी शर्मा ने वक्ताओं व छात्र समन्वयकों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 28/08/2025

सॉफ्ट स्किल्स के महत्व पर प्रकाश डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| समालखा

गीता के श्लोमक से लेकर संपूर्ण महाभारत तक। रामायण से लेकर आधुनिक मैनेजमेंट फंडा तक। सोशल मीडिया इंफ्लूयंएसर नन्हीं परिधि प्रशांत मंगलमपल्ली ने अपनी बातों से हर किसी को प्रभावित कर लिया। परिधि ने कहा कि कर्म करने पर आपका अधिकार है। इसके फल और परिणाम को परमात्मा यानी श्रीकृष्ण पर छोड़ दें। अवसर था पानीपत इंस्टीटिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉकलोजी (पाइट) में स्टूकडेंट इंडक्श न प्रोग्राम का। एप्लाइड साइंसेज एंड मैनिटीज विभाग ने इसका शुभारंभ किया। वहीं, डीन डॉ. जेएस सैनी ने लिसनिंग स्किल्स

समालखा। पाइट में कार्यक्रम में शिरकत करते हुए अथितिगण। फोटो : हरिभूमि

विषय पर बताया कि सुनने की कला जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की कुंजी है। विभाग की अध्यक्ष डॉ. विनय खत्री ने यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज पर आत्म-अन्वेषण व मानवीय मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। इधर, ऑस्ट्रेलिया में भागवत कथा करके लौटे शिवम शुक्ला ने कहा कि विद्यार्थी जीवन बेहद महत्वपूर्ण है। फोकस होकर पढ़ाई करें। ज्यादा से ज्यादा ग्रहण करें। अगर आपका विद्यार्थी जीवन उत्तम रहा तो आने वाला जीवन निश्चित ही उत्तम रहेगा। बीबीए विभाग के अध्यक्ष डॉ. रोहित गर्ग ने रामायण के उदाहरणों के माध्यम से संचार कौशल पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। डिक्रस्टमुरथल से आए डॉ. दिनेश सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया। साइबर क्राइम विशेषज्ञ निशांत ने साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन पर सत्र लिया। डॉ. साक्षी ने सॉफ्ट स्किल्स के महत्व पर प्रकाश डाला। जबकि एमबीए विभाग के अध्येक्ष डॉ. अखिलेश मिश्रा ने सक्सेस माइंडसेट विषय पर प्रेरक व्याख्यान दिया।

सम्मानित किया

टेडएक्स स्पीकर हर्षिता शर्मा ने ग्रोथ माइंडसेट पर मार्गदर्शन दिया। दूसरी ओर, वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि लगातार 21 दिन तक स्टूडेंट इंडक्शनन प्रोग्राम चला। डॉ. सुनील दुल ने एंटी-रैगिंग नीति पर सत्र लिया। पाइट के निदेशक प्रो. शक्ति कुमार, चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्यस शुभम तायल, डीन डॉ.बीबी शर्मा ने वक्ताओं व विद्यार्थी समन्वयकों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

28/08/2025

पानीपत

आज समाज
पानीपत, गुरूवार, 28 अगस्त , 2025

पाइट में स्टूडेंट्स इंडक्शन प्रोग्राम, भविष्य की राह दिखाई

कर्म करने पर आपका अधिकार, फल परमात्मा पर छोड़ दें : डॉ. विनय खत्री

आज समाज नेटवर्क

पानीपत/समालखा। गीता के श्लोक से लेकर संपूर्ण महाभारत तक। रामायण से लेकर आधुनिक मैनेजमेंट फंडा तक। सोशल मीडिया इंफ्लूयंएसर नन्ही परिधि प्रशांत मंगलमपल्ली ने अपनी बातों से हर किसी को प्रभावित कर लिया। परिधि ने कहा कि कर्म करने पर आपका अधिकार है। इसके फल और परिणाम को परमात्मा यानी श्रीकृष्ण पर छोड़ दें।

अवसर था पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम का। एप्लाइड साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज विभाग ने इसका शुभारंभ किया। डीन

डॉ. जेएस सैनी ने लिसनिंग स्किल्स विषय पर बताया कि सुनने की कला जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की कुंजी है। विभाग की अध्यक्ष डॉ. विनय खत्री ने यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज पर आत्म-अन्वेषण व मानवीय मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। ऑस्ट्रेलिया में भागवत कथा करके लौटे शिवम शुक्ला ने कहा कि विद्यार्थी जीवन बेहद महत्वपूर्ण है।

फोकस होकर पढ़ाई करें। ज्यादा से ज्यादा ग्रहण करें। अगर आपका विद्यार्थी जीवन उत्तम रहा तो आने वाला जीवन निश्चित ही उत्तम रहेगा। बीबीए विभाग के अध्यक्ष डॉ. रोहित गर्ग ने रामायण के उदाहरणों के माध्यम से संचार कौशल पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। डिक्रस्ट मुरथल से आए डॉ. दिनेश सिंह ने छात्रों को प्रेरित किया। साइबर क्राइम विशेषज्ञ निशांत ने साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन पर सत्र लिया। डॉ. साक्षी गुप्ता ने सॉफ्ट स्किल्स के महत्व पर प्रकाश डाला। एमबीए विभाग के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश मिश्रा ने सक्सेस माइंडसेट विषय पर प्रेरक व्याख्यान दिया। टेडएक्स स्पीकर हर्षिता शर्मा ने ग्रोथ माइंडसेट पर मार्गदर्शन दिया। नशा मुक्ति विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता और खेलकूद गतिविधियों ने कार्यक्रम को और जीवंत बना दिया। वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने कहा कि लगातार 21 दिन तक स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम चला।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 28/08/2025

इंडक्शन में विद्यार्थियों को भविष्य की राह दिखाई

समालखा | गीता के श्लोक से लेकर संपूर्ण महाभारत तक, रामायण से लेकर आधुनिक मैनेजमेंट फंडा तक, सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर नन्ही परिधि प्रशांत मंगलमफल्ली ने अपनी बातों से हर किसी को प्रभावित कर लिया। परिधि ने कहा कि कर्म करने पर आपका अधिकार है। इसके फल और परिणाम को परमात्मा पर छोड़ दें। अवसर था पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पाइट) में स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम का। एप्लाइड साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज विभाग ने इसका शुभारंभ किया। डीन डॉ. जेएस सैनी ने लिसनिंग स्किल्स विषय पर बताया कि सुनने की कला जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की कुंजी है। विभाग की अध्यक्ष डॉ. विनय खत्री ने यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज पर आत्म-अन्वेषण व मानवीय मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

12/08/2025

पाइट की एन.एस.एस. टीम ने डिकाडला में चलाया स्वच्छता अभियान

गांव डिकाडला में छात्र-छात्राएं ग्रामीणों को स्वच्छता को लेकर जागरूक करते हुए। (राकेश)

समालखा, 11 अगस्त (राकेश): पानीपत इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नॉलोजी (पाइट) की एन.एस.एस. टीम ने डिकाडला में स्वच्छता अभियान चलाया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने ग्रामीणों को बताया कि स्वच्छता से ही बीमारियों को हराया जा सकता है। हमें अपने आसपास गंदगी नहीं ठहरने देनी चाहिए। बचपन से ही बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता का बीजारोपण करना चाहिए। स्वच्छ समाज से ही स्वस्थ समाज का निर्माण होता है। देवेंद्र, प्रदीप और रश्मि के नेतृत्व में एन.एस.एस. अध्यक्ष पार्थ कुंडू, उपाध्यक्ष नवजोत, कीर्ति बरेजा, जनसंपर्क प्रमुख विभूति शर्मा और समन्वयक दिवांशु के साथ 21 स्वयंसेवक शामिल हुए। ग्राम पंचायत के सरपंच सुनील ने स्वयंसेवकों को सराहा। साथ ही वादा किया कि गांव को संपूर्ण स्वच्छ बनाएंगे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 12/08/2025

पाइट के स्वयं सेवी विद्यार्थियों ने स्वच्छता अभियान चलाया

समालखा। पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) की एनएसएस टीम ने गांव डिकाडला में स्वच्छता अभियान चलाया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने ग्रामीणों को बताया कि स्वच्छता से ही बीमारियों को हराया जा सकता है। हमें अपने आसपास गंदगी नहीं ठहरने देनी चाहिए। बचपन से ही बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता का बीजारोपण करना चाहिए। स्वच्छ समाज से ही स्वस्थ समाज का निर्माण होता है। देवेंद्र, प्रदीप और रश्मि के नेतृत्व में एनएसएस अध्यक्ष पार्थ कुंडू, उपाध्यक्ष नवजोत, कीर्ति बरेजा, जनसंपर्क प्रमुख विभूति शर्मा और समन्वयक दिवांशु के साथ स्वयं सेवी विद्यार्थी शामिल हुए। ग्राम पंचायत के सरपंच सुनील ने स्वयं सेवकों को सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा और गांव को पूरी तरह से स्वच्छ किया जाएगा।

पानीपत के गांव डिकाडला में स्वच्छता अभियान चलाते हुए पाइट के स्वयंसेवी विद्यार्थी।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

DAINIK BHASKAR 12/08/2025

दैनिक भास्कर

पानीपत भास्कर 12-08-2025

पाइट की एनएसएस टीम ने चलाया स्वच्छता अभियान

समालखा| पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पाइट) की एनएसएस टीम ने डिकाडला में स्वच्छता अभियान चलाया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को बताया कि स्वच्छता से ही बीमारियों को हराया जा सकता है। स्वच्छ समाज से ही स्वस्थ समाज का निर्माण होता है। देवेंद्र, प्रदीप और रश्मि के नेतृत्व में एनएसएस अध्यक्ष पार्थ कुंडू, उपाध्यक्ष नवजोत, कीर्ति बरेजा, जनसंपर्क प्रमुख विभूति शर्मा और समन्वयक दिवांशु के साथ 21 स्वयंसेवक शामिल हुए। ग्राम पंचायत के सरपंच सुनील ने स्वयंसेवकों को सराहा।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

AAJSAMAJ 12/08/2025

आज समाज
पानीपत, मंगलवार, 12 अगस्त , 2025

पाइट की एनएसएस टीम ने डिकाडला में चलाया स्वच्छता अभियान

समालखा। पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) की एनएसएस टीम ने डिकाडला में स्वच्छता अभियान चलाया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने ग्रामीणों को बताया कि स्वच्छता से ही बीमारियों को हराया जा सकता है। हमें अपने आसपास गंदगी नहीं ठहरने देनी चाहिए। बचपन से ही बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता का बीजारोपण करना चाहिए। स्वच्छ समाज से ही स्वस्थ समाज का निर्माण होता है। देवेंद्र, प्रदीप और रश्मि के नेतृत्व में एनएसएस अध्यक्ष पार्थ कुंडू, उपाध्यक्ष नवजोत, कीर्ति बरेजा, जनसंपर्क प्रमुख विभूति शर्मा और समन्वयक दिवांशु के साथ 21 स्वयंसेवक शामिल हुए।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

OTHER 12/08/2025

पाइट की एनएसएस टीम ने डिकाडला में चलाया स्वच्छता अभियान

समालखा, 11 अगस्त (अशोक चुघ): पाइट की एनएसएस टीम ने डिकाडला में स्वच्छता अभियान चलाया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने ग्रामीणों को बताया कि स्वच्छता से ही बीमारियों को हराया जा सकता है। हमें अपने आसपास गंदगी नहीं ठहरने देनी चाहिए। बचपन से ही बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता का बीजारोपण करना चाहिए। स्वच्छ समाज से ही स्वस्थ समाज का निर्माण होता है। देवेंद्र, प्रदीप और रश्मि के नेतृत्व में एनएसएस अध्यक्ष पार्थ कुंडू, उपाध्यक्ष नवजोत, कीर्ति बरेजा, जनसंपर्क प्रमुख विभूति शर्मा और समन्वयक दिवांशु के साथ 21 स्वयंसेवक शामिल हुए। ग्राम पंचायत के सरपंच सुनील ने स्वयंसेवकों को सराहा। साथ ही वादा किया कि गांव को संपूर्ण स्वच्छ बनाएंगे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

LIBRARY INDUCTION PROGRAMME FOR NEWLY ADMITTED STUDENTS (2025-26)

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

SACH KAHOON 05/08/2025

epaper.sachkahoon.com
05 Aug 2025 - Page 11

ओएस डीएवी स्कूल कैथल के छात्रों ने पाइट में सीखी भविष्य की तकनीकें

समालखा (राकेश वर्मा)। ओएस डीएवी स्कूल कैथल के 52 छात्र-छात्राओं को सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में लेजर कटिंग, थ्रीडी प्रिंटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, एआर-वीआर टेक्नॉलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी भविष्य की तकनीकों से परिचित कराया गया। यह प्रशिक्षण पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) के एआइसीटीई आइडिया लैब में आयोजित हुआ।

पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को नवीनतम तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान देकर उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना है। बोर्ड सदस्य शुभम तायल ने बताया कि छात्रों ने विभिन्न प्रोजेक्ट्स और डेमो के माध्यम से तकनीक को व्यावहारिक रूप से समझा। प्रशिक्षण में मनीषा गुगलानी, मनीषा, पारस और परमिंदर सिंह ने योगदान दिया, जबकि समन्वय की भूमिका डॉ. अंजू गांधी और डॉ. सुनील दुल ने निभाई। विशेषज्ञ सत्रों का संचालन डॉ. अखिलेश त्रिपाठी, डॉ. शशि बाला, डॉ. स्तुति और पारूल ने किया।

कार्यक्रम में पाइट के सचिव सुरेश तायल सहित आइडिया लैब के प्रशिक्षक निखिल, अंकुर, अंकित, रोशन, करण और प्राची भी मौजूद रहे।

OTHER 05/08/2025

ओएस डीएवी कैथल के छात्रों को पाइट में किया प्रशिक्षित

ओपन सर्च/ मनदीप कुमार

समालखा। लेजर कटिंग क्या होती है , थ्रीडी प्रिंटिंग कैसे की जाती है, इंटरनेट ऑफ थिंग्स यानी आइओटी से क्या-क्या किया जा सकता है, ओएस डीएवी स्कूल कैथल के छात्र-छात्राओं को फ्यूचर टेक्नॉलोजी से रूबरू कराया गया। सात दिन तक 52 विद्यार्थियों को पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में ट्रेनिंग दी गई। पाइट में एआइसीटीई आइडिया लैब में यह प्रशिक्षण दिया गया। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को भविष्य की तकनीकों से परिचित कराना और उन्हें व्यावहारिक कौशल से सुसज्जित करना था। बोर्ड सदस्य शुभम तायल ने बताया कि छात्रों को एआर-वीआर टेक्नॉलोजी एवं एआइ के बारे में बताया गया। मनीषा गुगलानी, मनीषा, पारस और परमिंदर सिंह ने ट्रेनिंग दी। डॉ. अंजू गांधी और डॉ. सुनील ढुल ने समन्वयक की भूमिका निभाई। विशेषज्ञ सत्रों का संचालन डॉ. अखिलेश त्रिपाठी, डॉ. शशि बाला, डॉ. स्तुति और पारूल ने किया। पाइट के सचिव सुरेश तायल ने भी प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर आइडिया लैब के प्रशिक्षक निखिल, अंकुर, अंकित, रोशन, करण और प्राची भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

HARIBHOOMI 05/08/2025

पाइट में एआइसीटीई आइडिया लैब में प्रशिक्षण दिया गया

कैथल के विद्यार्थियों ने पाइट में आधुनिक तकनीक का ज्ञान लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| समालखा

पानीपत। पाइट में टीचर्स के साथ डीएवी स्कूल, कैथल के विद्यार्थी।

लेजर कटिंग क्या होती है, थ्रीडी प्रिंटिंग कैसे की जाती है, इंटरनेट ऑफ थिंग्स यानी आइओटी से क्या-क्या किया जा सकता है, ओएस डीएवी स्कूल कैथल के विद्यार्थियों को फ्यूचर टेक्नॉलोजी से रूबरू कराया गया। सात दिन तक 52 विद्यार्थियों को पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में ट्रेनिंग दी गई। पाइट में एआइसीटीई आइडिया लैब में यह प्रशिक्षण दिया गया। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को भविष्य की तकनीकों से परिचित कराना और उन्हें व्यावहारिक कौशल से सुसज्जित करना था। बोर्ड सदस्य शुभम तायल ने बताया कि छात्रों को एआर-वीआर टेक्नॉलोजी एवं एआइ के बारे में बताया गया। मनीषा गुगलानी, मनीषा, पारस और परमिंदर सिंह ने ट्रेनिंग दी। डॉ. अंजू गांधी और डॉ. सुनील ढुल ने समन्वयक की भूमिका निभाई। विशेषज्ञ सत्रों का संचालन डॉ. अखिलेश त्रिपाठी, डॉ. शशि बाला, डॉ. स्तुति और पारूल ने किया। पाइट के सचिव सुरेश तायल ने भी प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर आइडिया लैब के प्रशिक्षक निखिल, अंकुर, अंकित, रोशन, करण और प्राची भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

AAJ SAMAJ 05/08/2025

आज समाज
पानीपत, मंगलवार 05 अगस्त 2025

ओएस डीएवी कैथल के छात्रों को पाइट में किया प्रशिक्षित

आज समाज नेटवर्क

पानीपत/समालखा। लेजर कटिंग क्या होती है, थ्रीडी प्रिंटिंग कैसे की जाती है, इंटरनेट ऑफ थिंग्स यानी आइओटी से क्या-क्या किया जा सकता है, ओएस डीएवी स?कूल कैथल के छात्र-छात्राओं को फ्यूचर टेक्नॉलोजी से रूबरू कराया गया।

सात दिन तक 52 विद्यार्थियों को पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में ट्रेनिंग दी गई। पाइट में एआइसीटीई आइडिया लैब में यह प्रशिक्षण दिया गया। पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को भविष्य की तकनीकों से परिचित कराना और उन्हें व्यावहारिक कौशल से सुसज्जित करना था। बोर्ड सदस्य शुभम तायल ने बताया कि छात्रों को एआर-वीआर टेक्नॉलोजी एवं एआइ के बारे में बताया गया।

मनीषा गुगलानी, मनीषा, पारस और परमिंदर सिंह ने ट्रेनिंग दी। डॉ. अंजू गांधी और डॉ. सुनील ढुल ने समन्वयक की भूमिका निभाई। विशेषज्ञ सत्रों का संचालन डॉ. अखिलेश त्रिपाठी, डॉ. शशि बाला, डॉ. स्तुति और पारूल ने किया। पाइट के सचिव सुरेश तायल ने भी प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर आइडिया लैब के प्रशिक्षक निखिल, अंकुर, अंकित, रोशन, करण और प्राची भी मौजूद रहे।

PANIPAT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

DAINIK JAGRAN 05/08/2025

कैथल के छात्रों को पाइट में तकनीकों से कराया रूबरू

कार्यशाला में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को सर्टिफिकेट दिए गए। ● संस्थान.

जासं ●समालखा : ओएस डीएवी स्कूल, कैथल के 52 विद्यार्थियों को पाइट कालेज की आइडिया लैब में सात दिनों का प्रशिक्षण दिया। उन्हें लेजर कटिंग क्या होती, थ्री डी प्रिंटिंग कैसे की जाती व इंटरनेट आफ थिंग्स यानि आइओटी से क्या-क्या किया जा सकता है व अन्य के बारे में जानकारी दी। छात्र-छात्राओं को भविष्य की तकनीकों से रूबरू कराया।